एकीकृत वार्षिक जिला योजना १९९१-९२

एवं

अष्टम् पंचवर्षीय योजना १९९०-९५

जनपद-कानपुर देहात

34233

कार्यालय अर्थ एवं संख्याधिकारी

कानपुर, देहात

अर्थ एवं संख्या प्रभाग

राज्य नियोजन संस्थान

उत्तर प्रदेश

-54233
309.26
UTT.A

Sub. National Systems Unit,
National Institute of Educational
Planning and Administration
17-B, Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016
DOC. No. D-5906
Date....23-3-91.....

-: विषय सूची :-

=0=0=0=0=0

अध्याय संख्या	विषय	पृष्ठ संख्या
(1)	भूमिका	1-4
(2)	जनपद परिचय	5-8
(3)	अन्तर्जनपदीय एवं अन्तर्विकास खण्डीय विषमतायें	19-27
(4)	जिला योजना के उद्देश्य, रणनीति एवं प्राथमिकतायें	28-31
(5)	जिला योजना का वित्त पोषण	32-33
(6)	जनपद में चल रही विकास कार्यों का समालोचनात्मक मूल्यांकन एवं प्रस्तावित भावी कार्यक्रम	34-56
(7)	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम	57
(8)	स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान	58-59
(9)	समस्यायें एवं सुझाव	60-62

-: तालिकायें:-

=0=0=0=0

(10)	जी.एन.-1 सेक्टरवार व्यय परिव्यय	1-4
(11)	जी.एन.-2 योजना व्यय परिव्यय:-	
(1)	कृषि	1-2
(2)	कृषि रक्षा	3-4
(3)	उद्यान	3-6
(4)	फलसंरक्षण	7-8
(5)	गन्ना विकास	9-10
(6)	लघु एवं सीमान्त कृषकों को सहायता	11-12
(7)	कृषि विपणन	11-12
(8)	भूमि एवं जल संरक्षण	13-14
(9)	पशुपालन	15-18
(10)	दुग्धशाला विकास	19-20
(11)	मत्स्य	21-22
(12)	वन विभाग	21-22

:::: अवशेष:::

क्रमांक	विषय/सेक्टर	पृष्ठ संख्या
॥13॥	सहकारिता	25-26
॥14॥	एकीकृत ग्राम्य विकास	27-28
॥15॥	जवाहर रोजगार योजना	27-28
॥16॥	भूमि सुधार	27-28
॥17॥	पंचायत राज	29-30
॥18॥	सामुदायिक विकास॥ग्राम्य विकास॥	31-32
॥19॥	निजी लघु सिंचाई	33-34
॥20॥	राजकीय लघु सिंचाई	33-34
॥21॥	विद्युत	35-36
॥22॥	उद्योग केन्द्र	37-38
॥23॥	हथकरघा	39-40
॥24॥	सड़क एंव पुल	41-42
॥25॥	पर्यटन	43-44
॥26॥	अर्थ एंव संख्या	43-44
॥27॥	प्राथमिक शिक्षा	45-50
॥28॥	माध्यमिक शिक्षा	51-56
॥29॥	प्रौढ़ शिक्षा	55-56
॥30॥	प्राविधिक शिक्षा	57-58
॥31॥	खेलकूद	57-58
॥32॥	युवाकल्याण	59-62
॥33॥	एलोपैथिक चिकित्सा	63-66
॥34॥	आयुर्वेदिक एंव यूनानी चिकित्सा	67-68
॥35॥	जल निगम	69-72
॥36॥	हरिजनपेयजल॥ग्राम्य विकास॥	73-74
॥37॥	पूल्ड आवास	75-76
॥38॥	आयोजनेत्तर भावन राजस्व	75-76
॥39॥	ग्रामीण आवास	75-76
॥40॥	सूचना	77-78

अवधेश:::

क्रमशः

क्रमांक	विभाग/ सेक्टर	पृष्ठ संख्या
(41)	अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ी - जाति कल्याण	79-82
(42)	शिल्पकार प्रशिक्षण	83-84
(43)	सेवायोजन	83-84
(44)	समाजकल्याण	85-86
(45)	पुष्टाहार	87-88
	:- जी0एन0-3 भौतिक लक्ष्य एवं उपलब्धि :- =0=0=0=0=0=0=0=0=0=0=0=0=0=0=0	
(1)	कृषि	1
(2)	कृषिरक्षा	1-2
(3)	उद्यान	2
(4)	फल संरक्षण	3
(5)	गन्ना	4
(6)	लघु एवं सीमान्त कृषकों को सहायता	5
(7)	कृषि-विपणन	5
(8)	भूमि एवं जल संरक्षण	6
(9)	पशुपालन	7-8
(10)	दुग्धशाला विकास	9-10
(11)	मत्स्य	10
(12)	वन	10
(13)	सहकारिता	11
(14)	जिला ग्राम्य विकास अभिकरण	12
(15)	भूमि सुधार	12
(16)	पंचायतीराज	12
(17)	सामुदायिक विकास(ग्रा0वि0)	13
(18)	निजी लघु सिंचाई	13

अवधेश::::

क्रमशः

क्रमांक	विभाग/ सेक्टर	पृष्ठ संख्या
§19§	राजकीय लघु सिंचाई	1ॻ-15
§20§	विद्युत	15
§21§	उद्योग/हथकरघा	16
§22§	लोक निर्माण विभाग	17
§23§	पर्यटन	18
§24§	अर्थ एंव संख्या	18
§25§	बेसिक शिक्षा	19-20
§26§	माध्यमिक शिक्षा	20-21
§27§	खेलकूद	22
§28§	युवाकल्याण	22-23
§29§	एलोपैथिक चिकित्सा	24-25
§30§	आयुर्वेदिक एंव यूनानी चिकित्सा	25
§31§	जल निगम	26
§32§	ग्राम्य विकास§पेयजल §	26
§33§	राजस्व § आयोजनेत्तर/ भवन	27
§34§	लोक निमार्ण विभाग§पुल्डआवास§	27
§35§	ग्राम्य विकास विभाग§ग्रामीण आवास§	27
§36§	सूचना	27
§37§	अनुसूचित जाति कल्याण	28
§38§	शिल्पकार प्रशिक्षण	28-29
§39§	सेवायोजन	29
§40§	सामाजिक सुरक्षा एंव कल्याण	30
§1§	जी•एन•-4जिलायोजनाका वित्त पोषण	1-5
§2§	सड़क एंव पुल के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य	1-21
§3§	आधार भूत आंकड़े	1-17

0000000000000000000000

000000000000000
00000
अवधेश::

अध्याय – 1
=x=x=x=x=x=

भूमिका
x=x=x=x=x=x

राष्ट्रीय नेतृत्व के सामने देशवासियों के उन्नयन आर्थिक का लक्ष्य स्पष्ट है । स्वतंत्रता संग्राम में संलग्न रहते हुऐ भी राष्ट्रीय नेतृत्व में आर्थिक विकास का चिन्तन प्रारम्भ कर दिया था ।

1938 में पं०जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय नियोजन समिति का गठन हुआ जिसने देश के आर्थिक ढाचे को समाजवादी सिद्धान्त पर तैयार करने का सुझाव दिया था ।

1.02---- देश के आर्थिक विकास को नियोजित ढ़ग से प्रारम्भ किया जाने के लिये वर्ष 1951-52 से प्रथम पंचवर्षीय योजना का प्रारम्भ किया गया । इसके बाद तीन वार्षिक योजनाओं के अतिरिक्त यह कार्य पंचम पंचवर्षीय योजना के दो वर्ष तक अर्थात वर्ष 1981-82 तक प्रदेश स्तर पर ही किया जाता रहा ।

1.03--- वर्ष 1981-82 में यह अनुभव किया गया कि जन सहयोग पर आधारित योजनाये ज्यादा स्थायी और प्रभावी होती है ।जनता की सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिए उसका सक्रिय योगदान आवश्यक है ।शासन द्वारा आवश्यक मार्गदर्शन एंव सहायता सुलभ करायी जानी चाहिये ।जनता की अवश्यकताओं का अनुभव करते हुए जिला स्तर परयोजनाओ की रूप रेखा तैयार की जाय तथा उनके कार्यान्वयन में स्थानीय अधिकारी एंव जन प्रतिनिधियों का सहयोग प्राप्त किया जाय जो जनता में स्वतः ही योजनाओं के प्रति लगाव उत्साह तथा उन्हे सफलतापूर्वक पूरा करने की भावना बलवती होगी ।

1.04--- नियोजन की प्रक्रिया में लगातार संशोधन और परिमार्जन होता रहा है । सीमित साधनों द्वारा सीमित साधनों के रहते हुए जनता की सेवाओं की बढती माँग को पूर्ण रूप से उपलब्ध कराया जाना कठिन है ।ऐसी स्थिति में जहां से अधिक दवाव पड़ता था वहाँ बिना गहराई से विचार किये किसी सेवा का उपलब्ध करा दिया जाना ही एक विकल्प था परन्तु इस तरह सेवा उपलब्ध कराया जाना एक नियोजित व्यवस्था का अंग नही था क्यों कि नियोजन की पूर्ण व्यवस्था प्रदेश तथा मुख्यालय तक ही सीमित थी नियोजन प्रक्रिया के अन्तर्गत यह अनुभव किया गया कि "नीचे से नियोजन" का अवसर प्रत्येक जनपद को सुलभ होना चाहिये।

1.05---- विभिन्न योजनाओं की प्रगति के मूल्यांकन द्वारा यह स्पष्ट हुआ कि प्रदेश से नियोजन का कार्य चलाये जाने पर इसमे क्षेत्रीय विषमताओं तथा बेरोजगारी एंवगरीबी की समस्यायें अलग-अलग क्षेत्रों को सामने उभार कर

आई यह भी अनुभव किया गया कि जो क्षेत्र काफी पिछड़े हुए तथा निर्धन थे उनकी अपेक्षा उन क्षेत्रों का जो काफी विकसित और खुशहाल क्षेत्र थे । और भी अधिक लाभ हुआ । असंतुलित विकास को देखते हुए उ0 प्र0 शासन द्वारा वर्ष 1982-83 से विकेन्द्रित नियोजन प्रणाली के अन्तर्गत क्षेत्र विशेष के लिये विभिन्न मानकों के आधार पर परिव्यय इंगित करके निर्धारित मार्ग निर्देशन के आधार पर जिले के अधिकारियों और जन-प्रतिनिधियों से अपने-अपने क्षेत्र की योजनाये तैयार करने की अपेक्षा की गयी है। जिला स्तर पर योजनाओं के निमार्ण एंव अनुश्रवण हेतु दो समितियों का गठन किया गया । प्रथम जिला योजना समन्वय एंव कार्यान्वियन समिति द्वितीय जिला नियोजन एंव अनुश्रवण समिति| विकेन्द्रित नियोजन प्रणाली के लागू किए जाने पर जिन मूलभूत राष्ट्रीय एंव राज्य स्तरीय सिद्वान्तों को ध्यान में रखे जाने की अपेक्षा की गई थी वे इस प्रकार है :-

1- विकास सामाजिक न्याय के साथ हो, इसके लिये विकास के प्रस्तावित कार्यक्रमों द्वारा रोजगार एंव विकास के अवसर विशेष रूप से समाज के पिछड़े हुए लोगों के लिए उपलब्ध हो सके ।

§2§--- जनपद के आर्थिक विकास के लिए स्थानीय, भौतिक तथा मानवीय संसाधनों का अधिकतम एंव सर्वोत्तम उपयोग हो, जिससे आय एंव रोजगार दोनों में वृद्वि हो सके ।

§3§----- भूमि, पशुधन, लघु एंव कुटीर उद्योग की उत्पादकता की वृद्वि हो सके इस प्रकार के कार्यक्रम से जो लाभ सम्भावित हो उसका अधिकांश भाग समाज के छोटे किसान, भूमिहीन कृषक, ग्रामीण कुटुम्बों को मिला ।

§4§----- राष्ट्रीय न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम जिसमें §1§ प्राथमिक तथा प्रौढ़ शिक्षा§2§ ग्रामीण स्वास्थ्य एंव पेय जल §3§ ग्रामीण सड़के §4§ ग्रामीण विद्युतीकरण§5§ ग्रामीण निर्धनों हेतु आवास §6§ पर्यावरण सुधार §7§ पौष्टिक आहार सम्मलित है, की पूर्ति हो सके ।

§5§--- ऐसे सामाजिक तथा आर्थिक अवस्थापनाओं का निमार्ण किया जाय जिससे उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति हो सके ।

§6§---- अवस्थिति-अवस्थिति अवस्थापनाओं /संस्थाओं को इस प्रकार से पुनर्गठित किया जाय जिससे गरीबों के हितों की रक्षा हो सके ।

§7§ --- रोजगार के ऐसे अवसरों का सृजन किया जाय जिनसे भूमिहीनों व छोटे कृषकों आदि को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध हो सके ।

§8§------रोजगार के अधिक अवसरों को उपलब्ध कराने के लिये दलित वर्ग, भूमिहीनों, ग्रामीण उद्यमियों की क्षमता को विभिन्न प्रशिक्षणों द्वारा विकसित किया जा सके ।

जिला योजना के वर्णित उक्त प्रधान उद्देश्यों, जनपद की अलग- अलग परिस्थितियों एंव समस्याओं के अनुकूल विशिष्ट उद्देश्यों की पूर्ति हेतु

क्रमशः---3

योजना निर्धारित करके विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाय ।

1.07--- उपरोक्त उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए जनपद के विकास हेतु समस्त विकास विभागों की योजनाओं को निम्न तीन भागों में विभाजित किया गया है :-

1- राज्य सेक्टर: राज्य सेक्टर के कार्यक्रमों में ऐसे कार्यक्रम सम्मलित है जिनका लाभ किसी जनपद विशेष तक सीमित नहीं है । और जिनके परिव्यय को जनपदों के बीच विभाजित नहीं किया जा सकता है । राज्य सेक्टर की योजनाओं की संरचना का कार्य वर्तमान प्रणाली के अनुसार मुख्यालय में सम्बन्धित विभागों, संगठनों द्वारा किया जायेगा ।

2- जिला सेक्टर योजनाये: जिला सेक्टर के कार्यक्रमों में ऐसे कार्यक्रम सम्मलित किये गये है जिनका लाभ अथवा प्रभाव जनपद विशेष तक ही सीमित है अत: उनके परिव्यय को जनपदवार विभाजित किया जा सकता है । जिला सेक्टर की योजना संरचना का कार्य, जनपदों से सम्बन्धित समितियों से किया जायेगा ।

3- चिन्हित योजनाये : जिला सेक्टर योजनाओं के अन्तर्गत ऐसी भी कुछ योजनाये होंगी जिनपद सम्पूर्ण लक्ष्य केवल जनपदों तक ही न सीमित होकर व्यय का कुछ भाग मुख्यालय अथवा मण्डलों पर भी होगा । जिला योजना के लिये परिव्यय प्रदेश के कुल योजना परिव्यय का 30 प्रतिशत जिला सेक्टर योजनाओं को ध्यान में रखते हुए जिला योजनाओं की संरचना के लिये आवंटित किया गया है शेष 70 प्रतिशत राज्य सेक्टर की योजनाओं के लिए रखा गया है जिलेवार परिव्यय आवंटन निम्न मानकों के आधार पर किया जाता है :-

	सूचकांक	प्रतिशत
1-	कुल जनसंख्या	50
2-	अनु0जाति0एवं जनजातिकी सं0	05
3-	सीमान्त कृषकों तथा भूमिहीन-मजदूरों की संख्या -	10
4-	कृषि उत्पादन में पिछड़ापन	05
5-	औद्योगिक पिछड़ापन	05
6-	सड़कों का पिछड़ापन	05
7-	विद्युतीकृत ग्रामों का पिछड़ापन	05
8-	अस्पतालों और शैयाओं की संख्या-का पिछड़ापन	05
9-	पेयजल अभाव ग्रस्त गाँव	05
10-	जनपदकी विशेष समस्या हेतु अथवा परियोजना में उत्पन्न असंगतियों को दूर करने हेतु आरक्षित धनराशि	05
		100

उपरोक्त आधार पर शासन से प्राप्त परिव्यय को विभिन्न विभागों की योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु आवंटन किया जाता है । तथा यह आवंटन जिला योजनाकार्यन्वयन एंव समन्वय समिति द्वारा किया जाता है ।

तदपरान्त माननीय प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में गठित जिला नियोजन एंव अनुश्रवण समिति में इसका अनुमोदन कराया जाता है । इसके बाद मण्डलीय नियोजन समिति के अनुमोदन के उपरान्त जिला योजना शासन को प्रेषित कर दी जाती है ।

1.08--- जिला योजना की सार्थकता काफी है इससे जनपद विशेष के कुछ भागों मे विकास की किरणे पहुचाने में एंव क्षेत्रीय असंन्तुलन को कम करने में काफी सीमा तक लाभ हुआ है ।

जिला योजना प्रारम्भ के वर्ष 1982-83 में जिला योजनाओं के लिये परिव्यय जनपद कानपुर नगर एंव देहात के लिए संयुक्त रूप से 78950=00 हजार रूपये निधारित किया गया था जबकि वर्ष 1991-92 के लिए यह परिव्यय केवल जनपद कानपुर देहात के लिए202339.0 हजार रूपये रखा गया है ।

दोनों जनपद कानपुर नगर एंव कानपुर देहात के परिव्यय को सम्मलित कर लिया जाय तो कुल परिव्यय 304721.0 हजार रूपये है । जो कि योजना प्रारम्भ से लगभग 386.0 प्रतिशत वृद्धि हुई ।

0000000000000000000000
0000000000000000
000000000
0

अध्याय- 2

जनपद परिचय

2-§अ§ प्राकृतिक एंव भौगोलिक विशेषतायें :

2-§अ§-01 जनपद कानपुर देहात गंगा तथा यमुना के दो आब के निचले भाग में स्थिति है । इस जनपद की सीमाए प्रदेश के सात जनपदों फतेहपुर, हरदोई, फरूखाबाद, कानपुर नगर, इटावा, जालौन, एंव हमीरपुर से मिली हुई है इस जनपद के दक्षिण पूर्व में फतेहपुर जनपद, उत्तर पूर्व में कानपुर नगर जनपद उत्तर में हरदोई, उत्तर पश्चिम में फरूखाबाद, पश्चिम में जनपद इटावा दक्षिण पश्चिम में जिला जालौन एंव दक्षिण में जिला हमीरपुर, स्थित है ।जनपद के दक्षिण पूर्व में दक्षिण तथा पश्चिम की सीमा यमुना नदी द्वारा एंव उत्तर की सीमा गंगा नदी द्वारा निर्धारित होतीहै ।

2-§अ§-02 जनपद देश के अन्य भागों से रेल तथा सड़क मार्गों से जुड़ा हुआ है । जनपद कानपुर देहात से उत्तरी रेलवे, मध्य रेलवे तथा उत्तरी पूर्व रेलवे तीनों प्रकार से रेल मार्ग गुजरते है । उत्तरी रेलवे की प्रमुख रेल लाईन दिल्ली से मुगलसराय होते हुए कलकत्ता जाने वाली इस जनपद से हो कर गुजरती है ।इसके अतिरिक्त कानपुर देहात बड़ी एंव छोटी रेल लाईनों की ब्रांच लाईनों से कानपुर नगर, झासी, बांदा, फरूखाबाद, एटा, मथुरा, एंव आगरा लखनऊ जनपदों से जुड़ा हुआ है सड़क मार्ग से कानपुर देहात राष्ट्रीय मार्ग नम्बर 25 जो कि कानपुर नगर जनपद से झांसी को मिलाती है जुड़ा हुआ है । पेशावर से कलकत्ता जाने वाली ग्रांडट्रंक रोड भी कानपुर देहात के उत्तरी भाग से विकास खण्ड बिल्हौर तथा शिवराजपुर एंव चौबेपुर होती हुई गुजरती है । जनपद राष्ट्रीय मार्ग से प्रदेश की राजधानी लखनऊ से भी जुड़ा हुआ है । जनपद से मिला हुआ कानपुर नगर जनपद के महा नगर कानपुर में इण्डियन एयर लाईस का वायू अड्डा भी है जहाँ विमान सेवा की सुविधाये उपलब्ध है ।

2-§अ§-03 जनपद कानपुर देहात को भौगोलिक एंव प्रशासनिक दृष्टि से छः तहसीलों में क्रमशः घाटमपुर, भोगनीपुर, अकबरपुर, डेरापुर, तथा बिल्हौर, रसूलाबाद तहसील में विभक्त किया गयाहै ! इन तहसीलों में सम्मलित विकास खण्डों की स्थिति इस प्रकार है :-

1-	तहसील	विकास खण्ड का नाम
1-	घाटमपुर	§1§ घाटमपुर §2§ पतारा §3§ भीतरगाँव ।
2-	भोगनीपुर	§1§ अमरौधा §2§ राजपुर §3§ मलासा,
§3§	अकबरपुर	§1§ मैथा §2§ अकबरपुर§ §3§ सरवनखेड़ा ।

§4§	डेरापुर	§1§ डेरापुर §2§ झीझंक §3§ संदलपुर ।
§5§	बिल्हौर	§1§ चौबेपुर§2§ बिल्हौर §3§ ककंवन । 4. शिवराजपुर
§6§	रसूलाबाद	§1§ रसूलाबाद ।

2-§3§-04 प्राकृतिक एंव भौगोलिक दृष्टिकोण से जनपद को मोटेतौर पर तीन भागों में विभक्त किया जा सकता है यह भाग तथा इनमें पड़ने वाले विकास खण्डों की स्थिति इस प्रकार है :-

	भाग	विकास खण्ड का नाम
1-	दक्षिण पश्चिमी भाग	1- घाटमपुर 2- अमरौधा 3- मलासा 4- राजपुर 5- सन्दलपुर 6- सरवनखेड़ा 7- भीतरगांव ।
2-	उत्तरी पश्चिमी भाग	1- ककंवन 2- रसूलाबाद 3 मैथा 4- झीझंक 5- डेरापुर ।
3-	पूर्वी भाग	1- पतारा 2- चौबेपुर 3- विल्हौर 4- अकबरपुर 5- शिवराजपुर ।

2-§3§-05 जनपद की भूमि दो आब की भूमि के साथ दोमट अल्यूवियल और इसका ढाल नदियों के बहाव को देखतेहुऐ उत्तर पश्चिम से दक्षिण पूर्व की ओर है । जनपद की भूमि की बनावट जनपद की नदियों से प्रभावित होने के कारण मुख्य रूप से पांच प्रकार की पाई जाती है । प्रत्येक प्रकार की भूमि की अपनी अपनी विशेषताए है । उत्तर में गंगा एंव ईशान नदी के मध्य का एक पतला टुकड़ा है । जो कि पतला-पतला पूर्वी भाग के अन्दर आता है और जिसकी मिट्टी लोम वर्ग की है परन्तु काफी उपजाऊ है दक्षिण पश्चिम भाग में अधिकांश भूमि बुन्देलखण्ड की क्षेत्र की भूमि की तरह पायी जाती है तथा यमुना नदी के किनारे की भूमि नीची ऊची बीहड़ो के समान पायी जाती है । उत्तरी पश्चिमी भाग रिन्द, पाण्डू एंव सेंगर नदियों के मध्य फैला हुआ है । इस सम्भाग में मटियार, दोमट एंव ऊसर भूमि पायी जाती है । सेंगर नदी के किनारे विकास खण्ड डेरापुर में बीहड़ एंव ऊंची नीची जमीन पायी जाती है ।पूर्वी भाग गंगा, पाण्डू एंव ईशान नदी के बीच का है । इसमें बलुई दोमट मटियार तथा कहीं-कहीं पर ऊसर भूमि पायी जाती है ।

2-§3§-06 जनपद की गंगा तथा यमुना दो बड़ी नदियां है । गंगा नदी के उत्तरी पूर्वी और पूर्वी सीमा पर तहसील विल्हौर यमुना नदी, तहसील भोगनीपुर तथा घाटमपुर में जनपद की सीमा पर बहती हैं । इसके अतिरिक्त जनपद में छः अन्य नदियां है जिनके नाम तथा उनकी जनपद के अन्दर लम्बाई इस प्रकार है :-

	नदी का नाम	लम्बाई किoमीo
1-	ईशान नदी	16 किoमीo
2-	दक्षिण लोन	26 किo मीo

3-	उत्तरी लोन	55 कि0 मी0
4-	सेंगर नदी	63 कि0 मी0
5-	पाण्डु नदी	30 कि0 मी0
6-	रिन्द नदी	115 कि0 मी0

जनपद की उपरोक्त नदियाँ जनपद की भूमि एंव बनस्पिति की दृष्टि से पाँच भागों में विभक्त करती है इसका उल्लेख पैरा 2.05 में किया जा चुका है ।

2-§अ§-ओ§ जनपद की औसत वर्षा 802 मि0मी0 प्रति वर्ष है वर्ष 1988 में वास्तविक वर्षा 792.0 मि0मी0 हुई ।

2-§अ§0 §- जनपद में भूगर्भ जल भी कुछ भागों में प्रचुर मात्रा में तथा कही- कही काफी गहराई पर पाया जाता है जनपद के दक्षिण भाग को छोड़कर अन्य भागों में भूगर्भ जल काफी मात्रा में उपलब्ध है । जिसका सिंचाई के लिये उपयोग किया जा सकता है भूगर्भ जल की उपलब्धता को देखते हुऐ ऐसी आशा की जाती है कि वर्तमान अल्प सिंचाई कार्यों की प्रगति को देखते हुए आगामी कई वर्षों तक भूगर्भ जल उपलब्ध होता रहेगा । दक्षिण भाग में जल उपलब्ध है किन्तु घाटमपुर, भीतरगांव, तथा डेरापुर में जमुना नदी के किनारे के ऐसे क्षेत्र है जहा 300 फुट तक गहराई की बोरिंग करने पर भूगर्भ जल प्राप्त हो पाता है। जनपद के दक्षिण पश्चिमी भाग में स्थिति विकास खण्ड घाटमपुर ,अमरौधा, राजपुर, मलासा, सरवनखेड़ा, संदलपुर, तथा भीतरगांव के अधिकतर भागों में सतह से जल स्तर की गहराई अधिक है । जिसके फलस्वरूप वहाँ अल्प सिंचाई साधनों की आवश्यकता सीमित मात्र में ही है । उत्तरी पश्चिमी भाग तथा पूर्वी मात्रा में जल स्तर की गहराई अधिक न होने के कारण व्यक्तिगत अल्प सिंचाई के साधनों की संख्या काफी है ।

2-§अ§C 0 जनपद में वर्ष 1987-88 में 5674 है0 भूमि बन विभाग के नियन्त्रण में है । जिसकी अधिकांश भाग में आम, जामुन, शीशम इमली अर्जुन यूकलिप्टस , पीपल, बरगद, पाखड़ , अमलतास, एंवढाक के पेड़ है । इन जगलों की लकड़ी प्रधानाईधन और इमारती लकड़ी के काम आती है । वनों में जंगली जानवरों के नाम पर भेड़िया जंगली सुअर नीलगाय, हिरन , लकडबग्घा खरगोश, लोमड़ी तथा गीदड़ आदि पाये जाते है चिडियों में तीतर, बटेर , आदि मिल जाते है ।

जनपद में खनिज के नाम पर कोई विशेष उल्लेखनीय पदार्थ नही है । लेकिन अच्छी मिटटी सुआ है जिससे अच्छी ईंट बनायी जाती है- गंगा तथा यमुना नदी के किनारे कही-कही बालू बहुतायत से उपलब्ध है । विकास खण्ड अमरौधा में यमुना नदी के किनारे मौरंग के भण्डार है ।

2-§3§-§2§ पशुधन की दृष्टि से वर्ष 1988 की जनगणना के अनुसार जनपद में गोवंशीय पशुधन 436833 पशु है । जिसमें 3 वर्ष से अधिक आयु की मादा गाय 151812 है इसी प्रकार महिष्य वंशीय पशु 331836 है । जिसमें भैंस 144300 है इसके अतिरिक्त भेड़ो की संख्या 41333 बकरा एंव बकरियों की संख्या 304985 सुअर 40622 एंव अन्य पशुओं की संख्या 37109 है । कुक्कुट की संख्या 74338 है ।

2-§3§-§2§ जनपद में भूमि उपयोगिता की दृष्टि से सामान्यत: मामूलीदोमट की मिट्टी पायी जाती है । घाटमपुर तथा भोगनीपुर तहसील का यमुना तटवर्ती दक्षिणी भाग में सिंचाई साधनों की वहा की स्थलाकृति के कारण कमी है बंजर भूमि काफी है । तहसील बिल्हौर व अकबरपुर में लगभग 20प्रतिशत क्षेत्र की भूमि लम्बे-लम्बे ऊसर पड़े होने के कारण बेकार है । इन भागों में जल तलहटी ऊंची है । तथा भूमि में क्षार पदार्थ अधिक है । जनपद के भूमि उपयोगिता के आकड़े इस प्रकार है :-

क्रसं0	क्षेत्रफल है0 1986-87	क्षेत्रफल है0 1987-88
1- भूमि उपयोगिता के लिये - प्रतिवेदित क्षेत्र:-	508702	508702
2- बन	6908	5674
3- ऊसर एंव कृषि के अयोग्यभूमि	46577	41911
4- कृषि के अतिरिक्त अन्य प्रयोजन में आने वाली भूमि	36675	37195
5- कृषि योग्य बंजर भूमि	12688	13367
6- स्थायी चारागाह तथा अन्य चराई की भूमि	824	716
7- अन्य वृक्षों झाड़ियों बाग की भूमि जो बोये गये क्षेत्र में शामिल नही है	6656	6444
8- कुल परिती भूमि §वर्तमान एंव अन्य §	38696	44423
9- शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल	360894	358972
10-एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल	126707	89672
11-संकल बोया गया क्षेत्र	487601	448644

2-अ-13 वर्ष 1985-86 की कृषि गणना के अनुसार जनपद कानपुर देहात में कृषि की संख्या एंव क्षेत्रफल की स्थिति जोतों के आकार के अनुसार इस प्रकार है ।

क्रमश:---9

जोतों का आकार	संख्या	क्षेत्रफल है0 §000§
1- एक हेक्टर तक	253822	87
2- एक से तीन के बीच	89227	152
3- तीन से पांच तक के बीच	17253	72
4- पांच है0तथा उससे अधिक	7513	62
योग:-	367815	373

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि जनपद के 69 प्रतिशत कृषकों के पास एक है0 से कम जोत है । तथा ऐसे कृषकों के पास कुल जोतों की भूमि का 23 प्रतिशत क्षेत्रफल है । एक से तीन है0 तथा तीन है0 से पांच है0 तक जोतों वाले कृषक क्रमशः 24 तथा 5 प्रतिशत है पर इस प्रकार की जोतों में भूमि का क्रमशः 41 प्रतिशत तथा 19 प्रतिशत क्षेत्रफल आता है । पांच है0 तथा उससे अधिक भूमि वाले कृषक कुल 2 प्रतिशत है । इनके पास जोतों की कुल भूमि का 17 प्रतिशत क्षेत्र है । भूमि विवरण की इस विषमता का विवरण इससे और भी स्पष्ट हो जाता है कि एक ओर तो एक है0 वाले 60 प्रतिशत कृषक है जिसके पास 23 प्रतिशत क्षेत्रफल है और दूसरी ओर 5 है0 तथा उससे अधिक जोत वाले 2 प्रतिशत कृषक हैं जिनके पास 17 प्रतिशत क्षेत्र है ।

§ब§ जनसंख्या आदि से सम्बन्धित विवरण :-

2§ब§01 जनपद कानपुर देहात पहले जनपद कानपुर का ही अंग था वर्ष 1976 में यह जनपद प्रथम बार अलग घोषित किया जाने के बाद वर्ष 12.7.77 में इसे पुनः जनपद कानपुर में सम्मिलित कर लिया गया था । उसके उपरान्त पुनः यह जनपद 23.4.81 को बनाया गया । जनपद कानपुर को दो भागों में विभक्त करके दो जिले क्रमशः कानपुर नगर एंव कानपुर देहात सृजित किये । जनपद कानपुर देहात में पूर्व जनपद कानपुर की पांच तहसील रखी गयी ।

2§ब§02 जनपद कानपुर देहात छः तहसीलों , 17 विकास खण्डों 165 न्याय पंचायतों , 1317 ग्राम सभाओं एंव 1624 आबाद ग्रामों में बांटा हुआ है । जनपद में जिला परिषद व तीन नगर पालिकाएं तथा सात नगर क्षेत्र सिमितियां है ।

2§ब§03 वर्ष 1981 की जनगणना के अनुसार जनपद की कुल जनसंख्या 1791473 है जिसमें ग्रामीण क्षेत्र में 1702363 व्यक्ति तथा नगर क्षेत्र में 89110 व्यक्ति निवास करते है ।

क्रमशः----9

ग्रामीण क्षेत्रों की जनसंख्याये पुरूष 919307 तथा स्त्री 783056 है। कुल ग्रामीण जनसंख्या में अनुसूचित जाति /जनजाति का प्रतिशत पुरूषों की 225682 तथा स्त्रियों की संख्या 189658 है। कुल ग्रामीण जनसंख्या की अनु०जाति/जनजाति की संख्या 24 प्रतिशत है। पुरुष स्त्री का प्रतिशत क्रमशः 25 प्रतिशत तथा 24 प्रतिशत है नगर क्षेत्र में अनु० जाति० / जनजाति की जनसंख्या का प्रतिशत 16 प्रतिशत है।

2§ब§04 वर्ष 1981 की जनगणना के अनुसार जनपद की कुल जनसंख्या में मुख्य कर्मकार 507269 की संख्या है जो कुल जनसंख्या का 28 प्रतिशत है। ग्रामीण क्षेत्र 13384 है मुख्य कर्मकारों में पुरूष 481647 तथा स्त्रियां 25622 है कुल कर्मकारों में स्त्री कर्मकारों का प्रतिशत केवल 5 है ग्रामीण क्षेत्र में यह प्रतिशत 26.1 है। मुख्य कर्मकारों का उद्योगानुसार आर्थिक वर्गीकरण इस प्रकार है।:-

क्रमांक	आर्थिक वर्गीकरण	1981 के आंकड़े	कुल मुख्य कर्मकारों में प्रतिशत
1	2	3	4
1-	कृषक	335456	66
2-	कृषि श्रमिक	102563	20
3-	घरेलू उद्योग	10151	2
4-	अन्य	59099	12
5-	योग	507269	100

उपरोक्त तालिका में दर्शाये गये आकड़ों से यह स्पष्ट होता है कुल मुख्य कर्मकारों में से 86 प्रतिशत कृषक एवं कृषि श्रमिक है जबकि शेष 14 प्रतिशत घरेलू उद्योग व अन्य उद्योग में कार्यरत है। कुल जनसंख्या में मुख्य कर्मकारों का प्रतिशत 28.3 प्रतिशत ही है इस प्रकार 71.7 प्रतिशत जनसंख्या अकर्मकारी §आश्रित§ है। जो कि कर्मकारों की आय पर आश्रित है।

2§ब§05 जनपद की जनसंख्या वृद्धि दर तीन दशकों का इस प्रकार है :-

वर्ष	जनसंख्या	गतदशक में वृद्धि का प्रतिशत
1961	1207075	22.8
1971	1470397	21.8
1981	1791473	21.8

§स§ आर्थिक कार्य कलाप :- जनपद के ग्रामीण अंचलों की अधिकांश जनसंख्या खेती तथा पशुपालन पर निर्भर करती है। जनपद में खनिज एवं वन सम्पदा न होने के कारण भी अधिकतर जनसंख्या कृषि एवं पशुपालन में लगी हुई है जनपद के आर्थिक कार्यकलापों को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है :-

(1) प्राथमिक कार्यकलाप जिसके अन्तर्गत कृषि एवं पशुपालन आता है।

क्रमशः----10

॥2॥ गौण कार्यकलाप जिनके अन्तर्गत वृहद उद्योग, एवं ग्रामोद्योग आते है ।

2॥क॥ 1- प्राथमिक कार्यकलाप :- जिले में कृषि से उत्पादन पैदावार के वर्ष 1987-88 के मुख्य फसलों के आकड़े निम्न तालिका में दर्शाये जा रहे है तथा प्रति हेक्टेयर उपज के आकड़े भी दिये जा रहे है :-

फसल का नाम		क्षेत्रफल ह0 ह0	कुल उत्पादन (ह0मी0टन)	औसत उपज प्रति है0 (कि0 ग्रा0)
1-	गेहू	137	320	2337
2-	जौ	21	36	1711
3-	चना	60	53	891
4-	धान	50	65	1300
5-	ज्वार	29	35	119[illegible]
6-	मक्का	20	25	756
7-	बाजरा	17	14	835
8-	गन्ना	8	494	59269
9-	आलू	10	167	16860

2॥ख॥02 जनपद की अधिकतर ग्रामीण जनसंख्या कृषि पर आधारित होने तथा उनकी जोत छोटी-छोटी होने के कारण उनकी जीविका का पूर्ण साधन नहीं बन पाते है तथा कृषि में निरन्तर बारह महीने कार्य न मिल पाने के कारण उन्हें कम आय में ही गुजर बसर करना पड़ता है जोतों के आकार से सम्बन्धित निम्न तालिका कृषि आधारित आर्थिक कार्यकलापों का विवरण स्पष्ट करती है ।

जोतों का आकार	जोतों की कुल सं0	क्षेत्रफल ॥हे0मे0॥	आकार वार जोतों का कुल जोतों में प्रतिशत	आकारवार जोतों का कुल जोतों ॥क्षे0॥ से प्रतिशत
1	2	3	4	5
1-हेक्टर तक	253822	[illegible]87	69	23
2-हेक्टर से 3 हेक्टर	89227	152	24	41
3-3हेक्टर से 5 हेक्टर	17253	72	5	19
4- 5तथा उससे अधिक	7563	62	2	17
योग:-	367815	373	100	100

क्रमशः-----।।

उपरोक्त तालिका से यह स्पष्ट है जनपद में 69 प्रतिशत किसानों के पास 1 हेक्टर से कम भूमि है उनसे आधुनिक प्रकार की सघन खेती ... की आशा नहीं की जा सकती है । शेष 31 प्रतिशत किसानों में से 24 प्रतिशत किसान ऐसे है जिनके पास एक से 3 हेक्टर के बीच भूमि है इस प्रकार इस वर्ग के कृषकों को भी अपनी खेती से पूरा आर्थिक लाभ नहीं पाता है । जनपद के कुल कृषकों में से केवल सात प्रतिशत किसान ऐसे है । जिनके पास 3 हेक्टर से अधिक भूमि है इन कृषकों से यह अपेक्षा की जा सकती है कि वे आधुनिक कृषि विधियों का लाभ लागत अनुपात में इन्हे अपना सकते है ।

2§स§03 पंचवर्षीय योजनाओं में कृषि निवेशों पर अत्याधिक ध्यान कृषि पैदावार बढ़ाये जाने के लिये, दिये जाने पर कृषि पैदावार में वृद्धि हुई है । §1§ सिचाई साधनों में नहरों के अतिरिक्त जल योजनाये , राजकीय नलकूपों एंव निजी अल्प सिंचाई साधनों में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है । राज्य सरकार द्वारा जब से नि:शुल्क बोरिंग की व्यवस्था लघु सिमान्त कृषकों के लिये की गई है यह सिंचाई का साधन काफी लोक प्रिय हुआ है । कृषि पैदावार के साथ-साथ- उसके विपणन की समस्या भी जुड़ी हुई है । जनपद में मन्डी अधिनियम के अन्तर्गत 7 मण्डीयों की स्थापना हो चुकी है । जिनमें कृषकों को अपने उत्पादन को बेचने में सहायता उपलब्ध कराई जाती है जनपद में 109 बाजार/हाट है जिनमें भी कृषक अपनी पैदावार का विक्रय करते है ।

पशुपालन
=======:- पशुपालन अभिजनन एंव दुग्ध उत्पादन विकास सम्बन्धी व्यवसायिक कार्य का क्षेत्र वहा पर उपलब्ध साधनों एंव विक्रय क्षमता पर निर्भर करता है जनपद मे 1988 की पशुगणना के अनुसार दूध देने वाली गायो गायों की संख्या 151812 तथा दूध देने वाली भैस 144800 इसके अतिरिक्त बकरा बकरियों 304985 थी §मुर्गे तथा मुर्गियों की संख्या 74338 थी । जनपद कानपुर देहात के मध्य में महानगर कानपुर है । इसके आसपास के विकास खण्डों में चौबेपुर , पतारा, मैथा, शिवराजपुर , अकबरपुर, सरवनखेड़ा , भीतरगांव, में दुग्ध उत्पादन को बढ़ाकर इसका बाजार कानपुर कहा जा सकता है । जनपद में अण्डों की पूर्ति मुख्यत: केरल, हरियाना पंजाब से की जाती है । कानपुर में इसका बाजार उपलब्ध होने के कारण कुक्कुट पालन व्यवसाय भी कानपुर के आसपास के क्षेत्रों में काफी बड़े पैमाने पर चलाया जा सकता है । जनपद के विकास खण्ड पतारा, अमरौधा , शिवराजपुर, राजपुर, में जमुनापारी बकरियों के पालन की योजना वृहद स्तर पर चलाई जा सकती है ।

2॥स॥06 गौण आर्थिक कार्यकलाप:- जनपद कानपुर देहात पूर्व जनपद कानपुर का एक अंग है, कानपुर महानगर में कच्चे माल की आपूर्ति एंव विक्रय की सुविधायें उपलब्ध न होने के फलस्वरूप, औद्योगिकरण का कार्य महा नगर में ही सीमित रहा है। जनपद कानपुर देहात के बन जाने पर जनपद में कोई बड़े उद्योग नहीं थे। केवल परम्परागत उद्योग कुम्हारगीरी, लोहारगीरी, बढ़ईगीरी, तथा कुछ स्थानों पर चावल तथा दाल मिलें लगी हुई थी। औद्योगिक दृष्टि से जनपद पिछड़ा होने के कारण इसे "जीरो" जनपद भारत सरकार द्वारा घोषित किया था। जिसके फलस्वरूप अनुदान की सुविधा उद्यमियों को उपलब्ध कराई गई।
जनपद औद्योगिक दृष्टि से शून्य घोषित हो जाने के फलस्वरूप विकास खण्ड चौबेपुर, शिवराजपुर, बिल्हौर, जी0टी0रोड पर अकबरपुर, पुखरायां, क्षेत्र में काफी उद्योग लगाये गये है, इन उद्योगों में सिल्क मिल ट्यूब तथा अन्य मशीनरी से सम्बन्धित इकाइयाँ स्थापित की गई है।

जनपद में विकास खण्डों चौबेपुर, शिवराजपुर, बिल्हौर में आलू का उत्पादन अधिक होने के फलस्वरूप इन क्षेत्रों में 16 शीतगृह कार्य रत है। घाटमपुर में चीनी मिल की स्थापना की गई है। जो कि कार्य 1987-88 से कार्य प्रारम्भ कर दिया है। जनपद में धान के उत्पादन क्षेत्र अकबरपुर, झींझक, डेरापुर, रसूलाबाद में चीनी मिलें स्थापित है। तथा इन्हीं क्षेत्रों में दाल मिलें भी कार्यरत है। तहसील अकबरपुर में ग्राम रनियां में औद्योगिक आस्थान की स्थापना की गई है। जिसमें कई लघु उद्योग इकाइयों ने कार्य प्रारम्भ कर दिया है। जनपद के विकास खण्ड अमरौधा में धान मिल तथा मेटल इण्डस्ट्रीज कार्यरत है।

2-॥स॥07 जनपद में औद्योगिकीकरण की गति प्रदान करने के लिये जिला उद्योग केन्द्र के माध्यम से उद्यमियों को कच्चा माल प्राविधिक जानकारी क्रय विक्रय की जानकारी तथा योजना निमार्ण सम्बन्धी जानकारी दी जाती है। शासकीय योजना, एकीकृत ग्राम्य विकास योजना, स्वत: रोजगार तथा शिक्षित बेरोजगार योजना एंव ट्राइसम योजना के अन्तर्गत इच्छुक पात्र व्यक्तियों को प्रशिक्षण एंव ऋण अनुदान से साधन उपलब्ध कराये जाने की व्यवस्था की गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में चलने वाले परम्परागत व्यवसाय उद्योग गुड़ बनाना विधायन बढ़ईगीरी, चमड़े के जूते बनाना, मिट्टी के बरतन आदि कार्यों की ओर अधिक पैमाने पर सुव्यवस्थित ढंग से चलाने हेतु ऋण अनुदान की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

क्रमश: ---14

चार्ट टेबुल

विभिन्न साधनों से सिंचित क्षेत्रफल हेक्टेयर में !

क्रमांक	सिंचाईसाधन	सिंचित क्षेत्रफल हेक्टेयर में 1982-83	1987-88	वर्ष 1982-83 की अपेक्षा प्रतिशत कमी ।
1-	नहर	129235	98528	
2-	नलकूप	53378	71373	
3-	कुआं	1551	720	
4-	अन्य	2741	1338	
		188905	171959	(-19)

फसल चक्र

क्रमांक	नाम फसल	क्षेत्रफल हे0 1982-83	87-88	उत्पादन मी0टन में 82-83	87-88	प्रति हे0 उपज कु0 में 82-83	87-88
1	2	3	4	5	6	7	8
1-	धान	60807	49946	-	65206	14.10	13.06
2-	गेहू	146539	137105	-	320356	22.46	23.37
3-	जौ	18768	21321	-	36471	18.09	17.11
4-	ज्वार	24228	29170		34505	5.10	.83
5-	मक्का	20828	19711		14514	11.20	8.76
कुलधान्य योग		294723	257253	486158	471052		
दालें: प्रतिशत कमी		(-13प्रतिशत)			(-3) प्रतिशत		

क्र0सं0 नाम फसल	क्षेत्रफल हे0 1982-83	1987-88	उत्पादन मी0 टनों में 1982-83	1987-88	प्रति हे0 उपज0कुन्टल में 1982-83	1987-88
1- उर्द	9120	11361			2.54	4.14
2-मूंग	1674	1454			4.73	1.68
3-चना	62881	59982			11.56	8.91
4-अरहर	14011	15440			12.83	22.49
5-मटर	12808	14870			15.04	11.52
कुल दाले	101557	103107	113546	111190		
प्रतिशत वृद्धि/कमी	(+1.5)			(-2.1)		
कुल तिलहन	34864	34084	17485	20432	(+16.9प्रतिशत)	

क्रमशः --14

प्रति हैक्टेयर में उर्वरक प्रयोग कि०ग्रा०

	1982-83	1987-88	प्रतिशत वृद्धि / कमी
उर्वरक	61.000	21.200	- 65.2
दो फसली क्षेत्र	101859	89672	॥-॥ 12.0
फसल सघनता	128.8	125.0	

2.01 उपयुक्त आंकड़ों को देखने से यह स्पष्ट होता है कि सिंचाई साधनों में वृद्धि का प्रभाव शुद्ध क्षेत्रफल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है । वर्ष 1982-83 की अपेक्षा वर्ष 1987-88 में शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल में ॥-॥ 65.2 प्रतिशत कमी हुई है ।

2.02 सिंचन क्षेत्र में कमी का प्रभाव फसल पर भी पड़ा है । दो फसली क्षेत्रफल में वर्ष 1982-83 से 1987-88 में 12.0 प्रतिशत की कमी हुई है । दलहनी फसलों में क्षेत्र में 1.5 प्रतिशत की वृद्धि तथा उत्पादन में 12.1 प्रतिशत की कमी हुई है । तिलहन के क्षेत्र में कुछ कमी हुई है परन्तु उत्पादन में 16.9 प्रतिशत वृद्धि हुई है । कृषकों में प्रति है0 उर्वर प्रयोग में काफी कमी आयी है । वर्ष 1982-83 से इसमें ॥-॥ 65.2 प्रतिशत कमी हुई है । फसल सघनता जो कि वर्ष 1982-83 में 128.8 थी घटकर 1987-88 में 125.0 हो गयी ।

2.03 जनपद औद्योगिक दृष्टि से जीरो जनपद घोषित कर दिये जाने के फलस्वरूप उद्योगों को मिलने वाले अनुदान से उद्यमियों को उद्योग लगाने हेतु प्रोत्साहित किया है । जिसके फलस्वरूप जनपद में काफी उद्योग स्थापित हुए है । तथा बड़े उद्योग में सहकारी चीनी मिल घाटमपुर प्रमुख है ।

भाग-2 पूर्व वर्षों में जनपद के विकास हेतु किये गये प्रयासों के आधार पर दृष्टि गोचित प्रविष्टियाँ :-

वर्ष 1981-82 से जन सहयोग पर आधारित योजना बनाने की प्रक्रिया का अनुभव किया गया । स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु जन प्रतिनिधियों के सहयोग से योजना बनाने का कार्य प्रारम्भ किया गया जिससे स्थानीय आवश्यकताओं का ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय विषमताओं पर विशेष बल दिया गया । वर्ष 1981-82 से निरन्तर विकेन्द्रित योजनायें बनायी जा रही है । स्थानीय संसाधनों एवं आवश्यकताओं के अनुसार जिले के लिये आवंटित धनराशि के अन्तर्गत योजनाओं की संरचना करना इसका मुख्य उद्देश्य है ।

विकेन्द्रित योजना में न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के राष्ट्रीय लक्ष्यों को योजना जनपद में भी कार्यान्वित किया गया जिससे जनपद के निवासियों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। विकास की मुख्य मुख्य प्रविष्टियाँ निम्नवत है।

1- ग्रामीण सड़के :- योजना अवधि में पहले बड़े गावों को जिनकी आबादी 1500 तक है मुख्य मार्गों से लिंक रोड से जोड़ने का प्रयास किया गया। जनपद में प्रति हजार वर्ग कि0 मी0 पर 193 कि0मी0 पक्की सड़के है।

2- ग्रामीण विधुतीकरण :- ग्रामीण विधुतीकरण पर विशेष बल दिया गया जिसके फलस्वरूप जनपद में विधुतीकृत ग्रामों का कुल आबाद ग्रामों से 51.3 प्रतिशत हो गया है।

3- पेय जल :- वर्ष 1972 के सर्वेक्षण के अनुसार 50 समस्याग्रस्त ग्राम घोषित किये गये थे जिसमें पेयजल व्यवस्था कराई जा चुकी है वर्ष 1985 में किये गये सर्वेक्षण के अनुसार समस्याग्रस्त घोषित 352 ग्रामों में से वर्ष 1988 के अन्त तक 295 ग्रामों में पेयजल व्यवस्था कराई जा चुकी है। वर्ष 1988-89 में 25 ग्रामों को और लाभान्वित किया गया है। वर्ष 1988 के सर्वेक्षण के अनुसार 1146 और समस्या ग्रस्त ग्राम घोषित किये गये जिसमें से वर्ष 1988-89 में 146 ग्राम लाभान्वित किये गये है। वर्ष 1989-90 में 193 ग्राम के आच्छादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था जिसमें से 165 ग्रामों को पेय जल व्यवस्था उपलब्ध कराई जा चुकी है इसके अतिरिक्त 92 ग्रामों में नल लगा कर पेयजल सुविधा कराई गयी है।

4- ग्रामीण शिक्षा:- ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा की ओर विशेष बल दिया गया है जिसके फलस्वरूप जनपद में प्रति लाख जन संख्या पर जूनियर बेसिक स्कूल 73.8 तथा सीनियर बेसिक स्कूल 16.7 है।

5- आवास:- निर्बल एंव कमजोर वर्ग के लिये आवास की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विगत वर्षों तक लगभग 8483 मकान बनाये जा चुके है।

6- जनस्वास्थ्य : ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा विस्तार पर विशेष बल दिया है। जनपद में एलोपैथिक चिकित्सा व औषधालय एंव प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रति लाख जनसंख्या पर 0.7 है।

क्रमशः --- 16

7- पुष्टाहार :- ग्रामीण क्षेत्रों में धात्री माताओं, गर्भवती महिलाये एंव शिशुओं को पुष्टाहार उपलब्ध कराने कराने की योजना प्रारम्भ की गयी है। वर्ष 1990-91 में 833 लाख रूपये का प्राविधान किया गया है

इस प्रकार उपरोक्त योजनाओं का सिंहावलोकन करने से ज्ञात होता है कि विकेन्द्रित योजना के माध्यम से न्यूनतम आवश्यकता कार्य का संचालन किया गया है। जिससे ग्रामीण निवासियों को न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति होती है।

इसके अतिरिक्त कृषि क्षेत्र में उत्तम बीजों का प्रचार व उसके वितरण पर अधिक बल दिया गया है। लघु सिंचाई कार्यक्रम के अन्तर्गत छोटी छोटी सिंचाई योजनाओं के प्रारम्भ करने पर बल दिया गया है। सामाजिक वानिकीकरण, पशुपालन, मत्स्य पालन पर भी योजना के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है।

भाग -3 सर्वांगीण विकास हेतु अवरोधक तत्व

जनपद कानपुर देहात की उत्पत्ति वर्ष 1981 में किया गया जिससे कि विकास की गति को जनपद के दूरस्त अंचलों तक पहुचाया जा सके तथा पिछड़े हुए क्षेत्र में त्वरित विकास की गति लाई जा सके। किन्तु लगभग 10 वर्ष व्यतीत हो जाने के पश्चात भी जनपद कानपुर देहात के मुख्यालय का सृजन नही किया गया है जिसके कारण योजना कार्य को कार्यान्वियन में कठिनाई उत्पन्न होती है। यह भी अनिश्चित है कि किसी भी विभाग का कार्यालय कहा बनाया जाय। तथा उसके अनुसार ही योजना से सम्बन्धित अन्य कार्य सम्पादित किया जा सके।

जनपद कानपुर देहात का शतप्रतिशत क्षेत्र ग्रामीण है। इस कारण इसके विकास हेतु अवस्थापना सुविधा की बहुत आवश्यकता है। वर्तमान में सभी ग्राम मुख्य मार्ग की सड़कों से नही जुड़े है तथा अधिकांश ग्रामीण सड़के कच्ची है जिसके कारण आवागमन सुविधा की बहुत कमी है। वर्षा ऋतु में तो गावों में पहुचना दूभर हो जाता है। इस कारण गावों में बसे लोग सुविधा से वंचित रह जाते है। खनिज की दृष्टि से जनपद खनिज विहीन जनपद है। यद्यपि गंगा नदी की बालू एंव जमुना नदी की मौरम भवन निर्माण सामग्री के रूप में उपलब्ध है। जनपद में बन का क्षेत्रफल 6904 हेक्टर है जो कि कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 1.4 प्रतिशत है जिससे बन सम्पदा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नही हो पाती है।

क्रमशः----17

इसके अतिरिक्त पर्यावरण में असंतुलन रहता है जिससे सूखा एंव बाढ के प्रकोप की भी सम्भावना बनी रहती है ।

जनपद के दक्षिण पश्चिम भाग में मुख्यत: विकास खण्ड घाटमपुर , अमरौधा , राजपुर मलिता तथा डेरापुर में जल स्तर काफी गहराई पर मिलता है जिसके कारण पीने का पानी तथा सिंचाई हेतु पानी की सुविधा की कमी रहती है ।

वर्ष 1981 की जनगणना के अनुसार जनपद में साक्षर व्यक्तियों का प्रतिशत 34.7 जिसमें स्त्री 21.6 तथा पुरूष 45.9 प्रतिशत है । साक्षरता कम होने के कारण भी विकास के कार्यों को कार्यान्वयन में कठिनाई होती है ।

विकेन्द्रित योजना के अन्तर्गत जो धनराशि शासन द्वारा जनपद के लिये आवंटित की जाती है और विभिन्न विभागों से जो योजना प्रस्तुत की जाती है उसमें काफी कमी रहती है । क्षेत्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाई गई योजनाये काफी अधिक धनराशि की होती है । जिससे विभिन्न योजनाओं की पूर्ति नही की जा सकती है । इस कारण विभागीय योजनाओं की कटौती करनी पड़ती है । अत: क्षेत्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकेन्द्रित योजना के अन्तर्गत आवंटित धनराशि को बढ़ाई जानी चाहिये ।

क्रमश: ---19

अध्याय- 3

अन्तर्जनपदीय एवं अन्तर्विकास खण्डीय विषमतायें

संयुक्त जनपद कानपुर के उपलब्ध संकेतक की विवेचना प्रदेश के अन्य जनपदों से करने से ऐसा स्पष्ट होता है कि जनपद पोस्ट आफिस की सुविधाओं में प्रदेश में 56 वे स्थान पर है पशुधन एवं कुक्कुट की दृष्टि से जनपद 5वे स्थान पर है । कानपुर ऐसे महानगर में दूध एवं कुक्कुट उत्पादन की अच्छी खपत को देखते हुये इस ओर काफी प्रगति की जा सकती है । कानपुर महानगर में अण्डे की आपूर्ति हरियाणा एवं केरल प्रदेशों से की जाती है जबकि इस व्यवसाय को विशेष प्रोत्साहन देकर ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रसार किया जा सकता है हालांकि इस व्यसाय को अपनाने में जनपद के निवासियों की मानसिकता भी कुछ सीमा तक बाधक रही है । यदि ग्रामीणों को इस व्यवसाय में प्रशिक्षित करके योजना की आर्थिक सुदृणता के बारे में विशेष प्रयत्नों से परिचित कराया जाये तो इस ओर आशातीत सफलता प्राप्त हो सकती है । विभिन्न दृष्टि से जनपद की राज्य में क्या स्थिति है नीचे स्पष्ट किया जा सकता है ।

3.01- जनसंख्या:- संयुक्त जनपद में कानपुर महानगर होने के कारण नगरीय जनसंख्या की दृष्टि से जनपद राज्य में तीसरे स्थान पर आता है । जनसंख्या की घनत्व की दृष्टि से राज्य में कुल 8 ही ऐसे जनपद है जिनका घनत्व कानपुर से या तो बराबर है या अधिक है । मध्य क्षेत्र के नौ जनपदों में लखनऊ के बाद इसी का स्थान है । दशक §1971-81 § जनसंख्या वृद्धि में जनपद 29 वे, अनुसूचित जाति जनसंख्या में 25 वां स्थान तथा विकलांग जनसंख्या की दृष्टि से 32 वे स्थान पर है ।

3.02- जनसंख्या में मुख्य कर्मकार कृषक है जिसमें राज्य में नवे स्थान पर है । कृषि श्रमिक में 27वीं तथा घरेलू उद्योग धंधों में लगे व्यक्तियों की दृष्टि से जनपद राज्य मे 28 वे स्थान पर है । जनपद में कानपुर जैसी महान औद्योगिक नगरी होनेके कारण इसका प्रभाव जनसंख्या के वर्गीकरण पर पड़ा है । राज्य के मध्य क्षेत्र के नौ जिलों में लखनऊ को छोड़कर मुख्य कर्मकरों में कृषकों का प्रतिशत कम है । मध्य क्षेत्र एवं राज्य के क्रमशः प्रतिशत 64.40 एवं 58.66 की तुलना में जनपद का प्रतिशत 37.81 है । कृषि श्रमिकों का प्रतिशत पश्चिमी क्षेत्र के प्रतिशत 11.35 से 1.73 अधिक है । घरेलू उद्योग धन्धे, निर्माण एवं सुरक्षा में लगे-हुये कर्मकारों का प्रतिशत 2.79है जो मध्य क्षेत्र के औसत प्रतिशत 2.49 से कुछ ही अधिक है ।

क्रमशः---19

कानपुर जैसे महान औद्योगिक नगरी जहां बड़े - बड़े काफी उद्योग है उनसे सम्बन्धित सहायक उद्योगों को प्रोत्साहन देकर इस वर्गीकरण को और बढ़ाया जा सकता है ।

3.03- भूमि उपयोगिता:-
==================== जनपद वन क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य में 35वी स्थान पर है । पश्चिमी क्षेत्र के वर्ष 1983-84 के संकेतक की दृष्टि से क्षेत्र के औसत प्रतिशत 5.10को देखते हुए बहुत ही कम है जनपद कानपुर देहात में यमुना नदी एंव सेंगुर नदी के आस पास की ऊंची नीची भूमि में वृहद वृक्षारोपण कराये जाने के लिये काफी क्षेत्र उपलब्ध है । इसके अतिरिक्त सड़कों नहरों एंव रेल पटरियों के किनारे भी अभी वृक्षारोपण काफी कराया जा सकता है जनपद का शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल एंव प्रतिवेदित में राज्य में26 वां तथा कृषि होल्डिंग में लघु एंव सीमान्त कृषकों की स्थिति के अनुसार जनपद 29 वे स्थान पर है । परन्तु लघु सीमान्त कृषकों के पास भूमि की दृष्टि से जनपद राज्य में 30वे स्थान पर है । फसल सघनता की दृष्टि से जनपद 48 वे स्थान पर है जो यह स्वतः स्पष्ट करता है कि जनपद कृषि की दृष्टि से काफी पिछड़ा हुआ है । जनपद औसत सीमान्त खेत की दृष्टि से राज्य में 7वे स्थान पर है जबकि फसल सघनता में काफी पिछड़ा हुआ है फसल सिंचाई साधनों एंव कृषि निवेशों के समय उपलब्ध कराकर कृषि उत्पादन भी बढ़ाया जा सकता है । व्यापारिक फसलों में जनपद 25 वे स्थान पर उर्वरक उपयोग में 29 वे तथा खाद्यान्न उत्पादन में जनपद राज्य में 12वे स्थान पर है । भूगर्भ जल की दृष्टिसे जनपद 27वे स्थान पर है । इससे स्पष्ट है कि जनपद में भूगर्भ जल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है ।

3.03.1-
====== प्रति व्यक्ति खाद्यान्न उत्पादन में जनपद वर्ष 1986 -87 में 47 वे स्थान पर तथा पश्चिमी क्षेत्र में 8वां जनपद है । जहां प्रति व्यक्ति खाद्यान्न में जनपद की स्थिति अत्यन्त असंतोषजनक है । वही पर प्रति व्यक्ति दलहन उत्पादन में जनपद का राज्य में 9वा स्थान है वर्तमान मूल्यों पर जनपद की सकल राज्य वर्ष 1984-85 में प्रति हे0 शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल एंव प्रति व्यक्ति ग्रामीण में 16 वे स्थान पर है सिंचित क्षेत्र शुद्ध एंव सकल में जनपद राज्य में 29 स्थान पर है जिसको देखते हुये जनपद में सिंचाई की सुविधायें बढ़ाने की अवश्यकता है ।

3.04- पशुधन :-
============= पशुधन एंव कुक्कुट पालन की दृष्टि से जनपद काफी पिछड़ा हुआ है प्रतिवेदित क्षेत्रफल में प्रति हे0 भूमि पर पशुओं की संख्या के आधार पर जनपद राज्य में 36 वे, स्थान पर तथा 1000 जनसंख्या पर 55वे स्थान पर है । दूध देने वाले पशुओं की दृष्टि से जनपद 38 वे

क्रमशः---20

स्थान पर कुक्कुट पालन में कानपुर 55वें स्थान पर है उपरोक्त स्थिति से यह स्वतः स्पष्ट है कि जनपद में पशुपालन एंव कुक्कुट पालन व्यवसाय को बढ़ाने का प्रचुर क्षेत्र उपलब्ध है ।

3.05- उद्योग:-

पंजीकृत कारखानों में प्रति लाख जनसंख्या पर कर्मियों की स्थिति के अनुसार जनपद प्रथम है । जबकि श्रमिक वैल्यू ऐडेड में जनपद का स्थान 15वां है । विनिर्माण सेक्टर का शुद्ध उत्पाद कर्मियों तुल्यों पर जनपद की स्थिति 10वीं है । उपर्युक्त आंकड़े यद्यपि जनपद के औद्योगिकरण की एक अच्छी छवि प्रस्तुत करते है । परन्तु जनपद में कानपुर महा नगर में औद्योगिकरण सीमित होने के कारण इसके अन्य भागों में उद्योग धन्धों नही है । वर्ष 1981 की जनगणना के अनुसार घरेलू उद्योग धन्धों विनिर्माण एंव मरम्मत में लगे हुऐ कर्मकारों का प्रतिशत कुल मुख्य कर्म कारों से केवल 2.79 है।

3.06- विद्युत:-

ग्रामों के विद्युतीकरण की दृष्टि से जनपद का राज्य में पचासवां स्थान है । पम्प सेटों / नलकूपों के विद्युतीकरण की स्थिति के अनुसार जनपद 31 वां स्थान है । कुल उपभोग की गई विद्युत की स्थिति के अनुसार जनपद का स्थान प्रदेश में 35 वां है । प्रति व्यक्ति विद्युत उपभोग की दृष्टि से जनपद का प्रदेश में स्थान तृतीय नम्बर पर है । प्रति हेक्टेयर विद्युत उपभोग की दृष्टि से जनपद का स्थान 29 वां है । जनपद में 31-3.88 की स्थिति के अनुसार 530 हरिजन बस्तियों का विद्युतीकरण किया गया है । प्रति व्यक्ति विद्युत उपयोग की स्थिति को देखने से ऐसा आभास होता है कि जनपद की स्थिति बहुत ही अच्छी है किन्तु ग्रामों के विद्युतीकरण पम्पसेटों/ नलकूपों के ऊर्जा एंव कृषि कार्य में विद्युत उपभोग की दृष्टि से जनपद की स्थिति मध्य में है वहां तक ग्रामों के विद्युतीकरण की स्थिति को निम्न श्रेणी में रखा जायेगा । इसका केवल मुख्य एक कारण है कानपुर महा नगरी में विद्युत का केन्द्रीय करण कानपुर महा नगरी जनसंख्या उद्योग की दृष्टि से सर्व प्रथम नम्बर पर है । यहीं पर विद्युत केन्द्रित है इसी कारण प्रति व्यक्ति विद्युत उपभोग की दृष्टि से जनपद का प्रदेश में तृतीय नम्बर है । यदि महा नगर को अलग कर दिया जाय तब उक्त आंकड़ों का आंकलन किया जाय तो यह जनपद मध्य से नीचे की श्रेणी में आजायेगा ।

क्रमश:--21

3.07- शिक्षा :-

1981 की जनगणना के अनुसार साक्षरता प्रतिशत की दृष्टिकोण से जनपद का स्थान प्रदेश में प्रथम है । इसका मुख्य कारण कानपुर महानगरी है जिसकी जनसंख्या 16.. लाख है जिसमें 9.1 लाख जन संख्या साक्षर है । जो लगभग 55.3 प्रतिशत है यदि इस महा नगरी को अलग करके आंकलन किया जाय तो यह जनपद साक्षरता की दृष्टि कोण से प्रथम स्थान से हटकर मध्य से बहुत नीचे पहुंच जायेगा जनपद की ग्रामीण जनता का साक्षरता प्रतिशत लगभग 33 प्रतिशत है । इस प्रकार शिक्षा की दृष्टिकोण से ग्रामीण क्षेत्र पिछड़ा हुआ है । प्रति लाख जनसंख्या पर जू0 बे0 स्कूल सी0 बेसिक स्कूल हायर सेकेण्ड्री स्कूल एंव डिग्री कालेज की संख्या के आधार पर जनपद क्रमशः 41, 15, 25, एंव 39 का स्थान है । प्राइमरी शिक्षा की दृष्टि से जनपद की स्थिति ठीक नहीं है । सीनियर बेसिक स्कूल हायर सेकेन्ड्री स्कूल एंव डिग्री कालेज की दृष्टि से शिक्षा की स्थिति सन्तोषजनक प्रतीत होती है किन्तु एंसा नही है । क्योंकि यह सभी सुविधाये महानगरी में केन्द्रित है । ग्रामीण क्षेत्र शिक्षा की दृष्टिकोण से भी पिछड़ा हुआ है । ग्रामीण जनता के विद्यार्थियों को शिक्षा लेने बाहर की ओर भागना पडता है यहाँ तक कुछ प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र के बालकों का प्रवेश भी नही हो पाता है जो छात्र प्रवेश भी पा जाते है । उनके लिये शहरी शिक्षा बहुत ही महगी पड़ती है ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षक संस्थाओं के प्रसार की अति आवश्यकता है । डिग्री कक्षाओं के आधार और बच्चों का अनुपात30 है जो रीजन में द्वितीय स्तर का है ।

3.07- प्राविधिक शिक्षा:-

जनपद में आई0 टी0 आई0 की दो संस्थायें है, जिसमें प्रवेश क्षमता 2102 है । इसी प्रकार पोलीटेकनिक की संस्थायें जनपद में 5 है जिसमें प्रवेश क्षमता 571 की है । डिग्री स्तर की संस्थायें 5 है यह सब संस्थाये महानगरी के मुख्यालय पर उपलब्ध है । कानपुर देहात जनपद में एक पालीटेकिनिक खोलने का प्रस्ताव वर्ष 1987-88 में स्वीकृत हुआ है तथा एकऔद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पाटमपुर में सातवीं पंच वर्षीय योजना के प्रथम वर्ष में तथा एक बिल्हौर में वर्ष 87-88 में खोला गया है ।

3.08- चिकित्सा:-

जनवरी 1984 की स्थिति केअनुसार जनपद में प्रति लाख जनसंख्या पर एलोपैथिक चिकित्सालय/ औषधालय एंव बेड्स की संख्या 3.62 एंव 106.53 है जो पश्चिमी रीजन में लखनऊ के बाद दूसरे नम्बर पर है । इन्ही मदों की स्थिति प्रदेश में 14वी एंव 10वी है । अन्य सुविधाओं की तरह यह सुविधाये जिला मुख्यालय पर कानपुर महानगरी में केन्द्रित है ।

क्रमशः-----22

तथा ग्रामीण क्षेत्र अब भी इन सुविधाओं से काफी हद तक पिछड़ा हुआ है । यद्यपि शासन इस ओर विशेष रूप से जागरूक है । न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय नीति के अनुसार 30 हजार जनसंख्या पर प्रा0 स्वा0 केन्द्र खोले जा रहे है । इसके साथ ही साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो के उच्चीकृत किया जा रहा है । जिला सेक्टर योजना एंव राज्य सेक्टर योजनाओं के माध्यम से इन जनपद स्तरीय विषमताओं को दूर किया जा रहा है ।

3.09- बैंकिंग :-
========== जनपद में प्रति बैंक शाखा पर जनसंख्या 9.75 हजार है । तथा ऋण एंव जमाधान का अनुपात 65 है । इन दोनों उक्त मदों में या तो जनपद का स्थान देश में 60 वां तथा जीतरा है । प्रदेश की अच्छी श्रेणी में सुविधाओं की गणना की जाती है किन्तु यह अधिकांश सुविधा ये महानगरी मुख्यालय पर ही केन्द्रित है । महा नगरी की सुविधाओं की गणना से पृथक कर लिया जाये तो जनपद की स्थिति निम्न श्रेणी के अन्तर्गत आयेगी । यद्यपि शासन की नीति के अनुसार इधर वर्षों में बैंक शाखाओं का प्रसार ग्रामीण क्षेत्रों में बहुल्यतः से हुआ है । इसके अतिरिक्त जनपद में प्राथमिक कृषि ऋण समितियां 1876 , लैड डेवलपमेन्ट बैंक सहकारी क्रय विक्रय समितियां 7 तथा संयुक्त कृषि सहकारी समितियों की शाखायें 28 उपलब्ध है ।

3.010- संचार एंव परिवहन :-
========== वर्ष 1985-86 के अन्त में सम्मिलित जनपद कानपुर में प्रति लाख जनसंख्या पर टेलीग्राफ आफिस, टेलीफोन एंव डाकघरों की संख्या क्रमशः 0.43, 6240 एंव 11 थी । इन्ही उक्त सुविधाओं की स्थिति प्रदेश में 48 वी , तीसरी एंव 56वी है । इन सुविधाओं की दृष्टि से भी जनपद काफी पीछे की श्रेणी में है । टेलीफोन कनेक्शन की दृष्टि से जनपद का जो तीसरा नम्बर है ।उसका मुख्य कारण महानगरी कानपुर है । जहा पर टेलीफोन कनेक्शन का जाल बिछा हुआ है यह सुविधा केन्द्रित है । कानपुर महा नगरी एक उद्योग एंव व्यापारी नगरी होने के कारण इस सुविधा का अधिक प्रसार होना स्वाभाविक भी है ।

3.10.2 -
======== जनपद में 1.4.88 की स्थिति के अनुसार रेलवे स्टेशन हाल्ट सहित 25 है । एक हजार वर्ग कि0 मी0 क्षेत्र पर रेलवे लाईन 147 . 12 कि0 मी0 पडती है । जनपद में100 वर्ग कि0 मी0 क्षेत्र पर पक्की सड़के 45.92 कि0 मी0 तथा एक लाख जनसंख्या पर पक्की सड़को की लम्बाई 75.79 कि0 मी0 आती है ।

सड़को की स्थिति उक्त दोनों वर्णित विवरणा के अनुसार प्रदेश में 24वी तथा 49 वी है । इस प्रकार समालोचनात्मक अध्ययन करने पर जनपद की स्थिति संचार एंव परिवहन की प्रदेश में अच्छी नही है जो मध्य से भी नीचे है ।

क्रमशः--23

3.11.01-
======== कोल्ड स्टोरेज की संख्या के आधार पर प्रदेश में जनपद की स्थिति 13 वीं है जिसमें मुख्य रूप से आलू का संग्रहण होता है। प्रदेश में कोल्डस्टोरेज की स्थिति अच्छी है। पड़ोसी जनपद फर्रुखाबाद का प्रभाव इस सुविधा की बढ़ोत्तरी में सीधे बढ़ा है। यह सुविधा मुख्य रूप से कानपुर महानगर एवं कानपुर से कन्नौज जाने वाले ग्रान्डट्रंक रोड पर केन्द्रित है।

3.11.02
========= जनपद प्रति लाख जनसंख्या पर 0.96 थाने आते है। यह संख्या लगभग प्रति लाख जनसंख्या पर एक आती है जो जनपद की स्थिति को देखते हुए कम है जनपद के पड़ोसी जनपद इटावा डकैतों का क्षेत्र है। जिससे इस जनपद की तहसील डेरापुर, पुखरायां एवं घाटमपुर सीधा प्रभावित होती है। थानों की संख्या में बढ़ोत्तरी की आवश्यकता है तभी जनपद की शान्ति एवं सुरक्षा में बल मिलेगा।

3.11.03
======== अभावग्रस्त ग्रामों में पेय जल सुविधा उपलब्ध कराये गये ग्रामों के प्रतिशत की दृष्टिकोण से जनपद का प्रदेश में चौथा स्थान है। अभावग्रस्त ग्रामों में से 53.91 प्रतिशत गावों में पेयजल सुविधा 31.3.87 तक उपलब्ध कराई जा चुकी है। पेयजल सुविधा के अभाव से मुख्य रूप से इस जनपद की तहसील घाटमपुर, पुखरायां एवं डेरापुर आती है शेष तहसीलों में यह समस्या नगण्य सी है।

3.11.04
========= जनपद में प्रति सिनेमा गृह 106.91 हजार जनसंख्या आती है। प्रदेश में इसका स्थान 11वां हैं जिसे अच्छी श्रेणी में गणना की जाती है। किन्तु यह सुविधा भी महानगरी कानपुर में केन्द्रित है।

3.11.05
======= जनपद में 31.3.88 की स्थिति के अनुसार 2423 गोबर गैस प्लान्ट लगाये गये थे। यद्यपि इधर दो वर्षों में इस कार्यक्रम में अच्छा कार्य हुआ है।

3.11.06
======= जनपद के सर्वांगीण विकास तथा जनपदीय एवं खण्ड स्तरीय विषमता को दूर करने के उद्देश्य से वर्ष 1982-83 से विकेन्द्रित नियोजन प्रणाली के अन्तर्गत जिला योजना संरचना एवं कार्यान्वयन कार्य प्रारम्भ किया गया। वर्ष 1990-91 के परिव्यय के अनुसार प्रति व्यक्ति 2.18 रू० का परिव्यय इस जनपद में पड़ता है इस आकलन के अनुसार जनपद का प्रदेश में 21वां स्थान है।

क्रमशः----24

विकास खण्डवार संकेतक का अध्ययन करते समय विभिन्न आर्थिक अवस्थापना, सामाजिक एंव जनसंख्या की दृष्टि से विकास खण्डों की स्थिति इस प्रकार है :-

I- आर्थिक कार्यकलाप :-

फसल संघनता की दृष्टिकोण से जनपद के विकास खण्ड शिवराजपुर, चौबेपुर, ककवन, सरवनखेड़ा, विल्हौर क्रमवार उच्च श्रेणी में आते है जबकि विकास खण्ड रसूलाबाद, डेरापुर, झींझक, संदलपुर, क्रमवार निम्न श्रेणी में आते है । इन विकासखण्डों में फसल सघनता निम्न श्रेणी के होने का मुख्य कारण यहा की भूमि समतल है । जिसमें सिंचाई के साधन कम उपलब्ध है । व्यापरिक फसलों के अन्तर्गत विकास खण्ड विल्हौर, देरापुर, संदलपुर , भीतरगांव, क्रम से उच्च श्रेणी में है । तथा विकास खण्ड सरवनखेड़ा ककवन, पतारा, घाटमपुर तथा चौबेपुर , क्रम से निम्न श्रेणी में आते है । प्रति है0 उर्वरक उपयोग के अन्तर्गत भीतरगांव , शिवराजपुर, संदलपुर, झींझक, तथा विल्हौर क्रमशः उच्च श्रेणी का है जबकि चौबेपुर, घाटमपुर , अमरौधा अकबरपुर उर्वरक उपयोग में निम्न श्रेणी का है । बोये गये क्षेत्रफल में शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल की दृष्टि से विकास खण्ड शिवराजपुर, विल्हौर सरवनखेड़ा ककवन तथा चौबेपुर क्रमशः उच्च श्रेणी में आते है । जबकि घाटमपुर , अमरौधा, संदलपुर , डेरापुर, तथा राजपुर क्रमशः निम्न श्रेणी में आते है । सकल बोये क्षेत्रफल में सकल सिंचित क्षेत्रफल की दृष्टि से विकास खण्ड शिवराजपुर , रसूलाबाद , सरवनखेड़ा, ककवन एंव भैथा, क्रमशः उच्च श्रेणी में आते है । जबकि शिविकास खण्ड घाटमपुर, अमरौधा, राजपुर, संदलपुर, तथा डेरापुर क्रमशः निम्न श्रेणी में आते है ।

प्रतिवेदित क्षेत्रफल में शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल की दृष्टि से विकास खण्ड संदलपुर, डेरापुर, झींझक, घाटमपुर , पतारा क्रमशः उच्च श्रेणी में तथा विकास खण्ड शिवराजपुर, ककवन , चौबेपुर, विल्हौर , तथा भैथा, क्रमशः निम्न श्रेणी में आते है । प्रति कृषक वार शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल की दृष्टि से जनपद के विकास खण्ड मलासा, घाटमपुर , अमरौधा संदलपुर, तथा डेरापुर क्रमशः उच्च श्रेणी में तथा शिवराजपुर, ककवन चौबेपुर, विल्हौर , भैथा, निम्न श्रेणी में आते है । इससे यह स्पष्ट होता है कि इन विकास खण्डों में से कृषकों की संख्या अन्य विकास खण्डों से अधिक है । प्रति व्यक्ति शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल (ग्रामीण) की दृष्टि से घाटमपुर डेरापुर, संदलपुर, राजपुर तथा मलासा एक श्रेणी में आते है । जबकि अन्य 9 विकास खण्ड द्वितीय श्रेणी में आते है । इससे स्पष्ट होता है कि इस मद में जनपद में लगभग समानता है भूमि उपयोगिता के आकड़ों के आधार पर जनपद के विकास खण्ड ककवन शिवराजपुर चौबेपुर, झींझक , विल्हौर रसूलाबाद, डेरापुर तथा संदलपुर में बन पाये जाते है । उसर एंव

कल्चरेबुल वेस्ट की दृष्टि से जनपद के विकास खण्ड झींझक चौबेपुर शिवराजपुर रसूलाबाद, एंव मलासा उच्च श्रेणी में क्रमशः आते है। जबकि विकास खण्ड घाटमपुर, राजपुर, पतारा, भीतरगांव तथा अकबरपुर क्रमशः निम्न श्रेणी में आते है।

अवस्थापना सम्बन्धी सुविधायेः-

प्रति 100 वर्ग कि0 मी0 पक्की संघृत सड़कों की दृष्टि से जनपद के औसत 16.7 से विकास खण्ड सरवनखेड़ा एंव मलासा अत्यधिक पिछड़े हुए है। तथा विकास खण्ड पतारा, भीतरगांव अमरौधा, अकबरपुर, डेरापुर, झींझक संदलपुर, रसूलाबाद, अपेक्षाकृत कम पिछड़े हुऐ है। इसी प्रकार प्रतिलाख जनसंख्या पर पक्की संघृत सड़कों की लम्बाई की दृष्टि से जनपद के विकास खण्ड सरवनखेड़ा, मलासा, अत्यधिक पिछड़े हुऐ है तथा विकास खण्ड चौबेपुर, बिल्हौर तथा घाटमपुर अत्यधिक सम्पन्न है। विधुतीकृत ग्रामों की दृष्टि से जनपद के विकास खण्ड सरवनखेड़ा बिल्हौर अमरौधा, तथा घाटमपुर सम्पन्न है जबकि विकास खण्ड शिवराजपुर रसूलाबाद तथा चौबेपुर अत्यधिक पिछड़े हुऐ है। टेलीग्राफ की दृष्टि से जनपद के केवल 6 विकास खण्डों में ही सुविधाये उपलब्ध है। पोस्ट आफिस की सुविधाये विकास खण्ड भीतरगांव, सरवनखेड़ा तथा डेरापुर में अत्यधिक है जबकि विकास खण्ड झींझक, अमरौधा, एंव राजपुर में यह सुविधा बहुत ही कम है।

सामाजिक सेवाये :-

प्रति लाख जनसंख्या पर जूनियर बेसिक स्कूल की दृष्टि से जनपद के विकास खण्ड मलासा, चौबेपुर, शिवराजपुर, रसूलाबाद, भीतरगांव तथा झींझक क्रमशः उच्च श्रेणी में तथा विकास खण्ड अमरौधा, बिल्हौर, घाटमपुर, मलासा, तथा अकबरपुर क्रमशः निम्न श्रेणी में आते है। सीनियर बेसिक स्कूल की दृष्टि से सरवनखेड़ा, शिवराजपुर, ककवन, पतारा तथा भीतरगांव क्रमशः उच्च श्रेणी में आते है तथा विकास खण्ड मलासा घाटमपुर अमरौधा, रसूलाबाद डेरापुर तथा बिल्हौर क्रमशः निम्न श्रेणी में आते हैं। हायर सेकेन्डी स्कूल की दृष्टि से जनपद के विकास खण्ड मलासा अमरौधा मैथा तथा डेरापुर क्रमशः अच्छे विकास खण्ड है। जबकि विकास खण्ड पतारा, ककवन, एंव चौबेपुर खराब विकास खण्ड हैं। प्रति सौ हे0 पशुपालन की दृष्टि से विकास खण्ड संदलपुर डेरापुर, पतारा, अकबरपुर, मलासा, तथा झींझक अच्छे है। जबकि विकास खण्ड रसूलाबाद शिवराजपुर ककवन चौबेपुर तथा अमरौधा खराब है। पशु. सेवाकेन्द्र की दृष्टि से विकास खण्ड ककवन संदलपुर झींझक तथा घाटमपुर अच्छे है। जबकि विकास खण्ड चौबेपुर, अकबरपुर, बिल्हौर खराब है।

क्रमशः------26

कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र एवं उप केन्द्र पर दुधारू पशुओं की संख्या की दृष्टि से जनपद के विकास खण्ड झींझक सबसे खराब तथा चौबेपुर प्रथम है बैंक की शाखाओं की दृष्टि से विकास खण्ड चौबेपुर में कम सुविधा उपलब्ध है ।

जबकि विकास खण्ड अकबरपुर जनसंख्या की दृष्टि से बैंक सुविधाओं में प्रथम है ।

जनसंख्या सम्बन्धी स्थिति :-
===================== प्रतिवर्ग कि0 मी0 जनसंख्या का घनत्व 1981 की जनगणना के अनुसार विकास खण्ड पतारा में सबसे अधिक तथा विकास खण्ड मलासा में सबसे कम है । प्रति दशक जनसंख्या वृद्धि में विकास खण्ड चौबेपुर प्रथम तथा विकास खण्ड मैथा सबसे कम रहा साक्षरता की दृष्टि से विकास खण्ड चौबेपुर अधिक तथा संदलपुर में सबसे अच्छा तथा विकास खण्ड अमरौधा , घाटमपुर तथा अकबरपुर की स्थिति खराब है अनुसूचित जाति एवं जनजाति की जनसंख्या का घनत्व विकास खण्ड पतारा, शिवराजपुर , बिल्हौर, सरवनखेड़ा , तथा मलासा , में क्रम से सबसे अधिक तथा विकास खण्ड अमरौधा भीतरगांव , राजपुर, , रसूलाबाद , संदलपुर , में क्रम से कम है । कृषकों की संख्या की दृष्टि से ककवन , रसूलाबाद , मैथा, शिवराजपुर में संख्या अधिक है जबकि विकास खण्ड पतारा, भीतरगांव , अमरौधा तथा सरवनखेड़ा में कृषकों की बहुत कम संख्या है । जनपद में कृषि श्रमिकों की सबसे अधिक संख्या विकास खण्ड पतारा तथा सबसे कम संख्या विकास खण्ड ककवन में है ।

क्रमशः---- 27

अध्याय- 4

जिला योजना के उद्देश्य से रणनीति एंव प्राथमिकतायें :

विकेन्द्रित नियोजन प्रणाली के अन्तर्गत जिला सेक्टर योजना का शुभारम्भ वर्ष 1982 से शासन के निर्देशानुसार किया गया । सर्व प्रथम 1982-83 की जिला योजना वर्ष 1981-82 में संरचित की गई । वर्ष 1982-83 से वर्ष 1984-85 तक सम्मलित जनपद की जिला योजना बनायी जाती रही । वर्ष 1985-86 से जनपद कानपुर नगर एंव कानपुर देहात की योजना पृथक-पृथक जनपद के रूप में तैयार की गयी । वर्ष 1989-90 आलोच्य वर्ष तक की जिला योजना केवल जिला सेक्टर योजना में वर्णित योजनाओं पर ही आधारित रही है ।

4.02 वर्ष 1990-91 की जिला योजना आठवीं पंचवर्षीय योजना की प्रथम वर्ष की जिला योजना होगी । राज्य स्तर पर भी जिला योजना को एक विशेष महत्व दिया जा रहा है क्यों कि इसी आधार पर प्रदेश एंव राष्ट्र की आठवी योजना की संरचना करने का विचार किया जा रहा है ।

4.03 विकेन्द्रित जिला योजना का एक विशेष उद्देश्य है जिसका विवरण मोटे तौर पर निम्नवत है :-

§1§------- जिस प्रकार एक राज्य से दूसरे राज्य में विषमतायें होती है और राष्ट्रीय योजना के अन्तर्गत उन विषमताओं को दूर करने का प्रयास किया जाता है । ठीक उसी प्रकार जिला योजनाओं के अन्तर्गत अन्तर्विकास खण्डीय विषमताओं को दूर करने का उद्देश्य जिला योजना का है ।

§2§------- जनपद की निर्धनता को दूर करना एंव गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को ऊपर उठाना ।

§3§-उ------उत्पादन को बढ़ाना:- जनपद में जनपदीय परिस्थिति के अनुसार उत्पादन को बढ़ाने तथा परिस्थितियों के अनुसार उत्पादन योजनाओं को लागू करना ।

§4§ रोजगार के अवसरों को उपलब्ध कराना :- इस उद्देश्य के अन्तर्गत ऐसे कार्यों को प्रारम्भ करना है जिससे अर्ध बेकार एंव बेकार श्रमिक को रोजगार के अवसर सुलभ हो सके ।

NAME OF THE DISTRICT - KANPUR DEHAT

INDICATOR OF DEVELOPMENT / NAME OF THE BLOCK	(A) ECONOMIC ACTIVITIES: Intensity of cropping (1987-88)	Percentage of area under comm. crops to gross cropped area (1987-88)	Per ha. consumption of fertilizer in kg (1987-88)	Percentage of net irrigated area to sown area (1987-88)	Percentage of gross irrigated area to gross cropped area (1987-88)	Percentage of net area sown to total reporting area (1987-88)	Net area sown per cultivating house hold (1987-88)	Per capita (rural) net area sown (1987-88)	Percentage of area under forest to reporting area (1987-88)	Percentage of usar & culturable land to reporting area (1987-88)	(B) INFRASTRUCTURE & COMMUNICATION FACILITIES: Length of pucca road per 100 sq. km of area (1987-88)	Length of pucca road per lakh of population (1987-88)	Percentage of electrified villages to total inhabited villages (1988-89)	No. of telegraph offices per lakh of population (1988-89)	No. of post offices per lakh of population (1988-89)
0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
TAMPUR	105.3	8.9	20.2	22.0	28.4	81.3	9.8	0.3	0.0	1.0	20.2	72.6	64.4	0.0	11.7
TARA	137.7	8.5	39.0	50.7	54.7	79.6	7.2	0.2	0.0	1.7	17.2	36.9	41.2	0.0	15.5
ITER GOAN	127.9	14.8	85.4	48.3	54.4	77.2	7.2	0.2	0.0	1.9	16.9	41.4	53.1	0.0	21.9
RAUDHA	114.1	9.5	20.8	30.2	33.8	77.1	9.2	0.3	0.0	2.8	13.3	39.7	67.0	0.9	10.1
JPUR	122.7	11.3	35.2	37.8	39.9	74.0	6.2	0.3	0.0	1.2	10.6	32.5	49.0	0.0	10.8
LASA	121.2	10.2	37.7	43.6	48.5	76.4	10.1	0.2	0.0	3.5	12.9	25.3	45.4	0.0	15.6
BAR PUR	144.1	10.1	33.4	60.0	60.1	65.3	5.4	0.2	0.0	2.1	14.5	39.0	57.4	0.0	19.0
ITHA	142.0	12.0	43.5	66.9	64.1	57.3	5.1	0.2	0.0	3.0	19.3	59.3	42.0	1.8	16.2
AWAN KHERA	154.4	6.2	42.9	70.9	68.7	65.5	5.8	0.2	0.0	2.5	10.6	23.3	88.0	1.9	21.4
APUR	100.5	16.1	47.3	33.8	45.7	92.7	7.9	0.3	0.8	9.1	14.2	42.7	57.3	1.2	20.2
OOLA BAD	98.4	12.0	48.9	53.3	72.9	72.1	6.5	0.2	1.7	3.9	15.1	47.5	37.5	1.0	12.6
JHAK	100.7	13.5	62.1	45.8	58.5	87.8	6.8	0.2	1.9	4.4	15.0	35.3	49.3	0.0	9.9
DAL PUR	102.1	15.2	62.3	32.8	42.0	99.0	8.4	0.3	0.3	1.9	17.7	42.3	42.4	1.2	12.4
HAUR	151.3	26.5	51.5	73.7	61.8	53.8	4.3	0.1	1.8	2.7	43.5	104.8	85.6	0.0	12.3
UBE PUR	164.1	9.3	10.0	87.7	59.4	50.6	4.2	0.1	2.6	4.0	45.8	106.2	37.9	0.0	14.6
AWAN	155.3	8.4	50.2	69.5	64.2	47.4	3.9	0.2	8.1	3.2	17.9	57.9	41.1	0.0	15.3
C RAJPUR	170.9	14.5	70.8	84.1	80.9	45.7	3.6	0.1	3.5	3.9	22.6	55.0	24.6	0.0	13.7
TAL	124.9	11.8	47.1	47.9	53.1	70.9	6.5	0.2	1.1	2.6	18.5	50.7	51.3	0.5	14.9

INDICATOR OF DEVELOPMENT / NAME OF THE BLOCK	(C) SOCIAL & OTHER SERVICES: No. of schools per lakh of population (1988-89): J.B.S.	S.B.S.	H.S.S.	No. of live stock 1988: Per hundred hectare of area	Per stockman centre	No. of milch cattle per A.I.C./Sub A.I.C.	Population per bank branch (1988-89)	(D) DEMOGRAPHIC FEATURES: Density of population per sq. km 1981	Decennial growth of population (1971-81)	Literacy percentage 1981: Male	Female	Total	Percentage of S.C./S.T. population to total population	Percentage of main working 1981: Cultivators	Agricultural labours
0	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
TAMPUR	70.4	12.5	3.7	230	23530	4340	13633	262	11.3	42.9	17.6	31.1	24.2	64.0	26.2
TARA	71.9	19.4	1.0	305	9729	2411	14712	401	21.2	46.2	21.7	34.8	28.9	53.9	32.3
ITER GOAN	76.3	17.9	4.9	273	11126	3022	15390	378	18.3	46.6	21.1	34.6	23.1	58.7	27.3
RAUDHA	65.5	12.9	6.5	196	9998	3579	15485	304	14.1	42.1	16.0	30.0	21.3	60.8	25.4
JPUR	74.8	16.2	7.6	219	17499	4512	18433	374	11.6	46.7	20.1	34.6	19.7	69.3	19.9
LASA	71.0	10.7	5.8	279	21030	3008	17125	249	18.8	45.8	19.7	33.7	25.0	65.2	23.6
BAR PUR	71.0	17.0	4.0	284	6627	1872	12496	334	6.8	43.1	18.8	31.9	24.0	74.5	15.5
ITHA	74.6	17.1	6.3	223	9958	3658	15903	302	16.7	44.7	21.0	33.8	24.6	76.1	14.4
AWAN KHERA	72.7	24.4	4.7	254	12000	2013	15337	373	20.4	45.2	20.0	33.6	26.8	61.1	26.6
APUR	74.8	14.2	5.9	313	18496	3424	16854	301	19.1	45.8	21.1	34.5	24.0	70.9	17.4
OOLA BAD	76.6	13.6	4.8	114	9746	2514	14740	394	20.4	47.1	22.5	35.9	23.2	78.4	11.1
JHAK	75.0	16.5	3.3	277	33050	8153	18144	335	11.4	47.8	23.2	36.6	24.7	72.3	17.1
DAL PUR	74.6	17.4	5.0	375	39606	0000	13376	309	18.9	47.1	24.1	36.6	23.2	67.9	22.7
HAUR	70.0	16.0	7.6	184	7334	1597	15136	373	14.8	46.9	24.3	36.4	27.1	70.0	16.7
UBE PUR	86.6	24.4	2.4	182	4125	875	20487	396	23.9	49.2	23.6	37.5	24.2	63.4	19.2
AWAN	74.3	19.7	2.2	170	26275	2848	15248	225	20.2	42.0	19.9	32.0	24.5	85.4	7.6
C RAJPUR	82.5	21.2	2.5	158	13245	1512	16004	339	15.1	46.7	23.5	36.1	28.0	75.2	16.2
TAL	73.8	16.7	4.6	231	12522	2785	15436	330	16.3	45.5	20.9	34.2	24.4	68.2	20.3

INDICATOR WISE RANK IN THE DISTRICT OF KANPUR - DEHAT

ICATOR OF DEVELOPMENT	(A) ECONOMIC ACTIVITIES										(B) INFRASTRUCTURE & COMMUNICATION FACILITIES					(C) SOCIAL & OTHER SERVICES							(D) DEMOGRAPHIC FEATURE									
	INTENSITY CROPPING (1987-88)	PERCENTAGE OF AREA UNDER COMM. CROPS TO GROSS CROPPED AREA (1987-88)	PER HA. CONSUMPTION OF FERTILIZER (KG) (1987-88)	PERCENTAGE OF NET AREA IRRIGATED TO NET SOWN AREA (1987-88)	PERCENTAGE OF GROSS IRRIGATED AREA TO GROSS CROPPED AREA (1987-88)	PERCENTAGE OF NET AREA SOWN TO TOTAL REPORTING AREA (1987-88)	NET AREA SOWN PER CULTIVATING HOUSE HOLD (87-88)	PER CAPITA (RURAL) NET AREA SOWN (87-88)	PERCENTAGE OF AREA UNDER FOREST TO REPORTING AREA (87-88)	PERCENTAGE OF USAR CULTURABLE LAND TO TOTAL REPORTING AREA (87-88)	LENGTH OF PUCCA ROAD PER 100 SQ. KM OF AREA (87-88)	LENGTH OF PUCCA ROAD PER LAKH OF POPULATION (87-88)	PERCENTAGE OF ELECTRIFIED VILL. TO TOTAL INHABITED VILLAGE (87-88)	NO. OF TELEGRAPH OFFICES PER LAKH OF POPULATION (87-88)	NO. OF POST OFFICES PER LAKH POPULATION (87-88)	NO. OF SCHOOLS PER LAKH OF POPN 1988-89: J.B.S.	S.B.S.	H.S.S.	NO. OF LIVE-STOCK 1988: PER HUNDRED HECTARE ... AREA	PER STOCK-MAN CENTRE	NO. OF MILCH CATTLE PER A.I.C./SUB A.I.C.	POPULATION PER BANK BRANCH 1988-89	DENSITY OF POPULATION PER SQ. KM. 1981	DECENNIAL GROWTH OF POPULATION (1971-81)	LITERACY PERCENTAGE 1981: MALE	FEMALE	TOTAL	PERCENTAGE OF S.C./S.T. POPN TO TOTAL POPULATION 1981	PERCENTAGE OF MAIN WORKING 1981: CULTIVATORS	AGRICULTURE LABOUR	TOTAL RANKING	BLOCK RANKING ACCORDING TOTAL RANKING
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32
TAMPUR	13	13	16	17	17	4	2	1	–	14	4	3	4	–	14	12	15	11	9	4	3	15	15	15	12	15	14	9	12	4	207	V
ARA	8	14	11	9	10	5	6	2	–	12	8	13	13	–	7	10	4	16	3	14	11	14	1	2	7	7	6	1	17	1	232	XI
TER GOAN	9	4	1	10	11	6	6	2	–	11	9	10	6	–	1	4	5	7	7	10	6	9	4	8	6	8	7	12	16	2	197	I
RAUDHA	12	11	15	16	16	7	3	1	–	7	14	11	3	5	16	14	14	2	12	11	9	8	11	12	13	16	15	13	15	5	307	XVII
PUR	10	8	13	13	15	9	9	1	–	13	16	15	9	–	15	6	10	1	11	8	2	2	5	13	5	10	7	14	9	8	257	XV
ASA	11	9	12	12	12	8	1	2	–	4	15	16	10	–	6	11	16	5	5	5	7	4	16	7	8	13	10	5	11	6	247	XIII
AR PUR	6	10	14	7	7	12	11	2	–	10	12	12	5	–	4	11	8	10	4	16	13	17	9	9	11	14	13	10	5	14	276	XVI
THA	7	7	9	6	5	13	12	2	–	6	5	4	12	2	5	7	7	3	10	12	4	7	12	16	10	9	9	7	3	15	226	X
WANKHERA	4	16	10	3	3	11	10	2	–	9	16	17	1	1	2	9	1	9	8	9	12	10	7	3	9	11	11	4	14	3	225	IX
APUR	16	2	8	14	13	2	5	1	7	10	13	8	7	3	3	6	12	4	2	6	5	5	13	5	8	8	8	10	7	10	221	VIII
LABAD	17	7	7	8	2	10	8	2	6	3	10	7	16	4	11	3	13	8	17	13	10	13	3	3	3	6	5	11	2	16	244	XII
JHAK	15	6	4	11	9	3	7	2	4	1	11	14	8	–	17	5	9	12	6	2	1	3	9	14	2	5	2	6	6	11	205	IV
DAL PUR	14	3	3	15	14	1	4	1	8	11	7	9	11	3	12	7	6	6	1	1	–	16	10	6	3	2	2	11	10	7	204	III
HAUK	5	1	5	2	6	14	13	3	5	8	2	2	2	–	13	13	11	1	13	15	14	12	6	11	4	1	3	3	8	12	208	VI
UBEPUR	2	12	17	5	8	15	14	3	3	2	1	1	15	–	9	1	1	14	14	17	16	1	2	1	1	3	1	9	13	9	210	VII
AWAN	3	15	6	4	4	16	15	2	1	5	6	5	14	–	8	8	3	15	15	3	8	11	14	4	14	12	12	8	1	17	249	XIV
RAJPUR	1	5	2	1	1	17	16	3	2	3	3	6	17	–	10	2	2	13	16	7	15	6	8	10	5	4	4	2	4	13	198	II

(5) कृषक श्रमिक एवं अन्य श्रमिक की नगर की ओर भागने की प्रवृत्ति पर रोक लगाना:-

ग्रामीण श्रमिक मुख्य रूप से निम्न कारणों से नगर की ओर भागता है ।

(अ) ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त न होना ।

(ब) हुनर की कमी ।

(स) उचित मजदूरी न मिलना ।

(द) शिक्षा एवं चिकित्सा की कमी ।

(6)---- इन सभी उद्देश्यों की प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप में पूर्ति के उद्देश्य से राष्ट्र एवं राज्य स्तर पर न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के रूप में समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित किये गये है । उनकी समय उपलब्धि सुनिश्चित करना भी जिला योजना का एक विशेष उद्देश्य है , जिनका संक्षिप्त रूप से विवरण निम्नवत है :-

6.01---- प्राथमिक शिक्षा:-

वर्ष 1991 तक प्रारम्भिक शिक्षा को व्यापक बनाना, औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से अतिरिक्त बच्चों के दाखिले में जनपदीय लक्ष्य की पूर्ति करना।

6.02---- प्रौढ़ शिक्षा:-

वर्ष 1991 तक 15से 35 आयु वर्ग में आने वाले जनपद के समस्त निरक्षर व्यक्तियों को साक्षर करने के राष्ट्रीय लक्ष्य की उपलब्धि कराना ।

6.03---- ग्रामीण स्वास्थ्य :-

राष्ट्रीय लक्ष्य सन 2000 तक सभी के लिये स्वास्थ्य सुविधाओं को उपलब्ध कराने के राष्ट्रीय लक्ष्य पूर्ति हेतु जनपद के मुख्यत: ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य की देख रेख तथा प्रसूति केन्द्र का विस्तार करना ।

6.04---- ग्रामीण जल सम्पूर्ति :-

जनपद के समस्त समस्या ग्रस्त ग्रामों में सातवीं पंचवर्षीय योजना के समाप्ति तक जनपदीय श्रोतों के अनुसार पेय जल व्यवस्था को उपलब्ध कराना ।

6.05---- ग्रामीण विद्युतीकरण:-

सातवीं योजनाकाल के अवशेष गावों को विद्युतीकरण कराने का राष्ट्रीय लक्ष्य रखा गया है । जनपद कानपुर नगर में इसकी उपलब्धि कर ली गई है ।

6.06---- ग्रामीण सड़के:-

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद के अन्तर्गत 1500 तथा उससे अधिक आबादी वाले ग्रामो को सम्पर्क मार्ग से सातवीं योजनाकाल में जोड़ना तथा 1000 से 1500 के बीच आने वाले आबादी के

क्रमश:---29

ग्रामों में 50 प्रतिशत ग्रामों को सम्पूर्णकि मार्ग से जोड देने का राष्ट्रीय लक्ष्य है आठवी पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष में अवशेष ग्रामीण सड़को का कार्य पूर्ण किये जाने का लक्ष्य निधारित किया गया है ।

6.07--- भूमिहीन श्रमिको के लिये ग्रामीण आवास :- सातवी पंच वर्षीय योजना के अवशेष समस्त ऐसे श्रमिकों के लिये आवासीय सुविधा उपलब्ध कराना एंव गृह निर्माण कार्यक्रम पर प्राथमिकता देना ।

6.08---शहरी गन्दी बस्तियों का पर्यावरणात्मक सुधार:- वर्ष 1990 तक शतप्रतिशत की उपलब्धि कराना ।

6.09--- पुष्टाहार कार्यक्रम:- गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एंव 6 वर्ष से कम आयु वाले बच्चों को निधारित मात्रा में 300 दिनों तक पुष्टा हार उपलब्ध कराना जिससे निम्न पोषक प्राप्त हो सके :-

विवरण	कैलोरी	प्रोटीन ग्राम
1	2	3
बच्चे	300	8-12
धात्री माताये/ गर्भवती स्त्रियां	200	25

6.010--- सार्वजनिक वितरण प्रणाली :- ग्रामीण एंव नगरीय क्षेत्र की जनता तक मुख्य रूप से कमजोर वर्ग के लोगो के लिये दैनिक उपभोग की वस्तु ओं को उचित दरों पर उपलब्ध कराना । इसके सफल कार्यान्वयन हेतु सस्ती दर की दुकानों एंव चलती फिरती दुकानों की संख्या में बढ़ोत्तरी करना तथा इस कार्य को करने वाले व्यक्तियों को कम दर पर ऋण उपलब्ध कराना ।

6.011-- ग्रामीण स्वच्छता:- सातवी योजनाकाल के अवशेष में ग्रामीण जनसंख्या के 25 प्रतिशत जनसंख्या को स्वच्छता की सुविधा को उपलब्ध कराना जिसमे मुख्य रूप से धूम्र रहित चुल्हो की व्यवस्था करना ।

8.01---- अन्तर्विकास खण्डीय विषमता को दूर करने के लिये पर्याप्त धन की व्यवस्था करना, मुख्य रूप से सिचाई की विषमता की दूरी करना, खाद की खपत की विषमता को दूर करना एंव कृषि उन्नति शीलता के उपभोग की विषमता को दूर करना आदि । जिससे कृषि उत्पादन में बढ़ोत्तरी हो सके ।

7.02:- खण्ड स्तरीय विषमता के दूर करने के साथ-साथ चालू योजना के लिये पर्याप्त धन की व्यवस्था करना एंव अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिये आवश्यक धन व्यवस्था करना ।

7.03 जनपद को निर्धनता से दूर करने के लिये गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को संस्थागत वित्त के माध्यम से ऋण की व्यवस्था करना । अनुदान उपलब्ध कराने के दृष्टि से इस योजना के अन्तर्गत राज्यांश के रूप में केन्द्र पोषित योजना की मांग जिला योजना के अन्तर्गत निर्धारित करना।

7.04 कृषि उत्पादनको बढ़ाने के उद्देश्य से सहकारिता विभाग को उर्वरक व्यवसाय हेतु सीमान्त धन की व्यवस्था करना ।

7.05 मत्स्य उत्पादन की बढ़ोत्तरी , प्रशिक्षण एवं तालाब सुधार हेतु धन की व्यवस्था करना ।

7.06 कृषि पर अतिरिक्त भार न पड़े इस उद्देश्य से पशुपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं में आवश्यक धन की व्यवस्था करना । अण्डा एवं गोस्त उत्पादन की बढ़ोत्तरी के लिये मुर्गी पालन कार्यक्रम पर विशेष बल दिया गयाहै ।

7.07 रोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से रा0ग्रा0रोजगारकार्यक्रम के अंतर्गत राज्यांश के रूप में धन की व्यवस्था की गई, जिसके कार्यान्वयन से निर्धारित अतिरिक्त मानव दिवसों का सृजन हो सकेगा । साथ ही साथ नगर की ओर भागने की ग्रामीण श्रमिक की प्रवृत्ति पर काफी अंश तक रोकलगसकेगी ।

7.08 न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्णित समस्त ग्यारह कार्यक्रम के लिये निर्धारित राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय लक्ष्यों की उपलब्धि हेतु इस जनपद में कार्यक्रम अनुसार निम्नलिखित परिव्यय वर्ष 1991-92 हेतु प्रस्तावित किया गया है जिसके उपयोग एवं कार्यक्रम के कार्यान्वयन से समस्त निर्धारित लक्ष्यों की उपलब्धि हो सकेगी ।

7.08 जनपद के विकासखण्ड महेवा, अमरौधा, घाटमपुर, राजपुर, संदलपुर एवं डेरापुर में नदियों की कछारेहोने के कारण भूमिऊबडखाबडऊचीनीचीहै । भूमि असमतल होने के कारण इस क्षेत्र का अधिकतर कृषि क्षेत्र वर्षा पर निर्भरकरता है क्योंकि सिंचाई के साधन इन क्षेत्रों में स्थलाकृतिके कारण सम्भव नहीं है। इसकाप्रभाव कृषि उपज पर भी पड़ता है। इसी क्षेत्र में दूसरी समस्या यह है कि कछारों में छिपने की आसानी होने के कारण यहक्षेत्र दस्यु प्रभावित रहा है, यह क्षेत्र फूलनदेवी धनायाम आदि अनेक दुर्दान्त दस्युओं की शरण स्थली रही है! यदि इस क्षेत्र का विकास भूमि को समतल सिंचाई की सुविधायें आवागमन के साधन एवं आर्थिक महत्व की योजनायें देकर किया जाय तो यह क्षेत्र न केवल असमाजिक तत्वों से छुटकारापावेगा वरन् इसका बहुत बड़ा योगदान जनपद की उन्नति में हो सकता है बीहड क्षेत्र को कृषियोग्य बनाने हेतु भूमि संरक्षण अभियान की एक इकाई वर्ष 1968-70 से कार्यरत है तथा दस्यु उन्मूलन के अंतर्गत एक अन्य इकाई ने भी वर्ष 1988-89 से कार्यकरना प्रारम्भ कर दिया है परन्तु कार्य की मात्र तथा इसके कई स्थर होने के कारण अभी इस क्षेत्र के विकास हेतु काफी कार्य किया जाना है किये गये सर्वेक्षण के आधार पर यमुना एवं सेंगुर नदी के जल समेत क्षेत्र में 6-10 किमी0 चौड़ी पट्टी के रूप में लगभग 55हजार हे0 भूमि बीहड़ों स्थिति है इसमें से अभी तक 26193.2 हे0 समतलीय करण 481.13हे0 क्षेत्र फटल भूमि की सुरक्षा 8679.39हे0क्षेत्र में स्थरीकरण करके 1691 हे0 क्षे0 में बनीकरण का कार्य किया गया है ।

अध्याय -5

जिला योजना का विभिन्न श्रोतों से वित्त पोषण

जिला योजना की संरचना वर्ष 1991-92 हेतु शासन से सूचित कुल परिव्यय 202339.0 हजार रूपये की जिला योजना संरचित की गई जिसके अतिरिक्त जिला योजना के ... अन्तर्गत विभिन्न अन्य श्रोतों से 359630 हजार रूपये प्रत्यक्ष एवंपरोक्ष रूप से व्यय होने की सम्भावना है। इस प्रकार वर्ष 1991-92 की जिला योजना 561969 हजार रूपये की संरचित हुई है। विभागवार एवं सेक्टरवार एवं वित्तीय श्रोतवार वित्त पोषित का विवरण परिशिष्ट 4 में दिया गया है। जिला योजना से सम्बन्धित विभाग जिसमें अन्य श्रोतों से वित्त पोषण होगा का विवरण निम्न प्रकार दिया जा रहा है।

5-1 कृषि:- जिला योजना के अन्तर्गत 522 ह0 रू0 तथा अन्य श्रोतों से 72 हजार रूपये का पूँजी निवेश होगा। इस प्रकार 594 हजार रूपये का निवेश वर्ष 1991-92 हेतु उपलब्ध रहेगा।

5-2 लघु एंव सीमान्त कृषकों को सहायता

इस योजना के अन्तर्गत जिला योजना में 16335 हजार रूपये प्रस्तावित है तथा इसके अतिरिक्त 16335 हजार रूपये केन्द्रांश तथा 20790 हजार रूपये संस्थागत वित्त से पूंजी निवेश होने का अनुमान है जिसका शतप्रतिशत व्यय लघु सिंचाई विभाग के अन्तर्गत नि:शुल्क बोरिंग में किया जायेगा।

5-3 पशु पालन

इस विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों हेतु 2901 हजार रूपये का परिव्यय जिला योजना से प्रस्तावित किया गया है। इसके अतिरिक्त 540हजार रूपये केन्द्र सरकार से पूंजी निवेश होने का अनुमान है। इस प्रकार ... पालन विभाग को कुल निवेश 3441 हजार रूपये वर्ष 91-92 में सम्भावित है।

... मत्स्य:- जिला योजना वर्ष 1991-92 में 216 हजार रूपये प्रस्तावित ... गये हैं इसके अतिरिक्त केन्द्रांश के रूप में 156 हजार रूपये पूंजी निवेश होने का अनुमान है।

5-5 क्षेत्रीय विकास:-

5.5.1 एकीकृत ग्राम्य विकास :- विभाग को एकीकृत ग्राम्य विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत 18737 हजार रूपये जिला योजना से प्रस्तावित किया गया है। इसके अतिरिक्त अन्य श्रोतों से केन्द्रांश के रूप में 18737 हजार रूपये एवं संस्थागत वित्त से 81646 हजार रूपये पूंजी निवेश होने का अनुमान है। इस प्रकार वर्ष 91-92 में इस कार्यक्रम के अन्तर्गत कुल 119120 ह0 रूपये निवेश होने की सम्भावना है।

5.5.2 जवाहर रोजगार योजना:- इस योजना के अन्तर्गत जिला योजना वर्ष 91-92 में 18010 हजार रूपये प्रस्तावित किया गया इसके अतिरिक्त 72040 हजार रू० (केन्द्रांश के रूप में) पूँजी निवेश होने का अनुमान है।

5.6 राजकीय लघु सिंचाई:- जिला योजना वर्ष 91-92 हेतु 12265 हजार रूपये प्रस्तावित किया गया है । इसके अतिरिक्त अन्य श्रोतों से राज्यांश के रूप में 1655 हजार रूपये पूंजी निवेश होने का अनुमान है ।

5.7 विद्युत :- ग्रामीण विद्युतीकरण नामक योजना के अन्तर्गत वर्ष 1991-92 में 1440 हजार रूपये प्रस्तावित है । इसके अतिरिक्त अन्य श्रोत से केन्द्र से 15500 हजार रूपये पूंजी निवेश होने का अनुमान है।

5.8 ग्रामीण एवं लघु उद्योग

इस विभाग को विभिन्न कार्यक्रमों में जिला योजना 1991-92 में 1250 हजार रूपये प्रस्तावित किया गया है इसके अतिरिक्त अन्य श्रोतों से केन्द्र से 200 हजार रू० राज्य सेक्टर से 20 ह० रू०, वित्त संस्थाओं से 10500 ह० रू० एवं संस्थागत वित्त से 71000 हजार रूपये पूँजी निवेश होने का अनुमान है। इस प्रकार अन्य श्रोतों से कुल निवेश 81720 हजार रू० की सम्भावना है।

5.9 सड़क एवं पुल

जिला योजना वर्ष 91-92 के अन्तर्गत प्रस्तावित परिव्यय 39500 हजार रूपये के अतिरिक्त 13000 हजार रू० राज्य सेक्टर से उपलब्ध होने का अनुमान है ।

5.10 प्राथमिक शिक्षा:- जिला योजना वर्ष 91-92 के अन्तर्गत प्रस्तावित परिव्यय 16518 ह०रू० के अतिरिक्त 1686 हजार रूपये केन्द्रांश के रूप में पूँजी निवेश होने का अनुमान है।

5.11 जल निगम: इस विभाग की योजनाओं में जिला योजना वर्ष 1991-92 से 9267 हजार रूपये प्रस्तावित किया गया है इसके अतिरिक्त राज्य सेक्टर से 5000 हजार रूपये पूँजी निवेश होने का अनुमान है । इस प्रकार कुल 14267 हजार रूपये वर्ष 1991-92 में निवेश हेतु उपलब्ध रहेगा।

5.12 ग्रामीण आवास (ग्राम्य विकास) ग्राम्य विकास विभाग के अन्तर्गत ग्रामीण आवास योजना में 5118 हजार रूपये का परिव्यय जिला योजना में प्रस्तावित है । विभिन्न श्रोतों से 30708 हजार रूपये प्राप्त होने का अनुमान है जिसमें 15354 ह०रू० जवाहर रोजगार योजना से तथा 15354 संस्थागत वित्त से पूँजी निवेश होने की सम्भावना है।

5.13 सूचना:- जिला योजना 1991-92 में प्रस्तावित परिव्यय 156 हजार रूपये के अतिरिक्त राज्य सेक्टर से 45 हजार रूपये पूँजी निवेश होने का अनुमान है।

x-x-x-x-x-x-x-x-x

अध्याय - 6

जनपद में चल रहे विकास कार्यों का समालोचनात्मक मूल्यांकन एवं भावी कार्यक्रम:

1- कृषि विभाग

जनपद में 3 राजकीय कृषि प्रक्षेत्र-वारा, सादएवं कडरो में उपलब्ध है। जिनका क्षेत्र क्रमशः 20.0, 30.0 तथा 16.2 हेक्टर है । इन प्रक्षेत्रों पर बीज सम्वर्धन एवं वितरण की योजना के अन्तर्गत उन्नतिशील प्रमाणित बीजों का उत्पादन कराया जाता है । जिसमें बीज, प्रमाणीकरण संस्था के मानक के ~~अपुयस~~ अनुसार उत्पादित कर बीज विधायन कराकर तथा संस्था द्वारा प्रमाणित टैग लगाकर, बिना लाभ हानि के दर से बिक्रय मूल्य निर्धारित कर कृषकों में वितरण कराया जाता है । बिल्हौर तथा पुखरायाँ में 2बफर गोदाम कार्यरत है । जनपद में 29 कृषि बीज भण्डार है ।

सातवी पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ में विभाग द्वारा 7065कु0 उन्नतिशील बीजों का उत्पादन किया जा चुका था तथा सातवी पंचवर्षीय योजना में 4722.0हजार रूपये व्यय करके कुल 1048कुन्तल उन्नतशील बीजों का उत्पादन किया गया ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के वर्ष 1990-91 हेतु शासन द्वारा 915.0 हजार रूपये परिव्यय का अनुमोदन किया गया है तथा वर्ष 1991-92 हेतु 450.0 हजार रुपये परिव्यय का प्रस्ताव मजदूरी तथा माल सम्पूर्ति के लिये रखा गया है । आठवी पंचवर्षीय योजना के पूरे योजना काल में 9000कुन्तल उन्नतशील बीज उत्पादन का लक्ष्य है जिसमें 5714.0हजाररूपये व्यय होने का अनुमान है ।

2- कृषि रक्षा

सातवी पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ में विभाग द्वारा 500हजार हेक्टर क्षेत्र फल कीट नाशक उपचार किये गये थे तथा योजना अन्तर्गत 134.6हजार रूपये व्यय किये गये ।

आठवी पंचवर्षीय योजना के वर्ष 1990-91 हेतु शासन द्वारा 39.0 हजार रूपये परिव्यय का अनुमोदन किया गया है तथा वर्ष1991-92

हेतु मशीन साज सज्जा एवं उपकरण क्रय हेतु 12.0 हजार, कपास विकास योजना हेतु 25.0 हजार तथा 35.0 हजार रुपये अनुरक्षण आदि इस प्रकार कुल 72.0 हजार रुपये का प्रस्ताव रखा गया है तथा पूरे योजना काल में 448.0 हजार रुपये व्यय होने का अनुमान है ।

3- उद्यान विभाग

जनपद में उद्यान विभाग की चार पौधशालायें विकास खण्ड पतारा, विकासखण्ड घाटमपुर के पारा चाँदपुर में, विकासखण्ड चौबेपुर के चम्पतपुर है, विकासखण्ड शिवराजपुर के दरिया निवादा में कार्यरत है, जिन पर कलमों, फलदार एवं शोभादार पौधों का उत्पादन एवं वितरण कार्य किया जाता है ।

सातवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ में 3लाखफलदार पौधों का उत्पादन, 30हजार कुन्तल शाक भाजी बीज उत्पादन, 54हेक्टर क्षेत्र में शाक भाजी, आलू आदि के क्षेत्र में वृद्धि तथा 150व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है । तथा सम्पूर्ण योजनाकाल में 3154.0हजार रुपये व्यय करके 1040हजार फलदार पौधों का उत्पादन, 470कुन्टल बीजों का उत्पादन, 270हेक्टर शाक भाजी एवं आलू के क्षेत्र में वृद्धि तथा 750 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के वर्ष 1990-91 हेतु शासन द्वारा 326.0हजार रुपये परिव्यय का अनुमोदन किया गया है । वर्ष 1991-92 हेतु हरिजन एवं जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में औद्योगिक विकास के लिये 50.0हजार रुपये, पान विकास के लिये 15.0हजार रुपये, फल विकास के लिये 300.0 हजार रुपये तथा प्रशिक्षण प्रदर्शन एवं प्रचार प्रसार के लिये 30.0हजार इस प्रकार वर्ष 1991-92 हेतु कुल 395.0हजार रुपये परिव्यय का प्रस्ताव है । तथा पूरे योजना काल में 2799.0हजार रुपये व्यय करने का अनुमान है ।

4- फल संरक्षण

देश व प्रदेश की खाद्य समस्या तथा गिरते हुये स्वास्थ्य को देख कर शासन द्वारा वर्ष 1976-77 से 1983-84 तक प्रदेश के 10 बड़े नगरों में राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किया गया । इसके पूर्व यह योजना जिला सेक्टर के अन्तर्गत नहीं थी । वर्ष 1991-92 में जिला सेक्टर के अन्तर्गत रखा गया है । जनपद कानपुर देहात में फल तथा सब्जियों के संरक्षण एवं प्रशिक्षण कार्य हेतु तहसील पुखरायाँ एवं घाटमपुर में एक-एक राजकीय फल संरक्षण केन्द्र खोलने का प्रस्ताव है । इसके अतिरिक्त ग्रामीण अंचलों में जहाँपर

आर्थिक, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, अज्ञानता आदि आर्थिक संस्थायें है वहा पर सबल प्रशिक्षण व सजीव प्रदर्शन की योजना है ।

आठवीं ... पंचवर्षीय योजना के वर्ष 1991-92 में प्रसंस्करण, प्रशिक्षण एवं विधायन की योजना के अन्तर्गत तीन माह में होने वाले व्यय का प्रस्ताव निम्न प्रकार से किया गया है :

पद	प्रस्तावितव्यय (हजार रू0)
1- वेतन/बोनस	90.0
2- मजदूरी	3.0
3- महंगाई भत्ता	45.0
4- यात्रा भत्ता	5.0
5- अन्य भत्ता	22.0
6- कार्यालय व्यय	30.0
7- किराया एवं उपशुल्क	10.0
8- प्रकाशन/विज्ञापन	2.0
9- मशीन साज सज्जा	128.0
10 माल सम्पूर्ति	10.0
योग	345.0

आठवी पंचवर्षीय योजना के पूरे योजना काल में कुल 1988.0 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है ।

5- गन्ना विकास

जनपद कानपुर देहात में एक चीनी मिल घाटमपुर में कार्यरत है । इसके कार्यक्षेत्र में गन्ना उत्पादन को प्रोत्साहन देने के लिये विभिन्न योजनायें जिला गन्ना अधिकारी कानपुर देहात की देखरेख में कार्यान्वित की जा रही है ।

सातवी पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ में 43.1 हेक्टर में गन्ना बीज का उत्पादन किया गया, 13.4 हेक्टर में गन्ना विकास किया गया, 40.7 हेक्टर में मिल के 16 किमी परिधि के अन्दर भूमि उपचार, बीज उपचार आदि के कार्य किये जा चुके थे । सम्पूर्ण योजना काल में 1435.0 हजार रूपये व्यय करके 85 लाभार्थियों को सस्ते दर पर गन्ना

रक्षा यंत्र उपलब्ध कराये गये, 545.7 हेक्टेयर में आधार गन्ना बीज का उत्पादन किया गया, 190.4हेक्टर में गन्ना विकास कार्य किया गया तथा 16 कि0मी0 की परिधि में 4103.0 हेक्टर में भूमि उपचार बीज उपचार के कार्य किये गये ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 हेतु शासन द्वारा कुल 151.0 हजार रुपये परिव्यय का अनुमोदन किया गया है । वर्ष 1991-92 हेतु 15.0 हजार रुपये गन्ना उत्पादकों को सस्तु दर पर फसल रसायन उपलब्ध कराने हेतु, 21.0हजार रुपये गन्ना बीज यातायात पर अनुदान हेतु, 60 हजार रुपये आधार गन्ना बीज उत्पादन हेतु, 30.0हजार रुपये चीनी मिल के 16 कि0मी0 परिधि में भूमि उपचार बीज उपचार हेतु इस प्रकार वर्ष 1991-92 में 186.0 हजार रुपये परिव्यय का प्रस्तावित रखा गया है सम्पूर्ण योना काल में 1320.0हजार रुपये व्यय होने का अनुमान है ।

6- लघु एवं सीमांत कृषकों को उत्पादकताबढ़ाने हेतु सहायता

इस योजना के अन्तर्गत लघु एवं सीमांत कृषकों को उत्पादकता बढ़ाने हेतु राज्य सरकार द्वारा अनुदान दिया जाता है तथा इसके समतुल्य धनराशि भारत सरकार द्वारा दी जाती है ।

सातवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ में 67845 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा चुका था । सम्पूर्ण योजना काल में 34541.0हजार रुपये व्यय करके 15066लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 हेतु शासन द्वारा 15309.0हजार रुपये परिव्यय का अनुमोदन किया गया है । वर्ष 1991-92हेतु 16335.0 हजार रुपये परिव्यय का प्रस्ताव है । सम्पूर्ण योजना काल में 32967 लाभार्थियों को लाभान्वित कराने हेतु 109777.0 हजार रुपये व्यय होने का अनुमान है ।

7- पशु पालन विभाग

जनपद कानपुर देहात में वर्तमान में 31पशु चिकित्सालय 4"द" श्रेणी पशु चिकित्सालय एवं 106 पशु सेवा केन्द्र कार्यरत है जिनके द्वारा पशु चिकत्सा संक्रामक रोगों के बचाव हेतु टीका करण आदि का कार्य सम्पादित किया जाता है । इन्हीं संस्थाओं से 18 कृद्धिम गर्भाधान केन्द्र व 90 कृत्रिम गर्भाधान उप केन्द्र के रूप में कार्यकर रहे है, जिनके द्वारा पशु प्रजनन पशुओं की देखभाल आदि का कार्य किया जा रहा है । उपरोक्त कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रो/उपकेन्द्रो से 32 पर अति हिमीकृत वीर्य द्वारा कृत्रिम गर्भाधान कार्य किया जा रहा है । जनपद में 14पशु चिकित्सालयों पर प्राकृतिक गर्भाधान हेतु दो बकरों से नैसर्गिक प्रजनन किया जा रहा है । जनपद के 4पशु चिकित्सालय पर सूकर केन्द्र कार्यकर रहे हैं ।

सातवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ में 24 पशु चिकित्सलय, 22अतिहिमीकृत पद्धति द्वारा कृत्रिम गर्भाधान, 7बकरा केन्द्र तथा एक नैसर्गिक प्रजनन हेतु पशु चिकित्सालय पर सूकर केन्द्र स्थापित थे । पूर्ण योजनाकाल में 6338.7 द्वारा रूपये में व्यय करके 7 पशु चिकत्सालय, 32कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र, 7बकरा केन्द्र, 4सूकर केन्द्र स्थापित किये गये तथा 5 पशु प्रदर्शनी का आयोजन किया गया ।

आठवी पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 हेतु शासन द्वारा 2047.0 हजार रूपये परिव्यय का अनुमोदन किया गया । तथा योजननिदान सेवाओं के सुधार तथा वर्ष 1991-92 हेतु निम्नलिखित योजनाओं का प्रस्ताव किया गया :

1- पशु चिकित्सा एवं स्वास्थ्य रोग निदान:

अनुसंधान के सुधार तथा विस्तार योजना

		व्यय (हजार रु०)
(क)	दो पशु चिकित्सालय केस्थापना एवं साजसज्जा पर व्यय	127.4
(ख)	एक "द" श्रेणी पशु चिकित्सालय पर	19.5
(ग)	दस पशु सेवा केन्द्र पर स्थापना व्यय	191.0
(घ)	पशु सेवा केन्द्र को नारी (डेरापुर) परनवीन पशु चिकित्सालय चलने हेतु स्थानापर व्यय	512.0
	योग	849.9

2- पशु चिकित्सालय एवं पशु सेवा केन्द्र के भवन निर्माण

मद	प्रस्तावित परिव्यय (हजार रु०)
(क) पशु चिकित्सालय चौबेपुर, राजपुर, डेरापुर बिल्हौर, पुखरायाँ व रसूलाबाद की चार दीवार का निर्माण	600.0
(ख) पशु चिकित्सालय घाटमपुर के प्रयोगशाला के भवन निर्माण	120.0
(ग) पशु चिकित्सालय पुखरायाँ, डेरापुर, शिवराजपुर, एवं दरीपाल का विद्युतीकरण	30.0
(घ) पशु चिकित्सालय झींझक का निर्माण	200.0
योग	950.0

3- खुरपका व मुंह पका रोग के रोकथाम की योजना (केन्द्र पोषित)

खुरपका मुंहपका रोग के रोकथाम हेतु वैक्सीन क्रय करके 50प्रतिशत मूल्य पर पशु पालकों को उपलब्ध करायी जाती है। शेष 50प्रतिशत वैक्सीन का मूल्य केन्द्र सरकार के द्वारा वहन किया जाता है वैक्सीन के मूल्य को दृष्टिगत रखते हुये जनपद के पूरे दुधारू पशुओं का टीकाकरण एवं वर्ष में सम्भव नहीं है, अतः प्रत्येक वर्ष में इस वैक्सीन को उपलब्ध धनराशि में से क्रय करायी जाती है । इस हेतु 10.0हजार रूपये के परिव्यय का प्रस्तावित किया गया है ।

4- गाय एवं भैंसों के कृत्रिम गर्भाधान द्वारा पशु प्रजनन की सुविधा का सुधार एवं विस्तार:

मद	प्रस्तावित परिव्यय (हजार रु०)
(क) कृत्रिम गर्भाधान उपकेन्द्र रनियाँ व शाहजहाँपुर के प्रस्तावित भवनों में अवशेष धन	94.0
(ख) कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र पुखरायाँ के प्रयोगशाला निर्माण हेतु अवशेष धनराशि	2.0
(ग) 6पुराने एवं 12नये कार्यरत केन्द्रों पर तरल नत्रजन एवं अतिहिमीकृत वीर्य की आपूर्ति हेतु6	180.0
(घ) पुराने वाहन पर सम्भावित व्यय	20.0
योग	296.0

5- राज्य में बकरी प्रक्षेत्रों की स्थापना तथा प्रजनन सुविधाओं का विस्तार की योजना

(क) दो बकरा गृह कटजरी एवं सिकन्दरा निO (की)	10.00
(ख) उक्त दोनों गृहों पर चार बकरों का मूल्य	2.0
(ग) दाना एवं अन्य प्रासंगिक व्यय	6.00
(घ) पुराने 3 बकरा केन्द्रों पर 6 बकरों का मूल्य	3.0
योग	21.0

6- पशु विकास सम्बंधी कार्यक्रमों के प्रसार एवं प्रचार योजना

मद	प्रस्तावित परिव्यय
(क) पशु प्रदर्शनी में पुरस्कार वितरण	25.0
(ख) काफ रैली में पुरस्कार	10.0
(ग) एक दिवसीय काफ रैली एवं पशु प्रदर्शनी	10.0
(घ) साहित्य वितरण पर व्यय	10.0
(ङ) प्रक्षेत्रों के निर्माण हेतु अन्य व्यय	15.0
(च) प्रचार सामग्री का [illegible] व्यय	80.0
योग	150.0

7- शूकर विकास हेतु शूकर केन्द्रों की स्थापना सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार तथा प्रजनन सुविधाओं के विस्तार की योजना

मद	प्रस्तावित परिव्यय ([illegible])
(क) पशु चिकित्सालय पुखरायाँ, घाटमपुर, सन्दलपुर डेरापुर, ककवन, शिवराजपुर एवं सौली [illegible] पर शूकर कार्य हेतु 7 बाड़ों का निर्माण	105.0
(ख) 10 शूकरों का क्रय	7.0
(ग) भरण पोषण तथा औषधि	14.0
(घ) अतिरिक्त सफाई एवं विविध व्यय	5.0
(च) प्रचार सामग्री आदि	5.0
योग	136.0

सातवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ में 1358हे0वृक्षारोपण, 1289हे0 अग्रिम मृदाकार्य तथा 27 लाख पौधों का उगान किया गया । पूरे योजना काल में 22899.0 हजार रुपये व्यय करके 942हे0 वृक्षारोपड़ 866हे0 अग्रिम मृदा कार्य, तथा 24लाख पौधों का उगान किया गया साथही 9ट्रेक्टर खरीदे गये तथा एक रेंज कार्यालय, एक टाइप-2 एवं एक टाइप-1 क्वार्टर का निर्माण कराया गया।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष वर्ष 1991-92 हेतु शासन द्वारा 5700.0 हजार रुपये परिव्यय का अनुमोदन किया गया । वर्ष 1991-92 हेतु सामाजिक वानिकी के लिये 4713.0तथा वन मनोरंजन केन्द्र हेतु 350.0हजार रुपये परिव्यय का प्रस्ताव रखा गया है । पूरी योजनाकाल में 38348.0हजार रुपये व्यय होने का अनुमान है ।

11- सहकारिता विभाग

जनपद कानपुर देहात में सहकारिता विभाग की चालू योजना को संचालित करने हेतु गत वर्ष 1990-91में शासन द्वारा 308.0हजाररूपये के परिव्यय का अनुमोदन किया गया था वर्ष 1991-92 हेतु 231.0हजार रूपये परिव्यय का प्रस्ताव रखा गया है । जिसका विवरण निम्न है:

जिलासहकारी बैंकों की शाखा हेतु प्रबंधकीय अनुदान हेतु 16.0हजाररूपये, कृषि ऋण समितियों को उर्वरक व्यवसाय हेतु 150.0हजार रुपये तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली उपभोक्ताव्यवसाय हेतु सीमांत धन के रूप में 65.0हजार रूपये व्यय करने का प्रस्ताव है । आठवीं पंचवर्षीय योजना में कुल 1485.0हजाररूपये व्यय होने का अनुमान है। जबकि सातवीं पंचवर्षीय योजना में कुल 220.0हजाररूपेये वयय किया जा चुका है ।

12- एकीकृत ग्राम्य विकास कार्यक्रम

इस योजना के अन्तर्गत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले ग्रामीण क्षेत्रों के निर्धन परिवारों को उनकी जानकारी एवं इच्छा के अनुसार परियोजनायें बैंकों के माध्यम से दिलाकर उनकी उत्पादकता एवं आय स्तर में वृद्धि करके उन्हें गरीबी रेखा के ऊपर पहुचाने का प्रयास किया जाता है प्रत्येक निर्धन परिवार को 3000रू0 की सीमा तक अनुदान धनराशि परियोजना के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है । शासन द्वारा वर्ष 1990-91 के लिये अनु0जाति/जनजाति के लिये अनुदान की अधिकतम सीमा

5000रूपये तक कर दी गई है । इस वर्ष कुल लाभान्वित कराये जाने वाले परिवारों में से अनु0जाति/जनजाति के लिये 60 प्रतिशत तथा महिलाओं के लिये 40प्रतिशत लक्ष्य रखा गया है । योजना के कुल वित्तीय परिव्यय में 50प्रतिशत केन्द्रांश एवं 50प्रतिशत राज्यांश होता है । राज्यांश का प्राविधान जिला योजना में किया गया है ।

सातवी पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ में कुल [illegible] परिवारों को लाभान्वित किया जा चुका था । पूरे योजनावधि में [illegible] हजार रूपये अनुदान के रूप में देकर 73657परिवारों को लाभान्वित किया गया ।

आठवी पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में शासन द्वारा 17034.0हजार रूपये परिव्यय का अनुमोदन किया गया वर्ष 1991-92 हेतु 18737.0हजाररूपये परिव्यय का प्रस्ताव रखा गया है । पूरे योजना काल 1990-95 में 125705.0 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है

13- जवाहर रोजगार योजना

इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के बेरोजगार एवं अर्धबेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराना है साथ ही साथ ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी परिसम्पत्तियों का सृजन करना है जो उनकी आर्थिक सामाजिक अवस्थापना के सुदृढ़ीकरण में सहायक हों तथा अर्थ व्यवस्था को ओर उत्प्रेरक हो । इसका संचालन जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के माध्यम से जनपद में [illegible] ग्रामप्रधानों द्वारा किया जाता है । इस योजना पर होने वाले व्यय का 80प्रतिशत भारत सरकार तथा 20प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा वहन की जाने वाली राशि जिला योजना में प्राविधानित की जाती है जवाहर रोजगार योजना का शुभारम्भ 1.4.89से किया गया ।

सातवी योजना में 22344.2हजार रूपयें व्यय करके 2558.6हजार मानव दिवस का सृजन किया गया ।

आठवी पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में शासन द्वारा 19752.0 हजार रूपये परिव्यय का अनुमोदन किया गया 1991-92 में 18010.0हजार रूपये परिव्यय का प्रस्ताव किया गया । पूरे योजनाकाल 1990-95में कुल 124207.0हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है ।

14- पंचायतराज

सातवी पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ में 15 [illegible] को प्रोत्साहन दिया जा चुका था । योजनाकाल 1985-90 में 15 [illegible] के प्रोत्साहन हेतु 5503.0 हजार रूपये व्यय किये गये ।

आठवी पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में [illegible]

1579.0हजार रूपये का परिव्यय शासन द्वारा अनुमोदित किया था । वर्ष 1991-92 हेतु 3ग्राम सभाओं को प्रोत्साहन देने हेतु 12.0हजाररूपये तथा 5000स्वच्छ शौचालयों के निर्माण हेतु 6600.0हजार रूपये के परिव्यय का प्रस्ताव रखा गया है । पूरे योजना काल 1990-95 में 28027.0 हजाररूपये व्यय होने का अनुमान है ।

15- सामुदायिक विकास॥ग्राम्य विकास॥

शासन द्वारा दिनांक 1.4.87 से निधारित मानक के आधार पर जनपद के विकासखण्डों में अवशेष भवनों के निर्माण की प्रक्रिया के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष जिला योजना में प्रस्ताव रखकर विकासखण्ड भवनों को पूर्ण किया जायगा ।

सातवी पंचवर्षीय योजना में 1500.0हजार रूपये व्यय करके कुल 27 भवनों का निर्माण करा गया ।

आठवी पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में शासन द्वारा 2000.0हजार रूपये परिव्यय का अनुमोदन किया गया । वर्ष1991-92 हेतु 2200.0हजार रूपये परिव्यय का प्रस्ताव रखा गया है। पूरे योजनाकाल 1990-95 में अवशेष कुल 274 आवासों का निर्माण कर 23759.0हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है ।

16- निजी लघु सिंचाई

जनपद कानपुर देहात में 31मार्च 89 को पक्के कुएं 1213, रहट 513, भूस्तरीय श्रोतों पर लगे पम्पसेट 1894, बोरिंग पर लगे पम्प सेट 22543 तथा निजी पलकूप 14224 कार्यकर रहे है ।

सातवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ में कुल 19208 पम्पेसेट 12762 नलकूप तथा 85 निजी बोरिंग थे । पूरे योजनाकाल 1985-90 में 33598 पम्पिंगसेट, 13675 नलकूप, 15653 निजी बोरिंग लगाये गये, जिनमें 6601.0 हजार रूपये व्यय किये गये ।

आठवी पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में शासन द्वारा 800.0हजार रूपये का अनुमोदन प्राप्त हुआ है । वर्ष 1991-92 हेतु जनपद के गहरे स्ट्रेटा वाले विकासखण्ड घाटमपुर, राजपुर, सन्दलपुर तथा मलासा में 50 बोरिंग का प्रस्ताव है जिसमें 20 विभागीय तथा 30 बोरिंग अन्य स्टजरयों द्वारा पूर्ण की जायगी । जिसके लिये 30.0हजार रूपये प्रतिबोरिंग नलकूप की पद से 1500.0 हजार रूपये का परिव्यय अनुदान के रूप में प्रस्तावित है । जनपद में रिंग गणीन के रखरखाव हेतु

जिला मुख्यालय पर गोदाम बनाने हेतु 200.0 हजार रूपये परिव्यय का प्रस्ताव किया गया है । नि:शुल्क बोरिंग विभाग द्वारा की जाती है जिसके अन्तर्गत बोरिंग उपकरणों की आवश्यकता होती है । विभाग में सुचारूरूप से कार्यरत लगभग 100 सेट उपलब्ध है । जनपद का विभागीय लक्ष्य 4250 निर्धारित किया गया है, जिसमें अधिकतम वर्ष में 30बोरिंग प्रति सेट से बोरिंग की जा सकती है । अत: उपलब्ध क्षमता के अनुसार 3000बोरिंग की जा सकती है, अवशेष 1250 बोरिंग हेतु 40 सेट की अतिरिक्त आवश्यकता पड़ेगी जिसके लिये लगभग 160.0हजार रूपये का प्रस्ताव किया गया है । इसके अतिरिक्त 40.0 हजार रूपये सेटों के मरम्मत आदि पर व्यय होगा । इस प्रकार वर्ष 1991-92 हेतु कुल 1900.0 हजार रूपये परिव्यय का प्रस्ताव रखा गया है । पूरे योजनाकाल 1990-95 में कुल 10440.0हजार रूपे व्यय होने का अनुमान है ।

17- राजकीय लघु सिंचाई

जनपद में 31 मार्च 1990 तक 486 राजकीय नलकूप सामान्य योजना के अन्तर्गत कार्यरत है । इसके अतिरिक्त विश्वबैंक योजना के अन्तर्गत विकासखण्ड झींझक में 25 तथा घाटमपुर में 251, रनिया क्लास्टर 27 तथा बनीपारा क्वस्टर में 23 नलकूप है । सातवीं पंचवर्षीय योजना में 38 नलकूप हेतु 4750.0 हजार रूपयें व्यय किये गयें ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 हेतु शासन द्वारा 13951.0रूपये परिव्यय का अनुमोदन किया गया । वर्ष 1991-92 हेतु 8नलकूपों, पी0वी0सी0 पाइप तथा अन्य मदों के लिये 12265.0हजार रूपये परिव्यय का प्रस्ताव रखा गया है । पूरे योजनाकाल 1990-95 में कुल 74548.0हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है ।

18- विद्युत विभाग

जनपद कानपुर देहात के अन्तर्गत कुल आवाद ग्राम 1624है । जिनमें से वर्ष 1989-90 के अंत तक केन्द्रीय विद्युतीकरण परिभाषा के अनुसार कुल 908 ग्रामों का विद्युतीकरण किया जा चुका है । साथ ही साथ 504ग्राम ग्राम एवं 509 हरिजन बस्तियों में एल0टी0काडन का जाल बिछा कर भी विद्युतीकरणकिया जा चुका है तथा 4662 निजी नलकूपों को विद्युतीकृत किया जा चुका है ।

20 हथकरघा विभाग

जनपद कानपुर देहात के बिल्हौर कस्बा एवं [illegible] में हथकरघा उत्पादन का कार्य हो रहा है । बिल्हौर में [illegible] एवं गाढ़ा तथा मूसानगर में केवल गाढ़ा बनाया जाता है । वर्ष 1988 के सर्वेक्षण के अनुसार जनपद में कुल 322 बुनकर तथा 571 हथकरघा है ।

सातवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ में 2626.0 कि0ग्रा0 रेशम कीट का उत्पादन किया गया । पूरे योजनाकाल 1985-90 में 10643 कि0ग्रा0 रेशम कीट उत्पादन 657 हजार शहतूत के पौधे तथा 214 हजार शहतूत वृक्षारोपण किया गया, जिनमें कुल 526.0 हजार रुपये व्यय हुए तथा 14.0 हजार रुपये हथकरघा सहकारी समितियों के प्रबन्धकीय सहायता पर व्यय किये गये ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में शासन द्वारा 162.0 हजार रुपये परिव्यय का अनुमोदन किया गया वर्ष-1991-92 हेतु 435.0 हजार रुपये का प्रस्ताव रखा गया है । पूरे योजनाकाल 1990-95 में कुल 2227.0 हजार रुपये व्यय का अनुमान है।

21 सड़क एवं पुल

1971 की जनगणना के अनुसार जनपद में 1500 तथा उससे अधिक आबादी वाले 239 ग्रामों को 1989-90 तक पक्की सड़कों से जोड़ा जा चुका है । 1000 से 1499 आबादी वाले 252 ग्रामों में से 182 ग्राम वर्ष 1989-90 तक पक्की सड़कों से जोड़ा जा चुका है । शेष 70 ग्राम 1990-91 में पक्की सड़कों से जोड़ दिये जायेंगे ।

सातवीं पंचवर्षीय योजनाकाल 1985-90 में 200803 हजार रुपया व्यय करके 125.80 कि0मी0 सड़क का निर्माण हुआ । आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 हेतु शासन द्वारा 35915 हजार रुपये का अनुमोदन किया गया । वर्ष 1991-92 हेतु 39500 हजार रुपये परिव्यय का प्रस्ताव रखा गया है । जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

मद	इकाई	भौतिकलक्ष्य	प्रस्तावित परिव्यय (हजार रुपयों में)
1	2	3	4
1- सा0नि0वि0 मार्गों का पुन: निर्माण एवं सुधार	कि0मी0	6.40	2[illegible]

क्रमश: ----2

1	2	3	4
2- लघु सेतुओं का पुन: निर्माण	संख्या	3	1171
3- वर्तमान मार्गों पर टूटे हुये लघु सेतुओं का नवनिर्माण	संख्या	2	2343
4- न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण मार्गों का निर्माण			
क-मिट्टी पुलिया तथा खड़ंजा	कि0मी0	41.75	15261
ख-मिट्टी पुलियों से खड़ंजा	किमी0	8.50	1764
5- ग्रामीण मार्गों का निर्माणखड़ंजा तथा लेपन	कि0मी0	51.06	12232
6- छूटी कड़ियों का निर्माण	कि0मी0	9.50	3003
7- सेतुओं से पहुँच मार्ग	कि0मी0	-	-
	योग:-	x	34029
	व्यवस्थापन व्यय	x	5471
	कुल योग	x	39500

आठवीं पंचवर्षीय योजना के पूरे योजनाकाल में 2,70,459 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है ।

-: :-

22 पर्यटन विभाग

जनपद कानपुर देहात विकास खण्ड घाटमपुर में कुष्ठ मण्डा देवी का मन्दिर, विकास खण्ड भीतरगाँ में बौद्ध स्तूप तथा मकनपुर दरगाह इसके अतिरिक्त खेतेश्वर मन्दिर, दुर्वासा ऋषि आश्रम, आंकिन जगन्नाथ मन्दिर एवं अकबरपुर में शिवमन्दिर तथा डंडीधारी आदि पर्यटक स्थान हैं, जिनके विकास हेतु पर्यटन विभाग द्वारा वर्षानुवर्ष कार्यवाही की जा रही है ।

सातवीं पंचवर्षीय योजना में 348.0 हजार रूपये व्यय किये जा चुके हैं ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 शासन द्वारा कुल 27.0 हजार रूपये परिव्यय का अनुमोदन किया गया; वर्ष 1991-92 हेतु 90.00 हजार रूपये परिव्ययका प्रस्ताव रक्खा गया है। पूरे योजनाकाल में कुल 427.0 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है।

23. अर्थ एवं संख्या

इस विभाग द्वाराजनपद में चल रही 21 केन्द्रीय कार्यक्रम , जिला योजना , संस्थागत वित्त तथा समय-समय पर आयोजित किये जाने वाले सर्वेक्षण कार्य इसके अतिरिक्त अन्य विभागीय कार्य किये जातेहैं ।

सातवीं पंचवर्षीय योजना में कुल 181.00 हजार रूपये व्यय किया गया ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में शासन द्वारा 24.00 हजार रूपये परिव्यय का अनुमोदन किया गया ।वर्ष 1991-92 हेतु 30.00 हजार रूपये परिव्यय का प्रस्ताव रक्खा गया है । पूरे योजनाकाल 1990-95 में 213.00 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है।

24. बेसिक शिक्षा

जनपद में कुल 1310 जूनियर बेसिक स्कूल एवं 352 सीनियर बेसिक स्कूल कार्यरत हैं ।

सातवीं पंचवर्षीय योजना में कुल 38114.00 हजार रूपये व्यय किये गये ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में 16455.00 हजार रूपये परिव्यय का अनुमोदन शासन द्वारा प्राप्त हो गया है। वर्ष 1991-92 हेतु 16518.00 हजार रूपये परिव्यय का प्रस्ताव रक्खा गया है । पूरे योजनाकाल 1990-95 में 65282.00 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है।

क्रमशः-----

25. माध्यमिक शिक्षा

जनपद कानपुर देहात में कुल 96 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कार्यरत हैं ।

सातवीं पंचवर्षीय योजना में कुल 2619.00 हजार रूपये व्यय किये गये ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में शासन द्वारा 1637.00 हजार रूपये का परिव्यय शासन द्वारा अनुमोदित हुआ । वर्ष 1991-92 हेतु 6392.00 हजार रूपये परिव्यय का प्रस्ताव रक्खा गया है। पूरे योजनाकाल 1990-95 में कुल 36519.00 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है।

26. खेलकूद विभाग

जनपद कानपुर देहात में स्टेडियम निर्माण न होने के कारण, क्रीड़ा क्षेत्र में कोई प्रगति नहीं है।

सातवीं पंचवर्षीय योजना में कुल 22.00 हजार रूपये व्यय किये गये

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 हेतु 10.00 हजार रूपये के परिव्यय का अनुमोदन शासन द्वारा किया गया। वर्ष 1991-92 हेतु 11.00 हजार रूपये का परिव्यय का प्रस्ताव रक्खा गया है। पूरे योजनाकाल 1990-95 में कुल 93.00 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है।

27. युवाकल्याण एवं प्रादेशिक दल विभाग

युवाकल्याण विभाग द्वारा समाज सेवा एवं सुरक्षा कार्यक्रम साहसिक कार्यक्रमों, ग्रामीण खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि का आयोजन किया जाता है। जिसमें स्वयं सेवकों को प्रशिक्षित किया जाता है, उनके द्वारा उक्त कार्यक्रम करवाये जाते हैं साथ ही स्वयं सेवकों द्वारा विकास कार्यों में सहयोग दिया जाता है तथा उनके प्रचार एवं प्रसार का कार्य भी किया जाता है।

सातवीं पंचवर्षीय योजना में कुल 2965.00 हजार रूपये व्यय किये गये ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में शासन द्वारा 855.00 हजार रूपये के परिव्यय का अनुमोदन किया गया था । वर्ष 1991-92 हेतु 1050.00 हजार रूपये परिव्ययका प्रस्ताव रखा गया है। पूरे योजनाकाल 1990-95 में 6388.00 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है।

क्रमशः:----

28. चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य

जनपद कानपुर देहात में 21 चिकित्सालय एवं औषधालय हैं, 6 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 363 उपकेन्द्र तथा तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हैं।

सातवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ में 15 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा 28 उप केन्द्रों के भवनों का निर्माण किया जा चुका था इसके अतिरिक्त 3 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के भवनों का निर्माण किया जा चुका था। नसबन्दी कार्यक्रम के अन्तर्गत 16138 व्यक्तियों को लाभान्वित किया गया तथा 9209 लूप निवेशन का कार्य किया गया। पूरे योजनाकाल 1985-90 में कुल 30,985.00 हजार रूपये व्यय किये गये।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में 10377.00 हजार रूपये का अनुमोदन शासन द्वारा किया गया है। वर्ष 1991-92 में 12807.00 हजार रूपये के परिव्यय का प्रस्ताव किया गया है। पूरे योजनाकाल 1990-95 में कुल 102949.00 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है।

29. आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा

जनपद कानपुर देहात में कुल 35 आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं 3 यूनानी चिकित्सालय हैं।

सातवीं पंचवर्षीय योजना में 693.00 हजार रूपये का व्यय किया गया।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में 1166.00 हजार रूपये के परिव्यय का अनुमोदन शासन द्वारा किया गया। वर्ष 1991-92 में 1990.00 हजार रूपये के परिव्यय का प्रस्ताव रक्खा गया है। पूरे आठवीं पंचवर्षीय योजनाकाल में कुल 12,876.00 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है।

30 जल निगम

वर्ष 1972 के सर्वेक्षण के अनुसार 50 समस्या ग्रस्त ग्राम घोषित किये गये थे जिनमें पेयजल व्यवस्था की जा चुकी है। वर्ष 1985 में किये गये सर्वेक्षण के अनुसार समस्या ग्रस्त घोषित 352 में से 320 ग्रामों को वर्ष 1989 तक पेयजल व्यवस्था उपलब्ध कराई जा चुकी है। वर्ष 1989 के सर्वेक्षण के अनुसार 1146 और समस्या ग्रस्त ग्राम घोषित किये गये जिनमें से 339 ग्राम वर्ष 1989-90 तक लाभान्वित किये जा चुके हैं।

क्रमशः-----

सातवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ में 10 ग्राम हैण्डपम्प द्वारा एवं 92 ग्राम पाइप द्वारा लाभान्वित किये जा चुके थे । सातवीं पंचवर्षीय योजना में 25515.0 हजार रूपये व्यय करके 178 ग्राम हैण्ड पम्प द्वारा तथा 49 ग्राम पाइप लाइन द्वारा लाभान्वित किये गये ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में 8090.0 हजार रूपये परिव्यय का अनुमोदन शासन द्वारा किया गया । वर्ष 1991-92 हेतु 9267.0 हजार रूपये परिव्यय का प्रस्ताव किया गया है। पूरे योजनाकाल 1990-95 में कुल 73243.00 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है।

31. ग्रामीण हरिजन पेयजल

ग्राम्य विकास हरिजन पेयजल योजना के अन्तर्गत सातवीं योजना के प्रारम्भ में 299 ग्रामों में सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है। सातवीं पंचवर्षीय योजना में कुल 8200.0 हजार रूपये व्यय करके 813 ग्रामों को लाभान्वित किया गया।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में 5000.0 हजार रूपये परिव्यय का अनुमोदन शासन द्वारा प्राप्त किया जा चुका है । वर्ष 1991-92 हेतु कुल 4538.0 हजार रूपये का प्रस्ताव रखा गया है। पूरे योजनाकाल 1990-95 में 110188.0 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है।

32. पूल्ड आवास

पूल्ड हाउसिंग कानपुर देहात के लिए गोविन्दनगर में नहर की जमीन उपलब्ध कराई गयी थी उस पर पुराई का कार्य पूर्ण करा दिया गया है। काइल फाउन्डेशन की डिजाइन हेतु भूमि परीक्षण के लिए आई0आई0टी0 कानपुर को 100.0 हजार रूपये परीक्षण शुल्क दे दिया गया है।

सातवीं पंचवर्षीय योजना में 5733.0 हजार रूपये व्यय किये गये।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में शासन द्वारा 5000.0 हजार रूपये परिव्यय का अनुमोदन किया जा चुका है। वर्ष 1991-92 में लोकनिर्माण विभाग के पास पिछला धन उपलब्ध होने के कारण किसी भी परिव्यय का प्रस्ताव नहीं किया गया । पूरे योजनाकाल 1990-95 में कुल 25,000.0 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है।

क्रमशः------

33 आवास राजस्व विभाग

नवनिर्मित तहसील अकबरपुर की चाहरदीवारी ,तहसील भवन के विद्युतीकरण ,तहसील रसूलाबाद के तहसील भवन एवं आवासीय भवनों हेतु वर्ष 1990-91 में 7241.0 हजार रूपये परिव्यय का प्रतिाव का अनुमोदन शासन द्वारा किया गया है । वर्ष 1991-92 में मुख्यालय पर 5 कमरे ,परगनाधिकारी घाटमपुर,भोगनीपुर एव बिल्हौर के आवासों के निर्माण हेतु 5000.0 हजार रूपये परिव्यय का प्रस्ताव रक्खा गया है। पूरे आठवीं पंचवर्षीय योजना में कुल 3,18.71.0 हजार व्यय होने का अनुमान है।

34- ग्रामीण आवास §ग्राम्य विकास विभाग§

सातवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ में 1050 आवासों का निर्माण कराया जा चुका है पूरे योजनाकाल 1985-90 में 4290.0 हजार रूपये व्यय करके 7825 आवासों का निर्माण किया गया।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में 4653 आवासों हेतु 4653.0 हजार रूपये के परिव्यय का अनुमोदन शासन द्वारा किया गया वर्ष 1991-92 हेतु 5118 आवासों के लिए 5118.0हजार रूपये परिव्यय का प्रस्ताव रखा गया है। पूरे योजनाकाल 1990-95 में 34330.0 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है।

35- सूचना एवं प्रसार

आठवीं पंचवर्षीय योजना के वर्ष 1991-92 हेतु 156.4 हजार रूपये का प्रस्ताव किया गया है। पूरे योजनाकाल 1990-95 में 638.0 हजार रूपये व्यय करने का अनुमान है।

36-अनुसूचित जाति जनजाति एवं पिछड़ी जाति कल्याण

1- अनुसूचित जाति कल्याण।

सातवीं पंचवर्षीय योजना में कुल 16609.0 हजार रूपये व्यय किये गये ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 हेतु 788.0 हजार रूपये के परिव्यय का अनुमोदन शासन द्वारा किया गया है। वर्ष 1991-92 हेतु 3512.0 हजार रूपये के परिव्यय का प्रस्ताव है।पूरे योजनाकाल 1990-95 में कुल 19077.0 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है।

क्रमशः:-------

2- विमुक्त जाति का कल्याण

सातवीं पंचवर्षीय योजना में कुल 176.0 हजार रूपया व्यय किया गया है।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में कोई धन अनुमोदित नहीं किया गया है। वर्ष 1991-92 में 750.0 हजार रूपये के परिव्यय का प्रस्ताव है । पूरे योजनाकाल 1990-95 में 300.0 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है।

3- पिछड़ी जाति कल्याण

सातवीं पंचवर्षीय योजना में कुल 1661.0 हजार रूपये व्यय किये गये ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में 150.0 हजार रूपये परिव्यय का अनुमोदन शासन द्वारा प्राप्त हो चुका है। वर्ष 1991-92 हेतु 1870.0 हजार रूपये के परिव्यय का प्रस्ताव किया गया है। पूरे योजनाकाल 1990-95 में 7963.0 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है।

37- शिल्पकार प्रशिक्षण

जनपद कानपुर देहात के पिछड़े क्षेत्र के तकनीकी आवश्यकताओं को देखते हुए वर्ष 1983 में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान घाटमपुर की स्थापना की गयी ।

सातवीं पंचवर्षीय योजना में 3200.0 हजार रूपये व्यय किया गया।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में शासन द्वारा 1480.0 हजार रूपये का अनुमोदन शासन द्वारा प्राप्त किया जा चुका है। वर्ष 1991-92 हेतु 800.0 हजार रूपये परिव्यय का प्रस्ताव किया गया है। पूरे योजनाकाल 1990-95 में कुल 2421.0 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है।

38- सेवायोजन

1- जनपद के बेरोजगार अभ्यर्थियों को अधिक प्रभावी ढंग से सेवायोजन सहायता उपलब्ध कराना ।

2- जनपद के नियोजकों की मानव शक्ति की आवश्यकता की पूर्ति में सहायता प्रदान करना।

3- व्यवसाय मार्ग निर्देशन कार्यक्रम द्वारा अभ्यर्थियों को व्यवसायोन्मुखी दक्षता तथा कमी वाले व्यवसायों में तथा विशेष पाठ्यक्रमों को अपनाने के लिए आवश्यक तैयारी हेतु निर्देशित करना ।

क्रमशः-----

4- निर्बल वर्ग के अभ्यार्थियों के लिए विशेष वैयक्तिक सेवायें उपलब्ध कराना ।

5- स्वत: नियोजन के क्षेत्र मेंआवश्यक जानकारी उपलब्ध कराकर अभ्यार्थियों को स्वत: नियोजन हेतु अभिप्रेरित करना।

6- रोजगार दातार सूचना कार्यक्रम के अन्तर्गत रोजगार के उतार चढ़ाव तथा कमी वाले व्यवसायों का गहन अध्ययन करना तथा सेवायोजन कार्यालय (अनिवार्य रिक्ति अधिसूचना अधिनियम 1959 के प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना ।

वर्ष 1991-92 में सेवा योजन कार्यालय की स्थापना हेतु 581.0 हजार रूपये परिव्यय का प्रस्ताव रखा गया है। जिसका विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र0	मद	प्रस्तावित परिव्यय (हजार रूपये में)
1	2	3
1-	स्थापना व्यय	427.0
2-	अनावर्तक व्यय	
	क- किराया उपशुल्क आदि	60.0
	ख- साज सज्जा	94.0
	योग:-	581.0

आठवीं पंचवर्षीय योजनाकाल में 2421.0 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है।

39- समाज कल्याण

सातवीं पंचवर्षीय योजना में 6046.0 हजार रूपये व्यय किये गये ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष 1990-91 में 2782.0 हजार रूपये परिव्यय का अनुमोदन शासन द्वारा प्राप्त किया गया। वर्ष 1991-92 में 2134.0 हजार रूपये के परिव्यय का प्रस्ताव रखा गया है। पूरे योजनाकाल 1990-95 में 17982.0 हजार रूपये व्यय होने का अनुमान है।

क्रमश:----

अध्याय- 7

न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम जिसे पांचवीं पंचवर्षीय योजना में प्रारम्भ किया गया था जिसे विस्तृत रूप से बताया जा रहा है । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एक निर्धारित समय के अन्दर राष्ट्रीय रूप से स्वीकृत मापदण्डों के आधार पर सभी क्षेत्रों में सामाजिक बुनियादी सेवाओं का पैकेज स्थापित करना है । इसके अन्तर्गत प्रारम्भिक शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा ग्रामीण स्वास्थ्य ,ग्रामीण जल सम्पूर्ति ,ग्रामीण विद्युतीकरण, ग्रामीण सड़के ,भूमिहीन श्रमिकों के लिए ग्रामीण आवास एवं पुष्टाहार कार्यक्रम सम्मिलित है ।

जिला योजना वर्ष 91-92 के लिए निर्धारित किये गये कुल परिव्यय 202339.0 हजार रूपये में से इन कार्यक्रमों पर 87248 हजार रूपये प्रस्तावित किया गया है जोकि कुल परिव्यय का 43. । प्रतिशत है गत वर्ष इन कार्यक्रमों हेतु 80984 हजार रूपये का परिव्यय निर्धारित किया गयाथा ।जिसकी तुलना में वर्ष 1991-92 हेतु प्रस्तावित परिव्यय में 7.7 प्रतिशत की वृद्धि है । इन कार्यक्रमों के अन्तर्गत विभागवार निर्धारित किये गये परिव्यय का विवरण निम्न तालिका से स्पष्ट है ।

तालिका

न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रमों के अन्तर्गत विभागवार परिव्यय वर्ष - 1990-91 एवं 1991-92

क्र0	विभाग का नाम	परिव्यय (हजार रूपये में)	
		1990-91	1991-92
1	2	3	4
1-	प्रारम्भिक शिक्षा	16455	16518
2-	चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य	9666	12307
3-	ग्रामीण जल सम्पूर्ति (जल निगम)	8590	9267
4-	ग्रामीण पेय जल योजना (ग्रा0वि0)	5000	4538
5-	ग्रामीण सड़कें	35745	39500
6-	आवास (राजस्व)	42	-
7-	आवास (ग्राम्य विकास)	4653	5118
8-	पुष्टाहार	833	-
	योग:-	80984	87248

वृद्धि 7.7 प्रतिशत

विभागवार योजनाओं का विस्तृत विवरण अध्याय 6 में दिया गया है।

अध्याय-8

स्पेशल कम्पोनेन्ट योजना

अनुसूचित जाति/जनजाति के व्यक्तियों को आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षिक स्तर को उठाने के उद्देश्य से शासन द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनायें /कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं । प्रत्येक विभाग को आवंटित परिव्यय में से न्यूनतम धनराशि स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान के अन्तर्गत निर्धारित की जाती है । जिसे अनुसूचित जाति/जनजाति के व्यक्तियों के विकास पर व्यय किये जाने का उत्तरदायित्व सम्बन्धित विभाग को है। शासन द्वारा विभिन्न विभागों के परिव्यय में से कितने प्रतिशत धनराशि इस कार्यक्रम पर व्यय की जायेगी वर्ष 1991-92 के परिव्यय में इसका विवरण निम्न तालिका में स्पष्ट किया गया है।

क्रमांक	विभाग/सेक्टर	वर्ष 1991-92 हेतु प्रस्तावित कुल परिव्यय	स्पेशल कम्पोनेन्ट का अंश
1	2	3	4
1-	कृषि	522	53
2-	उद्यान एवं फलोपयोग	740	62
3-	गन्ना	186	15
4-	लघु एवं सीमान्त कृषकों को .... सहायता	16335	6207
5-	पशु पालन	2901	734
6-	दुग्ध शाला विकास	3092	158
7-	मत्स्य	216	27
8-	वन	5063	446
9-	सहकारिता	231	9
10-	एकीकृत ग्राम्य विकास	18737	7120
11-	जवाहर रोजगार योजना	18010	3242
12-	पंचायत	6612	423
13-	सामुदायिक विकास (ग्रा0वि0)	2200	141
14-	निजी लघु सिंचाई	1900	129
15-	राजकीय लघु सिंचाई	12265	1226

	2	3	4
16-	विद्युत	1440	32
17-	ग्रामीण एवं लघु उद्योग	1250	85
18-	सड़क एवं पुल	39500	8927
19-	पर्यटन	90	–
20-	अर्थ एवं संख्या	30	–
21-	सामान्य शिक्षा	22910	3652
22-	खेलकूद	1000	[illegible]
23-	प्रादेशिक विकास दल	1050	109
24-	चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य	14797	1050
25-	जलनिगम	9267	2113
26-	हरिजन पेयजल (ग्रा0वि0)	4538	1035
27-	आयोजनेत्तर भवन राजस्व	5000	1085
28-	ग्रामीण आवास	5118	1111
29-	सूचना	156	–
30-	अनुसूचित जाति/जनजाति एवं पिछड़ी जाति कल्याण	4657	3125
31-	शिल्पकार प्रशिक्षण	800	234
32-	सेवायोजन	581	170
33-	समाज कल्याण	2134	408

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि जिला योजना वर्ष 1991-92 के लिए शासन द्वारा जनपद हेतु निर्धारित परिव्यय 202339.00 हजार रूपये के अन्तर्गत अनुसूचित जाति/जनजाति के आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षिक विकास हेतु 43129.0 हजार रूपये का परिव्यय प्रस्तावित किया गया है जो कि कुल परिव्यय का 21.3 प्रतिशत है।

अध्याय 9

समस्या एवं सुझाव

समस्या नं0-1

ग्रामीण आवास:- गत वर्षों में आवास निर्माण के दौरान लाभार्थियो द्वारा अपेक्षित सहयोग न किये जाने, विकास विभागीय कर्मचारियों द्वारा निर्माण स्थालों पर एकत्र सामान की सुरक्षा का कोई समुचित प्रबन्ध न होने, राज- मिस्त्री एवं मजदूरो की मजदूरी की स्थानीय दरों में प्रतिवर्ष लगभग 25 प्र0 श0 वृद्धि हो जाने, ... निर्माण कार्य में उपयोग की जाने वाली बास- बल्ली, बाल्टी, तसला, फावड़ा आदि के किराये का आवास निर्माण की लागत में कोई प्राविधान न होने से, निर्माण कार्य काफी कुछ प्रभावित हो... विभागीय कर्मचारी, निर्माण कार्य की जिम्मेदारी लेने में हिचकिचाते है। इस योजना के अन्तर्गत निर्माण समूहो को स्थानान्तरित किया जाने वाला धन दो स्तरों से गुजरता है। पहले जिला स्तर से धनराशि विकास खण्ड को स्थानान्तरित होती है फिर विकास खण्ड से निर्माण समूह की ओर इस प्रक्रिया में बैंक कलेक्शन चार्ज के रूप में कुछ धनराशि काट लेती है जिसका प्रत्यक्ष प्रभाव आवास निर्माण की लागत पर ही आता है। जिला पोषित संस्थाओ द्वारा अपने अंश की धनराशि समय से उपलब्ध न होने से भी आवास निर्माण का कार्य प्रभावित होता रहता है।

सुझाव:- गत वर्षों की अपेक्षा आवास निर्माण की लागत वास्तव से बन्ध जाने के कारण अब जिला योजना मद में 1,000/- प्रति आवास के स्थान पर रु0 1500/- प्रति आवास तथा जवाहर रोजगार योजना मद में 3,000/- प्रति आवास के बजाय रू0 4,000/- प्रति आवास की दर से सहायता उपलब्ध कराई जाय तो निर्माण में लागत की वृद्धि का समाधान हो जायेगा।

नियोजन प्रक्रिया:-

{1} समस्या नम्बर-1 जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति तथा खण्ड-स्तरीय नियोजन समिति से जिला योजना अनुमोदित हो जाने के उपरान्त शासन द्वारा जिले में अनुमोदित परिव्ययों को कम या अधिक कर दिया जाता है जिसका कारण जिले को न मालूम होने पर त्रुटियों की पुनरावृत्ति होती है।

सुझाव :-

जिला एवं मण्डल द्वारा अनुमोदित योजनाओं के परिव्यय में राज्य स्तर पर सामान्यतः परिवर्तन नहीं किया जाना चाहिये । यदि परिवर्तन किया जाना आवश्यक हो तो उसका आधार की जानकारी जिलाधिकारी को [illegible] दी जाय ताकि अगली योजनाओं में उसकी पुनरावृत्ति न हो ।

(2) समस्या नम्बर -2

विकेन्द्रीयकरण जिला योजना की संरचना 8 वर्षों से की जा रही है परन्तु अनुभव यह किया जाता है कि प्रशासनिक विभागों से वित्तीय स्वीकृतियाँ अब भी अत्याधिक विलम्ब से जारी की जाती है जिससे फलस्वरूप योजना का कार्य प्रारम्भ होने में विलम्ब होता है ।

सुझाव :-

जिलाधिकारी या मण्डलायुक्त के माध्यम से स्वीकृतियाँ जारी किये जाने की पद्धति का विधान बनाया जाना उपयुक्त होगा अथवा शासन स्तर से समस्त स्वीकृतियाँ वित्तीय वर्ष के प्रथम दो माहों में [illegible] जारी कर दी जाय ।

(3) समस्या नम्बर -3

पुर्नविनियोग के प्रस्ताव अबतक जनवरी माह में स्वीकृत हेतु जिला स्तर से प्रेषित किये जाते है जिसके फलस्वरूप प्रस्तावों की स्वीकृतियाँ वित्तीय वर्ष के अन्तिम माह में ही प्राप्त हो पाती है । इस प्रकार इतना विलम्ब हो जाने के कारण योजना का कार्यान्वयन वित्तीय वर्ष की अवधि में [illegible] सम्भव नही हो पाता है ।

सुझाव :-

वित्तीय वर्ष के द्वितीय त्रैमास पूर्ण होने के उपरान्त योजनाओं का अनुश्रवण करके पुर्नविनियोग के प्रस्ताव बनाये जाने चाहिये । इस प्रस्तावों की स्वीकृति का अधिकार मण्डलीय आयुक्त को दिया जावे । जिससे योजनाओं को [illegible] प्रभावी कार्यान्वयन में सहयोग मिलेगा ।

(4) समस्या नम्बर -1

पुर्नविनियोग के प्रस्तावों में जिलास्तरीय अधिकारियों द्वारा योजना विशेष में धनराशि समर्पित करने को प्रस्ताव दे दिये जाते है । परन्तु [illegible] स्तर से इसके बाद भी योजना विशेष की स्वीकृतियाँ जारी कर दी जाती है और इस धनराशि का उपभोग जिला स्तर पर कर लिया जाता है ।

सुझाव :-

सभी विभागाध्यक्षों को कड़े निर्देश दे दिये जाय कि वे पुर्नविनियोग के प्रस्तावों में सम्मिलित योजनाओं की स्वीकृतियाँ पुर्नविनियोग के प्रस्तुत प्रस्तावों के अनुरूप ही जारी की जाय ।

क्रमशः------6।

(5) समस्या नम्बर-5

विकेन्द्रित जिला योजना के समय यह भी अपेक्षा की गई थी कि जिले में होने वाले कार्यों का अनुश्रवण किया जाये ताकि उनके गुणात्मक स्तर का मूल्यांकन भी होता है। इसके लिये स्वीकृति आवश्यक है।

सुझाव:-

योजना संरचना तथा उसके अनुश्रवण हेतु प्रत्येक जनपद में स्वीकृत पद एक-एक सहायक अर्थ एवं संख्याधिकारी तथा टंकक लिपिक के अतिरिक्त एक सहायक अर्थ एवं संख्याधिकारी, एक टंकक लिपिक एवं एक चतुर्थ वर्ग कर्मचारी की नियुक्ति किये जाने की आवश्यकता है।

(6) समस्या नम्बर -6

जिला योजना निर्माण हेतु बहुत कम समय दिया जाता है

सुझाव:-

योजना के निर्माण में यथेष्ठ समय कम से कम दो माह का होना चाहिये। विभागीय योजनाओं के परीक्षण हेतु प्रश्नावली यदि राज्य स्तर से तैयार करके सभी जनपदों को उपलब्ध करा दी जाय तो समानता के साथ साथ योजनाओं का भी भलीभाँति परीक्षण करके परिव्यय निर्धारित करने में सहायता मिलेगी।

(7) समस्या-7

समस्या विभागाध्यक्षों द्वारा जिला योजना संरचना सम्बन्धी मार्ग निर्देशन समय से जारी नही की जाती है जिसके कारण जनपदीय विभागीय अधिकारियों द्वारा जिला योजना संरचना की रिपोर्ट अत्याधिक विलम्ब से प्राप्त होती है जबकि शासन को समय सारणीनुसार योजना प्रस्तुत करने में बाधा उत्पन्न करती है।

सुझाव :-

सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दे दिये जाय कि नियोजन विभाग से जनपदों को जिला योजना संरचना के सम्बन्धओं निर्देश जारी करने के तुरन्त बाद जिला योजना संरचना सम्बन्धी विभागीय मार्ग निर्देश जारी कर अनिवार्यरूप से जनपदीय स्तरीय अधिकारियों अर्थ एवं संख्याधिकारियों को उपलब्ध करा दें।

000000000000000000000000000

0000000000000000000

00000

अध्याय:::

परिशिष्ट - एक (4)

जी.एन.-1

सेक्टरवार

व्यय-परिव्यय

जनपद कानपुर देहात

सेक्टरवार व्यय/परिव्यय

जी0एस0 I

(हजार रुपये में)

क्रमसं0	सेक्टर /विभाग	सातवीं पंचवर्षीय योजना 1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95 प्रस्तावित परिव्यय	1990-91 अनुमोदित परिव्यय	1990-91 अनुमोदित व्यय	वर्ष 1991-92 प्रस्तावित परिव्यय			1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
						राजस्व	पूँजीगत	कुल			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1.	कृषि	5214	5714	915	915	450	-	450	1154	1445	1750
2.	कृषि शिक्षा	1227	448	39	39	72	-	72	92	112	133
	योग कृषि	6441	6162	954	954	522	-	522	1246	1557	1883
3.	उद्यान	3154	2799	326	326	395	-	395	530	690	858
4.	फलसंरक्षण	-	1988	-	-	217	128	345	438	549	656
	योग उद्यान एवं फल उपयोग	3154	4787	326	326	612	128	740	968	1239	1514
5.	सिंचाई	1435	1320	151	151	186	-	186	252	326	405
6.	लघु सीमान्त कृषकों को सहायता	34541	109777	15309	15309	-	16335	16335	20732	25697	31704
7.	कृषि विपणन	502	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8.	भूमि एवं जलसंरक्षण	22005	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9.	पशुपालन	6337	15428	1647	1647	1240	1161	2401	3104	3772	4504
10.	एस0एफ0डी0ए0 (पशुपालन)	1016	3000	400	400	500	-	500	600	700	800
	योग पशुपालन	7353	18428	2047	2047	1740	1161	2901	3704	4472	5304
11.	दुग्ध विकास	-	20786	-	-	1292	1800	3092	4895	5836	6963
12.	मत्स्य पालन	1616	1062	198	198	216	-	216	216	216	216
13.	वन	23249	38348	5700	5700	5063	-	5063	7500	9196	10889

सेक्टरवार व्यय/परिव्यय

जी0एन0- 2

(हजार रुपये में)

क्र0सं0	सेक्टरवार/विभाग	सातवीं पंचवर्षीय योजना 1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95 प्रस्तावित परिव्यय	1990-91 अनुमोदित परिव्यय	1990-91 अनुमानित परिव्यय	वर्ष 1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	पूँजीगत	कुल	1991-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
14	सहकारिता	2200	1485	308	308	231	-	231	278	317	351
15.	एकीकृत ग्राम्यविकास	72845	125705	17034	17034	18737	-	18737	23782	29786	36366
16.	जवाहररोजगारयोजना	83428	124207	19752	19752	-	18010	18010	22859	28630	34956
17.	भूमिसुधार	150	-	-	-	-	-	-	-	-	-
18.	पंचायतराज	5503	28027	1579	1579	12	6600	6612	6612	6612	6612
19.	सामुदायिकविकास	5300	23759	2000	2000	-	2200	2200	5899	7557	6103
20.	(ग्रा0वि0) निजी लघुसिंचाई	6948	10440	800	800	1700	200	1900	2240	2580	2920
21.	राजकीय लघुसिंचाई	61102	64108	13951	13951	-	12265	12265	12232	12830	12830
22	विद्युत	4798	6970	1000	1000	1440	-	1440	1180	1740	1610
23.	उद्योगकेन्द्र	9326	5564	641	641	815	-	815	1044	1314	1750
24.	हथकरघा(रेशम)	640	2227	162	162	435	-	435	436	539	655
	योग ग्रामीण एवं लघु उद्योग	9966	7791	803	803	1250	-	1250	1480	1853	2405
25.	सड़क एवंपुल	290808	270459	35915	35915	-	39500	39500	51923	64376	78745
26.	पर्यटन	360	427	27	27	90	-	90	90	120	100
27.	अर्थ एवंसंख्या	181	213	24	24	5	25	30	40	53	66
28	प्राथमिकशिक्षा	41513	65282	16455	16455	16518	-	16518	12698	6879	12732
29.	माध्यमिकशिक्षा	2619	36519	1637	1637	3192	3200	6392	8995	8904	10591

गीता/

सेक्टरवार व्यय/परिव्यय

जी०एस०-1

(हजार रुपये में)

क्रमांक	सेक्टर/विभाग	सातवीं पंचवर्षीय योजना 85-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95 प्रस्तावित परिव्यय	1990-91 अनुमोदित परिव्यय	1990-91 अनुमानित व्यय	वर्ष 1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	पूंजीगत	कुल	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
30.	प्रौढ़ शिक्षा	3994	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग: सामान्य शिक्षा	48126	101801	18092	18092	19710	3200	22910	21693	15783	23323
31	प्राविधिक शिक्षा	6748	-	-	-	-	-	-	-	-	-
32.	खेलकूद	22	93	10	10	11	-	11	15	22	35
33.	प्रादेशिक विकास दल	2965	6388	855	855	1020	30	1050	1485	1489	1509
34.	एलोपैथिक चिकित्सा	30985	102949	10377	10377	2450	10357	12807	20110	26013	33642
35.	आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा	693	12876	1166	1166	1490	500	1990	2590	3240	3890
	योग: चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य	31678	115825	11543	11543	3940	10857	14797	22700	29253	37532
36	जल निगम	25846	73243	8590	8590	-	9267	9267	10441	17764	27181
37.	ग्रामीण पेयजल (ग्रा०वि०)	8200	36439	5000	5000	-	4538	4538	6370	6789	11742
	योग पेयजल	34046	110187	13590	13590	-	14305	14305	16811	26553	38923
38.	पुलिस आवास	5733	25000	5000	5000	-	-	-	5000	5000	10000
39.	आयोजनेत्तर भवन (र०गो०)	-	31871	7241	7241	-	5000	5000	5769	6569	7292
40.	ग्रामीण आवास (राजस्व)	-	42	42	42	-	-	-	-	-	-
41	ग्रामीण आवास (ग्रा०वि०)	4298	34330	4653	4653	-	5118	5118	6495	8134	9930
	योग ग्रामीण आवास	4298	34472	4695	4695	-	5118	5118	6495	8134	9930

लर्क/

परिशिष्ट - (दो) -2

जी॰ एन॰ 2

जिला सेक्टर योजनाओं का व्यय-परिव्यय

योजनावार व्यय/परिव्यय

जी0एन0 - 2 कानपुर देहात

उप विकास मद: 101 कृषि एवं सम्वर्गीय सेवायें

मुख्य विकास मद 101.240 उपज पालन

(हजार रूपयेमें)

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-95 अनुमोदित परिव्यय कुल	पूजीगत	1990-91 अनुमोदित व्यय कुल	पूजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	पूजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	विभाग कृषि									
	चालू योजना									
1-	गुणात्मक बीजों के सम्बर्द्धन संग्रहण एवं वितरण	4722	5714	915	515	915	515	450	-	450
2-	केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित दलहनफसलों के उत्पादन	492	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग कृषि	5214	5714	915	515	915	515	450	-	450
	विभाग कृषि रक्षा									
	चालू योजना									
1-	गेहूं की फसल पर गेहुआ एवं जहां खरपतवारों की नियत्रण की केन्द्र पोषित योजना	75	-	-	-	-	-	-	-	-

श्रीवास्तव/

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकास मद: 101 कृषि एवंसम्वर्गीय — जी0एन0 2 — कानपुर देहात

मुख्य विकास मद/ 101.2401 उपजपालन — ॥हजाररूपये॥

क्र0सं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
	विभाग कृषि			
1-	गुणात्मक बीजों के सम्वर्धन ग्रहण एवं वितरण	1154	1445	1750
2-	कृन्द द्वारा पुरोनिधानित दलहन फसलों के उत्पादन	-	-	-
	योग कृषि	1154	1445	1750
	विभाग कृषि रक्षा			
1-	गेहूं की फसल पर गेहुआ एवं जंगली जई खरपतवारों की नियत्रण की केन्द्र पोषित योजना	-	-	-

योजनावार व्यय/परिव्यय
जी0एन0 - 2

उपविकास मद: 101 कृषि एवं सम्वर्गीय सेवायें
मुख्य विकास मद 101.1क0/उपज पालन (क्रमशः)

(हजार रुपये में)

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदित परिव्यय कुल	1990-91 अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1990-91 अनुमोदित व्यय कुल	1990-91 अनुमोदित व्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
2-	कृषि रक्षा सेवा का सुदृढ़ीकरण	1152	448	39	-	39	-	72	-	72
	योग कृषि रक्षा	1227	448	39	-	39	-	72	-	72
	योग कृषि एवं कृषि रक्षा	6441	6162	954	515	954	515	522	-	522
	विभाग उद्यान									
	चालू योजना									
1-	प्रदेश में आलू की खेती की योजना :- आलू बीजसंग्रहकरने हेतु शीतगृहका निर्माण	116	-	-	-	-	-	-	-	-
2-	औद्योनिकफसलों कागुणात्मकउत्पादन बीजसम्वर्द्धन एवं आधुनिकीकरण	2024	61	61	-	61	-	-	-	-
3-	प्रमुख एवं पिछड़े हुये क्षेत्रों में सघन औद्योनिक विकास	351	-	-	-	-	-	-	-	-
4-	हरिजन एवं जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में औद्योनिक विकास	663	280	-	-	-	-	50	-	50

श्रीवास्तव/

उप विकास मद 101 कृषि एवं सम्बर्गीय   योजनावार व्यय/परिव्यय
मुख्य विकास मद 101.2401 उपज पालन   जी0 एन0 2

क्र0सं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993=94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
2-	कृषि रक्षा सेवाका सुदृढ़ीकरण	92	112	133
	योग कृषि रक्षा	92	112	133
		1246	1559	1883
	विभाग उद्यान			
1-	प्रदेश में आलू की खेती की योजना आलू बीज संग्रह करने हेतु शीतगृह का निर्माण	-	-	-
2-	औद्यानिक फलों का गुणात्मक उत्पादन बीज सम्वर्द्धन एवं आधुनिकीकरण	-	-	-
3-	प्रमुख एवं पिछड़े हुये क्षेत्रों में सघन औद्यानिक विकास	-	-	-
4-	हरिजन एवं जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में औद्यानिक विकास	60	80	90

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकास मद 101 कृषि एवं सम्बर्गीय सेवायें जी0एन 2 कानपुर देहात

मुख्य विकासमद 101, 2401 उपज पालन क्रमशः [हजार रूपयेमें]

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवी पंचवर्षीय योजना 1990-95	अनुमोदितपरिव्यय 1990-91 कुल	पूजीगत	अनुमोनित कुल	पूजीगत	1991-92 प्रस्तावितपरिव्यय राजस्व	पूजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
5-	पान विकास	-	155	-	-	-	-	15	-	15
6-	पौध एवं बुल्बउत्पादन संवर्धन एवं प्रसार	-	265	265	-	265	-	-	-	-
	योग चालू योजना	3154	761	326	-	326	-	65	-	65
	नई योजना									
1-	फल विकास की योजना	-	1840	-	-	-	-	300	-	300
2-	प्रशिक्षण प्रदर्शन एवं प्रचारप्रसार	-	198	-	-	-	-	30	-	30
	योग नई योजना	-	2038	-	-	-	-	330	-	330
	योग उद्योग	3154	2799	326	-	326	-	395	-	395

योजनावार व्यय/परिव्यय
जी० एन० 2

उप विकास मद: 101 कृषि एवं सम्बद्ध सेवायें
मुख्य विकास मद: 101.2402 उपज पालन

[हजार रूपये]

क्र०	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
5-	पान विकास	30	50	60
6-	पौध एवं बल्ब उत्पादन सम्वर्द्धन एवं प्रसार	-	-	-
	योग चालू योजना	90	130	150
	नई योजना			
1-	फल विकास की योजना	400	500	640
2-	प्रशिक्षण प्रदर्शन एवं प्रचार प्रसार	40	60	68
	योग नई योजना	440	560	708
	योग उद्यान	530	690	858

योजनावार व्यय/परिव्यय
जी0 एन0 2

कानपुर देहात

उप विकास मद: 101 कृषि एवं सम्बन्धित सेवायें

मुख्य विकास मद: 101.2401 उपज पालन

(हजार रुपयें)

क्रमां	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदित परिव्यय कुल	1990-91 अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1990-91 अनुमानित व्यय कुल	1990-91 अनुमानित व्यय पूंजीगत	1990-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	1990-92 प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	1990-92 प्रस्तावित परिव्यय कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	विभाग फल संरक्षण									
	नई योजना									
1-	सामुदायिक फल संरक्षण केन्द्रों के विस्तार एवं सुदृढीकरण	-	1988	-	-	-	-	217	128	345
	योग फल संरक्षण	-	1988	-	-	-	-	217	218	345
	योग चालू योजना	3154	761	326	-	326	-	65	-	65
	योग नई योजना	-	4026	-	-	-	-	547	218	675
	योग उद्यान एवं फलोपयोग	3154	4787	326	-	326	-	612	218	740

उप विकास मद 101 कृषि एवं सम्बर्गीय सेवायें
मुख्य विकास मद 101 2401 उपज पालन

योजनावार व्यय/परिव्यय
सी0 एन0 2

(हजार रूपयें)

क्र0सं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
	विभाग फल संरक्षण			
	नई योजना			
1-	सामुदायिक फल संरक्षण केन्द्रो के विस्तार एवं सुदृढीकरण	438	549	656
	योग फल संरक्षण	438	549	656
	योग चालू योजना	90	130	150
	योग नई योजना	878	1109	1364
	योग उद्यान एवं फलोपयोग	968	1239	1514

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकास मद 101 कृषि एवं सम्बर्गीय सेवायें जी0 एन0 2

मुख्य विकास मद 101.2401 उपज पालन

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदित परिव्यय		1990-91 अनुमानित व्यय		1991-92 प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूजीगत	कुल	पूजीगत	राजस्व	पूजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	विभाग गन्ना									
	चालू योजना									
1-	गन्ना उत्पादकों को सस्ते दर पर फास्फेटयुक्त उपलब्ध कराना	18	165	10	-	10	-	15	-	15
2-	नइ चीनी मिलों में गन्ना विकास	1014	-	-	-	-	-	-	-	-
3-	गन्ना बीज यातायात पर अनुदान देने की योजना	58	150	15	-	15	-	21	-	21
4-	उत्तरप्रदेश में आधार गन्ना बीज के उत्पादन की योजना	130	390	50	-	50	-	60	-6	60
5-	चीनी मिलों के 16 कि0मी0 परिधि में सघन गन्ना विकास की योजना	67	216	23	-	23	30	30	50	30
6-	उ0प्र0 में गन्ना विकास	165	399	53	-	53	-	60	-	60
	योग गन्ना विकास	1435	1320	151	-	151	-	186	-	186

उप विकास मद: 101 कृषि एवं सम्बगीर्य
मुख्य विकास मद 101.2401 उपज पालन

योजनावार व्यय/परिव्यय
जी0 एन0 2

क्र0सं0	योजना	1992-93	1993-94	1994-95
	विभाग गन्ना विकास	12	13	14
1-	गन्ना उत्पादकों को सस्ते पर फसल रसायन उपलब्ध कराना	30	50	60
2-	नई चीनी मिलों में गन्ना विकास	-	-	-
3-	गन्ना बीजयातायात पर अनुदानदेनेकीयोजना	28	38	48
4-	उत्तर प्रदेश में आधार गन्ना बीज के उत्पादन की योजना	80	90	110
5-	चीनी मिलों के 16 कि0मी0 परिधि में सघन गन्ना विकास की योजना	42	56	65
6-	उ0प्र0 में गन्ना विकास	72	92	122
	योग गन्ना विकास	252	326	405

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकास मद: 101 कृषि एवं सम्वर्गीय सेवायें जी०एस०एन० 2 कानपुर देहात

मुख्य विकास मद 101.2401 उपज पालन ॥क्रमशः॥ ॥हजार रूपये में॥

क्र०सं०	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदित परिव्यय कुल	1990-91 अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1990-91 अनुमोदित व्यय कुल	1990-91 अनुमोदित व्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	विभाग लघु एवं सीमान्त कृषकों को सहायता									
	चालू योजना									
1-	लघु एवं सीमान्त कृषकों को उत्पादकता बढ़ाने हेतु सहायता	34541	109777	15309	15309	15309	15309	-	16335	16335
	योग चालू योजना	34541	109777	15309	15309	15309	15309	-	16335	16335
	विभाग कृषि विपणन									
	चालू योजना									
1-	केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना के अन्तर्गत कृषि उपज के भण्डारण हेतु ग्रामीण स्तर पर ग्रामीण गोदामों के निर्माण हेतु मण्डी परिषद का अनुदान	502	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग कृषि विपणन	502	-	-	-	-	-	-	-	-

योजनावार व्यय/परिव्यय

सी0एन0 2

कानपुर देहात

§हजार रूपये में§

उप विकास मद: 101 कृषिक एवं सम्वर्गीय

मुख्य विकास मद: 101.2401 उपज पालन

क्र0सं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
	विभाग लघु एवं सीमान्त कृषकों को सहायता			
1-	लघु एवं सीमान्त कृषकों को उत्पादकता बढ़ाने हेतु सहायता	20732	25697	31704
	योग चालू योजना	20732	25697	31704
	विभाग कृषि विपणन			
1-	केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना के अन्तर्गत कृषि उपज के भण्डारण हेतु राष्ट्रीय स्तर पर ग्रामीण गोदामों के निर्माण हेतु मण्डी परिषद को ऋण अनुदान	--	--	--
	योग कृषि विपणन			

श्रीवास्तव/

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकास मद: 101 कृषि एवं सम्पर्गीयसेवायें जी०एन० 2 कानपुर देहात

मुख्य विकास मद 101.2401उपजपालन

॥हजाररूपयेमें॥

क्र०सं०	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवां पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदितपरिव्यय		1990-91 अनुमानितव्यय		1991-92 प्रस्तावितपरिव्यय		
				कुल	पूजीगत	कुल	पूजीगत	राजस्व	पूजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	विभाग भूमि एवं जल संरक्षण									
1-	प्रदेश के मैदानी भागों में भूमि एवं जल संरक्षण की योजना	11005	-	-	-	-	-	-	-	
2-	उ0प्र0 क्षारीय एवं अल्पकालीन भूमि सुधार की योजना	558	-	-	-					
3-	उ0प्र0 में ऊसर भूमि के पुर्नवासन की योजना	10442	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग	22005	-	-	-	-	-	-	-	-

योजनावार व्यय/परिव्यय

उपविकास मद: 101 कृषि एवं सम्बर्गीय — जी0 एन0 2 — कानपुर देहात

मुख्य विकासमद: 101.2401 उपज पालन — ॥हजाररूपये॥

क्र0सं0	योजना	1992-93	1993-94	1994-95
	विभाग भूमि एवं जल संरक्षण			
1-	प्रदेश के मैदानी भागों में भूमि एवं जल संरक्षण की योजना	-	-	-
2-	उ0प्र0 क्षारीय एवं अल्कालीन भूमि सुधार की योजना	-	-	-
3-	उ0प्र0 में साइड भूमि के पुर्नवासन की योजना	-	-	-
	योग	-	-	-

श्रीवास्तव/

योजनावार व्यय/परिव्यय

जी0एन0 2

उप विकास मद: 101 कृषि एवं तत्सम्बन्धी सेवायें

मुख्य विकास मद: 101.2403 पशुपालन

(हजार रूपयें में)

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदित परिव्यय		1990-91 अनुमानित व्यय		1991-92 प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूंजीगत	कुल	पूंजीगत	राजस्व	पूंजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	चालू योजना									
1-	पशुचिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा रोग निदान सेवाओं का सुधार एवं विस्तार	3834	13179	1448	933	1449	933	919	950	1869
2-	खुरपका मुहपका रोग पर नियंत्रण	28	228	18	-	18	-	40	-	40
3-	पशुधन प्रक्षेत्रों पर प्रजनन कार्य हेतु साडों के उत्पादन की योजना	64	-	-	-	-	-	-	-	-
4-	गाय एवं भैंसों में कृत्रिम गर्भाधान द्वारा पशुप्रजनन की सुविधाओं का सुधार एवं विस्तार तथा बैंकों के माध्यम से प्रजनन की सुविधायें उपलब्ध कराने की योजना	2085	1386	130	-	130	-	200	96	296
5-	विशेष पशुधन उत्पादन प्रजनन कार्यक्रम	1016	3000	400	-	400	-	500	-	500
6-										

श्रीवास्तव

योजनावार व्यय/परिव्यय

जी0 एन0 / 2

उप विकास मद: 101 कृषि एवं सम्बर्गीय

मुख्य विकास मद: 101.2403 पशुपालन

कानपुर देहात

॥हजाररूपयेमें॥

क्र0स0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित प्ररव्यय	1994-95 प्रस्तवकित प्ररव्यय
1	2	12	13	14
1-	पशुचिकित्साएवं स्वास्थ्य तथा रोग निदान सेवाओं का सुधार एवं विस्तार	2684	3271	3905
2-	खुरपका मुहपका रोग पर नियत्रण	50	60	60
3-	पशुधन प्रक्षेत्रों पर प्रजनन कार्य हेतु सांडों के उत्पादन की योजना	-	-	-
4-	गाय एवं भैसों में कृत्रिम गर्भाधान द्वारा पशु प्रजनन की सुविधाओं का सुधार एवं विस्तार तथा बैंक के माध्यम सेप्रजननकीसुविधायें उपलब्ध कराने की योजना	260	320	380
5-	विशेषपशुधन उत्पादनप्रजननकार्यक्रम	600	700	800
6-	अति हिमीकृत वीर्य द्वारा कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रमकासुदीकरण एवं विस्तार की योजना			
	योग पशुपालन			

श्रीवास्तव/

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकास मद: 101 कृषि एवं सम्वर्गीय सेवायें — जी0एन0 2

मुख्य विकास मद: 101.2403 पशुपालन (क्रमशः) — (हजार रूपयें)

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदित परिव्यय कुल	1990-91 अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1991-91 अनुमानित व्यय कुल	1991-91 अनुमानित व्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
7-	बकरी प्रजनन प्रक्षेत्रों की स्थापना एवं प्रजनन सुविधाओं के विस्तार की योजना	90	122	21	-	21	-	11	10	21
8-	भेड प्रजनन प्रक्षेत्रों की स्थापना, ऊन श्रेणीकरण, क्रय-विक्रय सघन भेड विकास एवं स्वास्थ्य सेवायें के उपलब्ध कराने की योजना	24	-	-	-	-	-	-	-	-
9-	सूकर विकास हेतु सूकर प्रक्षेत्रों की स्थापना सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार तथा प्रजनन सुविधाओं के विस्तार योजना	58	258	-	-	-	-	31	105	136
10-	विभिन्न पशुपालन सम्बन्धी विकास कार्यक्रमों के प्रचार एवं प्रसार की योजना	53	96	6	-	6	-	15	-	15
11-	चारा एवं चारागाह विकास की योजना	101	161	24	-	24	-	24	-	24
	योग पशुपालन	7353	18428	2047	933	2047	933	1740	1161	2901

श्रीवास्तव/

परियोजनावारव्यय/परिव्यय

जी०एन० 2

कानपुर देहात

उप विकास मद: 101 कृषि एवं सम्वर्गीय

मुख्य विकास मद 101.2403 पशुपालन

(हजाररूपये) (~~कानपुरदेहात~~)

क्र०सं०	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
7-	बकरी प्रजननप्रक्षेत्रों की स्थापना एवंप्रजननसुविधाओंकेविस्तारयोजना	27	26	27
8-	भेड प्रजनन प्रक्षेत्रों की स्थापनाऊन श्रेणीकरण, क्रय विक्रय सघन भेडविकास एवं स्वास्थ्यसेवायें के उपलब्धकरानेहेतु	-	-	-
9-	सूकर विकास हेतु सकरप्रक्षेत्रोंकीस्थापना सुदृढीकरण एवं विस्तारतथाप्रजनन सुविधाओंके विस्तारकीयोजना	30	30	62
10-	विभिन्न पशुपालन सम्बन्धी विकास कार्यक्रमों केप्रचार एवं प्रसार की योजना	20	25	30
11-	चारा एवं चारा गह विकासयोजना	33	40	40
	योग पशुपालन	3704	4472	5304

श्रीवास्तव/

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकास मद 101 कृषि एवं सम्वर्गीय — जी0 एन0 2

मुख्य विकास मद101.2404दुग्धशाला विकास — ॥हजाररूपयें॥

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तवित व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदितपरिव्यय कुल	1990-91 अनुमोदितपरिव्यय पूजीगत	1900-91 अनुमानितव्यय कुल	1900-91 अनुमानितव्यय पूज़ीगत	1991-92 प्रस्तावितपरिव्यय राजस्व	1991-92 प्रस्तावितपरिव्यय पूजीगत	1991-92 प्रस्तावितपरिव्यय कुल
1	2	2	4	5	6	7	8	9	10	11
	नई योजना									
1-	समितियों के दुग्ध उत्पादन वाद्धि हेतु तकनीकी निवेश	-	908	-	-	-	-	227	-	227
2-	समितियों के सुढीकरण वगठन	-	4060	-	-	-	-	1015	-	1015
3-	डेयरी के विस्तार	-	15818	-	-	-	-	50	1800	1850
	योग दुग्ध शाला विकास	-	20786	-	-	-	-	1292	1800	3092

उप विकास मद: 101 कृषि एवं सम्वर्गीय   योजनावार व्यय/परिव्यय   हजार रुपये में
मुख्य विकास मद= 101.2404 दुग्धशाला विकास   जी०एन०- 2

क्र०सं०	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
	नई योजना			
1-	समितियों के दुग्ध उत्पादन वृद्धि हेतु तकनीकी निवेश	227	227	227
2-	समितियों के सुदृढीकरण व गठन	1015	1015	1015
3-	डेरी के विस्तार	3653	4594	5721
	योग दुग्ध शाला विकास	4895	5836	6963

योजनावार व्यय/परिव्यय
जी0एन0 2

कानपुर देहात

उप विकास मद: 101 कृषि एवं सम्वर्गीय सेवायें
मुख्य विकास मद: 101. 2045 तथा 2406 मत्स्य तथा वानिकी एवं वन्यजीवन

(हजार रू0 में)

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदित परिव्यय		1990-91 अनुमानित व्यय		1991-92 प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूजीगत	कुल	पूजीगत	राजस्व	पूजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	विभाग मत्स्य									
	चालू योजना									
1-	मत्स्य पालक विकास अभिकरण	1616	1062	198	-	198	-	216	-	216
	योग मत्स्य	1616	1062	198	-	198	-	216	-	216
	विभाग वन									
	चालू योजना									
1-	सामाजिक वानिकी	22649	36748	5700		5700		4713		4713
2-	वन मनोरंजन	600	1600	-	-	-	-	350	-	350
	योग वन	23249	38348	5700	-	5700	-	5063	-	5063

(हजार रुपये में)

उप विकास मद: 101 कृषि एवं सम्वर्गी सेवायें योजनावार व्यय/ परिव्यय

मुख्य मद: 101.2405 तथा 2406 मत्स्य तथा वानिकी एवं वन्यजीवन जी0एन0- 2

क्रमसं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
	विभाग मत्स्य			
	चालू योजना			
1-	मत्स्य पालक विकासअभिकरण	216	216	216
	योग मत्स्य	216	216	216
	विभाग वन			
	चालू योजना			
1-	सामाजिक वानिकी	7100	8796	10439
2-	वन मनोरंजन	400	400	450
	योग वन	7500	9196	10889

उप विकास मद: 101 कृषि एवं संवर्गीय सेवायें

मुख्य विकास मद: 101.2425 सहकारिता

योजनावार व्यय/परिव्यय
जी0एन0- 2
कानपुर देहात ।

हजार रूपये में

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदित परिव्यय कुल	1990-91 अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1990-91 अनुमोदित व्यय कुल	1990-91 अनुमोदित व्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	चालू योजना									
1-	ऋण एवं अधिकोषण									
1.1-	जिला सहकारी बैंकों को शाखा हेतु प्रबन्धकीय अनुदान	40	72	8	-	8	-	16	-	16
1.2-	निर्बल वर्ग (अनु0जाति/जनजाति) को समितियों के अंश क्रय हेतु ब्याज रहित ऋण/अनुदान	180	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग-ऋण एवं अधिकोषण	220	72	8	-	8	-	16	-	16
2-	सहकारी क्रय विक्रय योजना									
2.1	क्रय-विक्रय समितियों को मूल्य उतार-चढ़ाव निधि हेतु अनुदान	10	-	-	-	-	-	-	-	-
2.2	क्रय-विक्रय समितियों को खाद्यान्न व्यवसाय हेतु सीमान्त धन	20	-	-	-	-	-	-	-	-
2.3-	किसान सेवा-समितियों को खाद्यान्न हेतु सीमान्त धन	20	-	-	-	-	-	-	-	-
2.4-	क्रय-विक्रय समितियों को अल्प सिंचाई कृषि यंत्रों हेतु सीमान्त धन	40	-	-	-	-	-	-	-	-
2.5-	कृषि ऋण समितियों को उर्वरक व्यवसाय हेतु सीमान्त धन	1455	1013	210	-	210	-	150	-	150
	योग-क्रय-विक्रय योजना	1545	1013	210	-	210	-	150	-	150

हजार रुपये में

उप विकास मद: 101 कृषि एवं सम्वर्गीय सेवायें — योजनावार व्यय / परिव्यय

मुख्य विकास मद: 101.2425 सहकारिता — जीएन0- 2

क्र0सं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
	चालू योजना			
1-	ऋण एवं अधिकोषण			
	1.1-जिला सहकारी बैंकों की शाखा हेतु प्रबन्धकीय अनुदान	16	16	16
	1.2-निर्बल वर्ग (अनु0जाति/जनजाति) की समितियों के अंश क्रय हेतु ब्याज रहित ऋण/अनुदान	-	-	-
	योग- ऋण एवं अधिकोषण	16	16	16
2-	सहकारी क्रय-विक्रय योजना			
	2.1 क्रय-विक्रय समितियों को मूल्य उतार-चढ़ाव निधि हेतु अनुदान	-	-	-
	2.2-क्रय-विक्रय समितियों को खाद्यान्न व्यवसाय हेतु सीमान्त धन	-	-	-
	2.3-किसान सेवा समितियों को खाद्यान्न हेतु सीमान्त धन	-	-	-
	2.4-क्रय-विक्रय समितियों को अल्प सिंचाई कृषि यंत्रों हेतु सीमान्त धन	-	-	-
	2.5-कृषि ऋण समितियों को उर्वरक व्यवसाय हेतु सीमान्त धन	187	221	245
	योग:-क्रय-विक्रय योजना	187	221	245

उप विकास मद: 101 कृषि एवं संबर्गीय सेवायें
मुख्य विकास मद: 101.2425 सहकारिता (क्रमश:)

योजनावार व्यय/परिव्यय
जी0एस0-2
कानपुर देहात

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमानितपरिव्यय		1990-91 अनुमानित व्यय		1991-92 प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूंजीगत	कुल	पूंजीगत	राजस्व	पूंजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
3-	सहकारी उपभोक्ता									
	3.1 सार्वजनिक वितरण प्रणाली उपभोक्ता व्यवसाय हेतु सीमान्त धन	435	400	90	--	90	-	65	-	65
योग सहकारी उपभोक्ता		435	400	90	--	90	-	65	-	65
योग- सहकारिता		2200	1485	308	-	308	-	231	-	231

यादव/

हजार रूपये में

उप विकास मद: 101 कृषि एंव सम्बर्गीय सेवायें योजनावार व्यय/ परिव्यय

मुख्य विकास मद: 101.2425 सहकारिता ॥क्रमांक: ॥ जी0एन0- 2

क्र0सं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
3-	सहकारी उपभोक्ता			
3.1	सार्वजनिक वितरण प्रणाली उपभोक्ता व्यवसाय हेतु सीमान्त धन	75	80	90
योग: सहकारी उपभोक्ता		75	80	90
योग: सहकारिता		278	317	351

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकास मद: 102 ग्राम्य विकास — जी0एन0 2 — कानपुर देहात

मुख्य विकास मद: 102.2501तथा2505एवं2506
ग्राम्य विकास के विशेष कार्यक्रम तथाग्रामीण राजगारएवंभूमिसुधार

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदितपरिव्यय कुल	1990-91 अनुमोदितपरिव्यय पूंजीगत	1990-91 अनुमानितव्यय कुल	1990-91 अनुमानितव्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावितपरिव्यय राजस्व	1991-92 प्रस्तावितपरिव्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावितपरिव्यय कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	विभाग ग्राम्य विकास अभिकरण									
	चालू योजना									
1-	एकीकृत ग्राम्य विकास कार्यक्रम	72845	125705	17034	-	17034	-	18737	-	18737
2-	जवाहर रोजगार योजना	83428	124207	19752	19752	19752	19752	-	18010	18010
	योग									
	विभाग भूमि सुधार									
	चालू योजना									
1-	सीलिंग भूमि आवंटियों को आर्थिक सहायता	150	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग भूमि सुधार	150.	-	-	-	-	-	-	-	-

श्रीवास्तव/

योजनावार व्यय/ परिव्यय

उप विकास मद: 102 ग्राम्य विकास

मुख्य विकास मद: 102.250 तथा 2505 एंव2506 जी0एन0- 2

ग्राम्य विकास के विशेष कार्य क्रम तथा ग्रामीण रोजगार एंव पूजी सुधार

क्र0सं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
विभाग: ग्राम्य विकास अभिकरण				
	चालू योजना			
1-	एकीकृत ग्राम्य विकास कार्यक्रम	23782	29786	36366
2-	जवाहर रोजगार योजना	22859	28630	34956
विभाग- भूमि सुधार				
	चालू योजना			
1-	सीलिंग भूमि आबंटियों को आर्थिक सहायता	-	-	-
		-	-	-

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकास मद: 102 ग्राम्य विकास — जी0एन0 2 — कानपुर देहात

मुख्य विकास मद: 102.2515 अन्य ग्रामीण विकास कार्यक्रम

॥हजार रुपये में॥

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-91	1990-91 अनुमोदित परिव्यय		1990-91 अनुमानित व्यय		1991-92 प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूंजीगत	कुल	पूंजीगत	राजस्व	पूंजीगत	कुल
	विभाग पंचायतीराज									
	चालू योजना									
1-	पंचायत उद्योगों को तकनीकी एवं प्रबन्धकीय सहायता	45	-	-	-	-	-	-	-	-
2-	पंचायतराजसंस्थाओं के सुदृढ़ीकरण हेतुउन्हेंआयमें वृद्धिकरनेहेतुप्रोत्साहन	30	60	12	-	12	-	12	-	12
3-	ग्रामीण पर्यावरणमेंस्वच्छता हेतु खडंजा एवं नालीकानिर्माण	4482	-	-	-	-	-	-	-	-
4-	पंचायत भवनों का निर्माण	650	-	-	-	-	-	-	-	-
5-	हाट/बाजार तथा मेलों की स्थिति में सुधार हेतुग्रामकोसहायकअनुदान	246	-	-	-	-	-	-	-	-
6-	पंचायतउद्योगकार्यशालाकानिर्माण	50	-	-	-	-	-	-	-	-
7-	स्वच्छ शौचालयों का निर्माण	-	27967	1567	1567	1567	1567	-	6600	6600
	योग पंचायतीराज	5503	28027	1579	1567	1579	1567	12	6600	6612

§ हजार रुपये में §

उप विकास मद: 102 ग्राम्य विकास — योजनावार व्यय/ परिव्यय

मुख्य विकास मद: 102. 2515 अन्य ग्रामीण विकास कार्यक्रम — जी0 एन0- 2

क्रसं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	13	13	14
	विभाग- पंचायती राज वाल योजना			
1-	पंचायत उद्योगों को तकनीकी एवं प्रबन्धकीय सहायता	-	-	-
2-	पंचायत राज संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु उन्हें आय में वृद्धि करने हेतु प्रोत्साहन	12	12	12
3-	ग्रामीण पर्यावरण में स्वच्छता हेतु खडंजा एवं नालों का निर्माण	-	-	-
4-	पंचायत भवनों का निर्माण	-	-	-
5-	हाट /बाजार तथा मेलों की स्थिति में सुधार हेतु ग्राम को सहायकअनुदान	-	-	-
6-	पंचायत उद्योग कार्यशाला का निर्माण	-	-	-
7-	स्वच्छ शौचालयों का निर्माण	6600	6600	6600
	योग पंचायतीराज	6612	6612	6612

योजनावार व्यय/परिव्यय

उपविकास मद: 102 ग्राम्य विकास जो0एन0 2 कानपुर देहात

मुख्य विकास मद: 102-2515 अन्य ग्रामीण विकास कार्यक्रम

हजार रूपयेमें

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवां पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदित परिव्यय		1990-91 अनुमानित व्यय		1991-92 प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूंजीगत	कुल	पूंजीगत	राजस्व	पूंजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	विभाग सामुदायिक विकास (ग्राम्यविकास)									
	चालूयोजना									
1-	विकासखण्डों/जिला विकास कार्यालय के भवनोंका निर्माण तथा विद्युतीकरण	5300	23759	2000	2000	2000	2000	-	2200	2200
	योग सामुदायिक विकास	5300	23759	2000	2000	2000	2000	-	2200	2200

अवास्तव/

योजनावार व्यय/ परिव्यय

हजार रुपये में

उप विकास मद: 102ग्राम्य विकास

मुख्य विकास मद: 102-2515 अन्य ग्रामीण विकास कार्यक्रम

जो0एन0- 2

क्रम0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
विभाग- सामुदायिक विकास (ग्राम्य विकास)				
1-	विकास खण्डों/जिला विकास कार्यालय के भवनों का निर्माण तथा विद्युतीकरण	5899	7557	6103
योग सामुदायिक विकास		5899	7557	6103

योजनावार व्यय/परिव्यय

जी0एन0 2

उप विकास मद: 104 सिंचाई एवं बाढ नियंत्रण
मुख्य विकास मद 104.2702 लघु सिंचाई

कानपुर देहात

॥हजार रू0॥

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदित परिव्यय		1990-91 अनुमानित व्यय		1991-92 प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूंजीगत	कुल	पूंजीगत	राजस्व	पूंजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	विभाग निजी लघु सिंचाई									
	चालू योजना									
1-	अनुदान	5705	8400	600	-	600	-	1500	-	1500
2-	बोरिंग गोदाम	511	920	-	-	-	-	-	200	200
3-	संयंत्र एवं उपकरण	732	1120	200	-	200	-	200	-	200
4-	अन्य व्यय	—								
	योग निजी लघु सिंचाई	6948	10440	800	-	800	-	1700	200	1900
	विभाग राजकीय लघु सिंचाई									
	चालू योजना									
1-	राजकीय नलकूप (सामान्यकार्यक्रम)	61102	64108	13951	13951	13951	13951	-	12265	12265
योग राजकीय लघु सिंचाई		61102	64108	13951	13951	13951	13951	-	12265	12265
योग लघु सिंचाई		68050	74548	14751	13951	14751	13951	1700	12465	14165

उप विकास मद: 104 सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण योजनावार व्यय/ परिव्यय हजार रूपये में
मुख्य विकास मद: 104.2702 लघु सिंचाई जी0 एन0 - 2

क्रम0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
	विभाग-निजी लघु सिंचाई			
	चालू योजना			
1-	अनुदान	1800	2100	2400
2-	बोरिंग गोदाम	220	240	260
3-	संयंत्र एवं उपकरण	220	240	260
	योग निजी लघु सिंचाई	2240	2580	2920
	विभाग- राजकीय लघु सिंचाई			
	चालू योजना			
1-	राजकीय नलकूप (सामान्य कार्यक्रम	12232	12830	12830
	योग:-राजकीय लघु सिंचाई	12232	12830	12830
	योग:- लघु सिंचाई	14472	15410	15750

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकास मद: 105 उर्जा | जी0एन0 2 | कानपुर देहात

मुख्य विकास मद: 105.2801 विद्युत

§हजार रूपयेमें§

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदितपरिव्यय		1990-91 अनुमानितव्यय		1990-91 प्रस्तावितपरिव्यय		
				कुल	पूजीगत	कुल	पूजीगत	राजस्व	पूजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	विभाग उर्जा									
	चालू योजना									
1-	ग्रामीण विद्युतीकरण §राज्य समान्य कार्यक्रम§	4798	6970	1000	1000	1000	1000	-	1440	1440
	योग उर्जा	4798	6970	1000	1000	1000	1000	-	1440	1440

उपविकासमद: 105 ऊर्जा

योजनावार व्यय/परिव्यय
जी०एन०- 2

हजार रुपये में

मुख्यविकासमद:105.2801 विद्युत

क्रमांक	योजना	1992-93 प्रस्तावितपरिव्यय	1993-94 प्रस्तावितपरिव्यय	1994-95 प्रस्तावितपरिव्यय
1	2	3	4	5
	चालू योजना			
	1. ग्रामीण विद्युतीकरण (राज्य सामान्य कार्यक्रम)	1180	1740	1610
	योग:- विद्युत	1180	1740	1610

योजनावार व्यय/परिव्यय

जी0 एन0 2

उप विकास मद: 106 उद्योग एवं खनिज

मुख्य विकास मद 106.2851ग्रामीण एवं लघु उद्योग

(हजार रूपयों में)

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदित परिव्यय कुल	1990-91 अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1990-91 अनुमानित व्यय कुल	1990-91 अनुमानित व्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	विभाग उद्योग केन्द्र									
	चालू योजना									
1-	औद्योगिक आस्थान	630	1950	200	-	200	-	300	-	300
2-	मेले एवं प्रदर्शनी	26	110	15	-	15	-	15	-	15
3-	**जिला उद्योग केन्द्र**									
	"क" जिला उद्योग के माध्यमसे मार्जिनमनी ऋण	1000	775	100	-	100	-	125	-	125
4-	**लघु उद्योगों को सहायता**									
	(क) एकीकृत मार्जिन मनीऋण	7475	1579	126	-	126	-	175 200	-	175 200
5-	उद्यम विकास(प्रशिक्षणएवंशोध)	185	1150	200	-	200	-		-	
6-	नगरीय दुर्बल वर्ग सहायतायोजना।6				-	-	-	-	-	-
	योग उद्योग केन्द्र	9326	5564	641	-	641	-	815	-	815

श्रीवास्तव/

योजनाधार व्यय/ परिव्यय
जी0 एन0 - 2

उप विकास मद: 106 उद्योग एवं खनिज
मुख्य विकास मद: 106.2851 ग्रामीण एवं लघु उद्योग

क्र0सं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
विभाग:- उद्योग केन्द्र				
चालू योजना				
1.	औद्योगिक आस्थान	400	500	550
2-	मेले एवं प्रदर्शनी §जनपद/विकासखण्ड स्तर पर	25	25	30
3.	जिला उद्योग केन्द्र			
	§क§ जिला उद्योग केन्द्र ध्वस्थता मार्जिनमनी ऋण	150	200	200
4-	लघु उद्योगों को सहायता	219		
	§ख§ एकीकृत मार्जिन मनी ऋण	-	[illegible]	720
5.	उद्यमविकास प्रशिक्षण एवं शोध	250	250	250
6.	नगरीय दुर्बल वर्ग सहायता योजना	-	-	-
	योग उद्योग केन्द्र	1044	1314	1750

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकासखंड: 106 उद्योग एवं खनिज — जी0एन0 2

मुख्य विकास मद 106.2851 ग्रामीण एवं लघु उद्योग

{हजार रुपये में}

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदित परिव्यय कुल	1990-91 अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1990-91 अनुमानित व्यय कुल	1990-91 अनुमानित व्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	विभाग हथकरघा									
1-	हथकरघा सहकारी समितियों को अंश पूंजी को ऋण	-	200	30	-	30	-	35	-	35
2-	हथकरघों का आधुनिकीकरण	-	102	12	-	12	-	15	-	15
3-	हथकरघा सहकारी समितियों को प्रबन्धकीय सहायता	14	150	20	-	20	-	25	-	25
4-	माडल चाको कोटपालनयोजना	526	1775	100	-	100	-	360	-	360
	योग हथकरघा	640	2227	162	-	162	-	435	-	435
	योग ग्रामीण एवं लघु उद्योग	9966	7791	803	-	803	-	1250	-	1250

श्रीवास्तव/

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकास मद 106 उद्योग एवं खनिज
मुख्य विकासमद 106.2851 ग्रामीण एवं लघुउद्योग

जी0एन0 2

कानपुर देहात

क्र0सं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
		12	13	14
	विभाग हथकरघा			
1-	हथकरघा सहकारी समितियों को अंश पूजी को ऋण	40	45	50
2-	हथकरघो का आधुनिकीकरण	20	25	30
3-	हथकरघा सहकारी समितियों को प्रबन्धकीय सहायता	30	35	40
4-	माडल चाकी कोट पालन योजना	346	434	535
	योग हथकरघा	436	539	655
	योग ग्रामीण एवं लघु उद्योग	1480	1853	2405

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकास मद: 107परिवहन जी0 एन0 2 कानपुरदेहात

मुख्य विकास मद 107.3054सडक एवं पुल हजाररूपयेमें॥

क्र0सं0	योजना	1986-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदितपरिव्यय		1990-91 अनुमानितव्यय		1991-92 प्रस्तावितपरिव्यय		
				कुल	पूजीगत	कुल	पूजीगत	राजस्व	पूजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	चालू योजना									
1-	जिला एवं अन्यमार्ग, सेतुनिर्माण तथा मार्गों का पुन: निर्माण									
	॥क॥ प्रमुख जिला मार्ग	24770	5160	3635	3635	3635	3635	-	255	255
	2- अन्य जिला मार्ग	6580	-	-	-	-	-	-	-	-
	3- ग्रामीण मार्ग	-	110157	5297	5297	5297	5297	-	12232	12232
	॥ख॥ लघु सेतु निर्माण									
	1- 30मीटर तक के पुल	10988	21922	1050	1050	1050	1050	--	3514	3514
2-	ग्रामीण मार्ग॥न्यूनतमआवश्यकता	244670	133050	25763	25763	25763	24763	--	18028	18028
3-	30मीटरअधिकस्थानवालेपुलोंके पहुच मार्ग प्रमुखतथाअन्यजिलामार्ग	3800	170	170	170	170	170	--	--	--
	योग	290808	270459	35915	35915	35915	35915	--	34029	34029
	व्यवस्थापन व्यय	-	-	-	-	-	-	-	5471	5471
	योग सडक एवं पुल	290808	270459	35915	35915	35915	35915	--	39500	39500

उप विकास मद: 107 परिवहन

मुख्य विकास मद: 107.3054 सडक एवं पुल

योजनावार व्यय/परिव्यय

जी0एन0 2

(हजार रूपये में)

क्र0सं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
	चालू योजना			
1-	जिला एवं अन्य मार्ग, सेतु निर्माण तथा मार्गों का पुन/निर्माण			
	(क) मार्गों का पुन: निर्माण			
	1- प्रमुख जिला मार्ग	335	420	515
	2- अन्य जिला मार्ग	-	-	-
	3- ग्रामीण मार्ग	19710	24335	29769
	(ख) लघु सेतु निर्माण			
	1- 30मी0 तक के पुल	4621	5729	7008
	2- ग्रामीण मार्ग (न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम)	20095	25012	30591
	3- 30मी0 अधिक स्पान वाले पुलों के पहुंच मार्ग प्रमुख तथा अन्य जिला मार्ग पर	-	-	-
	योग	44761	55496	67883
	व्यवस्थापना (व्यय	7162	8880	10862
	(योग सडक एव पुल	51923	64376	78745

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप-विकास मद:- 110 सामान्य आर्थिक सेवायें   जी0 एन0- 2   (हजार रुपये में)

मुख्य विकास मद: 11034 50 तथा 110-3554 पर्यटन तथा अर्थ एवं संख्या

क्रमांक	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	अनुमोदित परिव्यय 1990-91 कुल	अनुमोदित परिव्यय 1990-91 पूँजीगत	1990-91 अनुमानित व्यय कुल	1990-91 अनुमानित व्यय पूँजीगत	1991-92 प्रस्तावित व्यय राजस्व	1991-92 प्रस्तावित व्यय पूँजीगत	1991-92 प्रस्तावित व्यय कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	विभाग-पर्यटन									
1.	स्थानीय पर्यटन विकास		1449	9	-	9	-	30	-	30
2.	पर्यटन स्थलों का सौन्दर्यीकरण एवं विकास	360	283	18	-	18	-	60	-	60
	योग:- पर्यटन	360	427	27	-	27	-	90	-	90
	विभाग- अर्थ एवं संख्या									
	चालू योजना									
1.	जिला अर्थ अधिकारी/संख्याधिकारी के कार्यालयों में साज सज्जा एवं उपकरण आदि की पूर्ति	181	213	24	24	24	24	5	25	30
	योग:- अर्थ एवं संख्या	181	213	24	24	24	24	5	25	30

:::अवधेश::

योजनावार व्यय/परिव्यय
जी0 एन0 2

उप विकास मद: 110 सामान्य आर्थिक सेवायें
मुख्यविकास मद: 110.3450तथा110.3554
पर्यटन तथा अर्थ एवं संख्या

क्र0सं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
	विभाग पर्यटन			
1-	स्थानीय पर्यटन विकास	30	40	35
2-	पर्यटनस्थलों का सौन्दर्यीकरणएवंविकास	60	80	65
	योग पर्यटन	90	120	100
	विभाग अर्थ एवं संख्या			
1-	जिला अर्थ अधिकारी/संख्याधिकारी के कार्यालयों में साज सज्जा एवं उपकरण आदि की पूर्ति	40	53	66
	योग अर्थ एवं संख्या	40	53	66

उप विकास मद: 221 शिक्षा — योजनावार व्यय/परिव्यय

मुख्य विकास मद: 221•2209 सामान्य शिक्षा — जी०एन०- 2 — [हजार रुपये में]

क्र०सं०	योजना	1985-90 आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95 वास्तविक व्यय	1990-91 अनुमोदित परिव्यय कुल	1990-91 अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1990-91 अनुमानित व्यय कुल	1990-91 अनुमानित व्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	विभाग-प्राथमिक शिक्षा									
1.	ग्रामीण तथा नगर क्षेत्र में भवन रहित स्कूलों के भवन निर्माण हेतु अनुदान	15812	26497	10980	--	10980	--	8617	--	8617
2.	सहायक मान्यता प्राप्त अशासकीय सी०बे०स्कूलों को अनुरक्षण अनुदान	4910	6760	800	--	800	--	1690	--	1690
3.	ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में सी०बे०स्कूलों के भवन निर्माण हेतु अनुदान	6186	6450	720	--	720	--	740	--	740
4.	ग्रामीण क्षेत्रों में मिश्रित ज०बे० विद्यालय खोलने हेतु अनुदान	4997	13071	2684	--	2684	--	2045	--	2045
5.	ज०बे०स्कूलों में विज्ञान शिक्षण में सुधार एवं ताजा तख्ता हेतु अनुदान	120	-	-	-	-	-	-	-	-
6.	ग्रामीण क्षेत्रों में छात्र संख्या वृद्धि तथा स्थिरता हेतु बालिकाओं तथा निर्बल वर्ग के बच्चों को पाठ्य पुस्तकों के वितरण प्रोत्साहन अनुदान	340	-	-	-	-	-	-	-	-

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकास मद: 221 शिक्षा

जी0 एन0 2

मुख्य विकास मद 221.2202 सामान्य शिक्षा

क 0सं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
	प्राथमिक शिक्षा			
1-	ग्रामीण तथा नगर क्षेत्रों में भवनरहित स्कूलों के भवन निर्माण हेतु अनुदान	2500	500	3900
2-	सहायक मान्यता प्राप्त अशासकीय सो0बे0 स्कूलों को अनुरक्षण अनुदान	1690	1690	1690
3-	ग्रामीण एवं नगर क्षेत्रों में सो0बे0स्कूलों के भवन निर्माण हेतु अनुदान	1850	50	3090
4-	ग्रामीण क्षेत्रों में मिश्रित जूनियर बेसिक विद्यालय खोलने हेतु अनुदान	3128	2607	2607
5-	जूनियर बेसिक स्कूलों में विज्ञान शिक्षण में सुधार एवं साज सज्जा हेतु अनुदान	-	-	-
6-	ग्रामीण क्षेत्रों में छात्र संख्या वृद्धि तथा स्थिरता हेतु बालिकाओं तथा निर्बल वर्ग के बच्चों को पाठ्यपुस्तकों वितरण प्रोत्साहन अनुदान	-	-	-

§ हजार रूपये में §

उपविकास मद: 221 शिक्षा

योजनावार व्यय/ परिव्यय

मुख्य विकास मद: 221.2202 सामान्य शिक्षा §क्रमशः

जी0 एन - 2

क्र0सं0	योजना	1985-90 प्रस्तावित व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-91	1990-91 अनुमोदित परिव्यय कुल	1990-91 अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1990-91 अनुमोदित परिव्यय कुल	1990-91 अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
7-	ग्रामीण क्षेत्रों में बालक/बालिकाओं के सी0 बेसिक स्कूल खोलने हेतु अनुदान	5253	3125	-	-	-	-	700	-	700
8-	नगर क्षेत्र के सी0बे0 स्कूलों में विज्ञान शिक्षण में सुधार एवं साजसज्जा हेतु अनुदान	160	-	-	-	-	-	-	-	-
9-	नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में वय वर्ग 6-11 वर्ष के बच्चों के लिये अंशकालिक कक्षायें खोलने हेतु अनुदान	2932	5637	693	-	693	--	1686	--	1686
10-	जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों के कार्यालयों का सुदृढ़ीकरण	34	20	20	--	20	-	-	-	-
11-	प्रदेश के प्रत्येक जिले में कक्षा 6-8 में 15/=रु0 प्रतिमास की दर से 3 वर्ष के लिये योग्यता छात्रवृत्ति	385	730	138	--	138		148		148
12-	बेसिक स्कूल के अध्यापकों को राज्य पुरस्कार।	34	50	10	-	10	-	10	-	10

योजनावार व्यय/परिव्यय

जी0 एन0 2

उप विकास मद: 221 शिक्षा

मुख्य विकास मद 221.2202 सामान्य शिक्षा

क्र0सं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
7-	ग्रामीण क्षेत्रों में बालक/बालिकाओं के सीनियर बेसिक स्कूल खोलने हेतु अनुदान	821	792	812
8-	नगर क्षेत्र के सीनियरबेसिक स्कूल में विज्ञान शिक्षण में सुधार एवंसाज सज्जा हेतु अनुदान	-	-	-
9-	नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में वय वर्ग6-14वर्ष के बच्चों के लिये अंशकालिक कक्षायें खोलने हेतु अनुदान	1686	786	786
10-	जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों के कार्यालयों का सुदृढीकरण	-	-	-
11-	प्रदेश के प्रत्येक जिलें के कक्षा6-8 के बालकों को30.00रू0 बालिकाओं के लिये40.00रू0प्रतिमास की दरसे 3वर्ष के लिये योग्यता छात्रवृत्ति	148	148	148
12-	बेसिक स्कूलों के अध्यापकों को दक्षतापुरस्कार	10	10	10

उप विकास मद: 221- शिक्षा

मुख्य विकास मद: 221.2202 सामान्य शिक्षा॥क्रमशः

योजनावार व्यय/परिव्यय

॥हजार रुपये में॥

जी0एस0- 2

क्रम सं०	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-91	1990-91 अनुमोदित परिव्यय कुल	1990-91 अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1990-91 अनुमोदित व्यय कुल	1990-91 अनुमोदित व्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
13.	निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों को उपलब्ध कराने हेतु सी0बे0 स्कूलों में पाठ्यपुस्तक बैंक स्थापित करने हेतु अनुदान	75	–	–	–	–	–	–	–	–
14.	ग्रामीण क्षेत्रों के सी0बे0 स्कूलों के लिये साज सज्जा हेतु अनुदान	181	1790	150	–	150	–	585	–	585
15.	ज0बे0 स्कूलों में शिक्षण सामग्री हेतु अनुदान	120	1104	256	–	256	–	286	–	286
16.	खेलकूद तथा अन्य विद्यालयों तथा पुस्तकों के कल्याण हेतु प्राविधान	10	20	4	–	4	–	4	~~44~~	4
	योग चालू योजना	41513	65254	16455	–	16455	–	16511	–	16511
	नई योजना									
1-	प्रारम्भिक विद्यालयों में बालचर कार्यक्रम हेतु अनुदान	–	28	–	–	–	–	7	–	7
	नई योजना	–	28	–	–	–	–	7	–	7
	योग प्रारम्भिक शिक्षा	41513	65282	16455	5	16455	--	16518	--	16518

अवधेश

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकास मद: 221 शिक्षा — जी0 एन0 2

मुख्य विकास मद 221.2202 सामान्य शिक्षा

क्र0सं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
13-	नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकों को उपलब्ध कराने हेतु सी0बी0 स्कूलों में पाठ्य पुस्तक बैंक स्थापित करने हेत अनुदान	-	-	-
14-	ग्रामीण क्षेत्रों के सी0बी0 स्कूलों के लिये साज सज्जा ह हेतु अनुदान	585	185	285
15-	जू0बे0 स्कूलों में शिक्षण सामग्रीहेतुअनुदान	269	100	193
16-	खेलकूद तथा अन्य विद्यालयों के बाहर शैक्षिक कार्यक्रमों तथा युवकोंकेकल्याण हेतु प्राविधान	4	4	4
	योग चालू योजना	12691	6872	12725
	नई योजना			
1-	प्रारम्भिक विद्यालयों में बालचरकार्यक्रमोंहेतुअनुदान	7	7	7
2-				
	योग नई योजना	7	7	7
	योग प्रारम्भिक शिक्षा	12698	6879	12732

उप विकास मद: 221- शिक्षा — योजनावार व्यय/ परिव्यय — ₹ हजार रूपये में ₹

मुख्य विकासमद: 221-2202सामान्य शिक्षा — जी0एन- 2

क्र0सं0	योजना	1985-90 आठवीं वास्तविक	पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 कुल अनुमोदित परिव्यय		1990-91 अनुमोदित व्यय		1990-92 प्रस्तावित परिव्यय		
				कुल	पूजीगत	कुल	पूजीगत	राजस्व	पूजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग: माध्यमिक शिक्षा										
1.	सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों पुस्तकालयों का सम्वर्द्धन	29	45	45	--	45	-	-	-	-
2.	सहायता प्राप्त उ0 मा0 विद्यालयों की छात्र सं0 वृद्धि के फलस्वरूप कक्षा कक्ष एवं कार्यालय करण आदि हेतु अनुदान	95	330	29	-	29	-	58	-	58
3.	प्रदेश के प्रत्येक जिलों में कक्षा 6-8 में 15 रू0 प्रति माह की दर से 3 वर्ष के लिये योग्यता छात्रवृत्ति	245	701	94	-	94	-	135	-	135
4.	ग्रामीण क्षेत्रों के बालकों के माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ रही बालिकाओं के लिये विशेष सुविधा	163	18	18	-	18	-	-	-	-
5.	उ0 मा0 विद्यालयों में बसों की व्यवस्था	90	755	515	515	515	515	60	-	60
6.	जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय का सुदृढ़ीकरण	104	60	60	50	60	50	-	-	-

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकास मद 221 शिक्षा जी0 एन0 2

मुख्य विकासमद 221.220सामान्य शिक्षा

क्र0सं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
	विभाग माध्यमिक शिक्षा			
1-	सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिकविद्यालयों पुस्तकालयों का सम्बर्द्धन	-	-	-
2-	सहायता प्राप्त उच्चतरमाध्यमिकविद्यालयों को छात्रसंख्यावृद्धि केफलस्वरूपकक्षा कक्ष एवं काष्टोपकरणआदि	68	75	100
3-	प्रदेश के प्रत्येक जिले में कक्षा 6-8 मेंबालक को 40रू0 प्रति30रूतथा	149	158	165
4-	ग्रामीण क्षेत्रोंकेबालकोंकेमाध्यमिक विद्यालयोंमें पढ़रही बालिकाओं के लिये विशेष सुविधा	+	-	-
5-	उ0मा0विद्यालयों में बसों की व्यवस्था	60	60	60
6-	जिला विद्यालय निरीक्षण कार्यालय का सुदृढीकरण	-	-	-

योजनावार व्यय/परिव्यय
जो0 एन0 2

उप विकास मद: शिक्षा
मुख्य विकासमद:221-2202 सामान्य शिक्षा

(हजार रूपयें)

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवी पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदितपरिव्यय		1991-92 अनुमानितपरिव्यय		1991-92 प्रस्तावितपरिव्यय		
				कुल	पूजीगत	कुल	पूजीगत	राजस्व	पूजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	10
7-	उ0मा0 विद्यालयों में बालचर योजनाकापुसार	16	264	4	-	4	-	15	50	65
8-	खेलकूद तथा अन्य विद्यालयों के बाहर शैक्षिक कार्यक्रमोंतथायुवकोंकेकल्याणहेतु	38	156	4	-	4	-	38	-	38
9-	संस्कृतपाठशालाओंको विकासअनु0	60	-	-	-	-	-	-	-	-
10-	वर्तमानराजकीय जिला पुस्तकालयों काविकासतथानयेजिलापुस्तकालयों की स्थापना	544	1360	800	500	800	500	125	-	125
11-	सार्वजनिकपुस्तकालयों को अनुदान	35	168	68	-	68	-	22	-	22
12-	रस0उ0मा0विद्यालय में विज्ञान प्रयोगशालाओंका निर्माण	1200	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग माध्यमिक शिक्षा	2619	3857	1637	1065	1637	1065	453	50	503
	नई योजना									
1-	अनुदायिक मान्यताप्राप्त उ0मा0वि0 कोअनुरक्षण अनुदान	-	11501	-	-	-	-	1494	--	1494
2-	विकासखण्डस्तरपरराजकीयकन्याहाई स्कूल का खोलाजाना	-	9810	-	-	-	-	1080	--	1080

योजनावार व्यय/परिव्यय
जी0 एन0 2

उपविकास मद 221 शिक्षा
मुख्य लेखा शीर्ष [illegible] 2202 सामान्य शिक्षा

क्रमांक	योजना	[illegible] प्रस्तावित परिव्यय	[illegible] परिव्यय	[illegible] परिव्यय
1	2	12	13	15
7-	उ0मा0 विद्यालयों में बालचर योजना का प्रसार	65	65	65
8-	खेलकूद तथा अन्य विद्यालयों के बाह्य शैक्षिक कार्यक्रमों तथा युवकों के कल्याण हेतु प्राविधान	38	38	38
9-	संस्कृत पाठशालाओं को विकास अनुदान	–	–	–
10-	वर्तमान राजकीय जिला पुस्तकालयों का विकास तथा नये जिला पुस्तकालयों की स्थापना	135	145	155
11-	सार्वजनिक पुस्तकालयों को अनुदान	24	26	28
12-	रा0उ0मा0 विद्यालय में विज्ञान प्रयोगशालाओं का निर्माण	–	–	–
	योग माध्यमिक शिक्षा	539	567	611
	नई योजना			
1-	असहायिक मान्यताप्राप्त उ0मा0 वि0 को अनुरक्षण अनु0	3200	3007	3800
2-	विकासखण्ड स्तर पर राजकीय कन्या हाई स्कूल खोला जाना	2350	2350	4030

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकास मद 221 शिक्षा — जी0 एन0 2

मुख्य विकासमद 221.2202 सामान्य शिक्षा

§हजार रूपयें§

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्वित व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदितपरिव्यय		1990-91 अनुमानितव्यय		1991-92 प्रस्तावितपरिव्यय		
				कुल	पूजीगत	कुल	पूजीगत	राजस्व	पूजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
3-	कक्षा9-12 केबालकोंकी शुल्कमुक्तिहेतुक्षति	-	1676	-	-	-	-	100	-	100
4-	राजकीयइण्टरकालेजमें अतिरिक्तअनुभाग खोलन तथानयेविषयों का समावेश	-	1675	-	-	-	-	65	150	215
5-	रा0उ0मा0 विद्यालयमेंभवन निर्माणएवंविद्युती0-	-	8000	-	-	-	-	-	3000	3000
	योग नई योजना	-	32662	-	-	-	-	2739	3150	5889
	योग माध्यमिकशिक्षा	2619	36519	1637	1065	1367	1065	3192	3250	6392
	विभाग प्रौढ शिक्षा									
1-	राज्य सरकार के संसाधनों से ग्रामीण कार्यात्मक साक्षरतायोजनाकाप्रसार	3994	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग प्रौढ शिक्षा	3994	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग सामान्य शिक्षा	48126	101801	18092	1065	18092	1065	19710	3200	22910

योजनावार व्यय/परिव्यय
बी0 एम0 2

उप विकास मद : शिक्षा
मुख्य विकास मद : सामान्य शिक्षा

क्र0सं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
3.-	विकलांग कक्षा 9-12 के बालकों की शुल्कमुक्ति हेतु क्षतिपूर्ति	476	500	600
4.-	राजकीय इण्टर कालेज में अतिरिक्त अनुभाग खोलना तथा नये विषयों का समावेश	430	580	550
5.-	रा0उ0मा0 विद्यालय के भवन निर्माण एवं विद्युतीकरण	200	2000	1000
	योग नई योजना	8456	8337	9980
	योग माध्यमिक शिक्षा	8995	8904	10591
	विभाग प्रौढ़ शिक्षा			
1-	राज्य सरकार के संसाधनों से ग्रामीण कार्यात्मक साक्षरता योजना का प्रसार	-	-	-
	योग प्रौढ़ शिक्षा	-	-	-
	योग सामान्य शिक्षा	21693	15783	25323

योजनावार व्यय/परिव्यय
जी० एन० 2

उप विकास मद 221 शिक्षा
मुख्य विकासमद 221-2204युवा कल्याण

क्र०सं०	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदितपरिव्यय कुल	पूंजीगत	1990-91 अनुमानितव्यय कुल	पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावितपरिव्यय राजस्व	पूंजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
11-	सर्वश्रेष्ठ युवकमंगल दलों को विवेकानन्द यूथ एवार्ड	25	48	-	-	-	-	12	-6	12
12-	साहसिक कार्यक्रम	35	39	-	-	-	-	9	-	9
13-	सांस्कृतिक कार्यक्रम	48	5	5	-	5-	-		-	-
	योग युवा कल्याण	2965	6388	-			855	1020	30	1050

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकास मद 22। शिक्षा जी0 एन0 2

मुख्य विकास मद 221.2204 ~~सम्मन्यय~~युवाकल्याण

क्र0सं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
11-	सर्वश्रेष्ठ युवक मंगल दलों को विवेकानन्द युवा एवार्ड	12	12	12
12-	साहसिक कार्यक्रम	10	10	10
13-	सांस्कृतिक कार्यक्रम	–	–	–
	योग युवा कल्याण	1485	1489	1509

उप विकास मद: 222 चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य — योजनावार व्यय/परिव्यय

मुख्य विकास मद: 222.2210 चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य — जी०एन० - 2 — । हजार रूपये में ।

क्र०सं०	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवी पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदित परिव्यय कुल	1990-91 अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	अनुमानित व्यय कुल	अनुमानित व्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	प्रस्तावित परिव्यय कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	विभाग:- एलोपैथिक चिकित्सा चालू योजना									
1.	उपकेन्द्रों का भवन निर्माण	5165	13515	500	500	500	500	-	1415	1415
2.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का भवन निर्माण	6623	35527	2800	2800	2800	2800	-	3827	3827
3.	नये प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना	5610	8801	1301	-	1301	-	1450	-	1450
4.	वर्तमान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का नवीनीकरण एवं विस्तार तथा बिजली पानी की व्यवस्था	-	480	480	480	480	480	-	-	-
5.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना निर्माण	11508	32200	4585	4585	4585	4585	500	5115	5615
6.	अस्पतालों में साज सज्जा एवं अन्य आवश्यक सामग्री									
6.1	डीजल जनरेटर	210	660	120	110	120	110	-	-	-
6.2	एम्बुलेन्स	135	1051	241	230	241	230	-	-	-
6.3	चीरघर का निर्माण		1000	-	-	-	-	-	-	-
7.	अस्पतालों में विशिष्ट सेवाओं की व्यवस्था									
7.1	बाल रोग [illegible]	-	1400	150	100	150	100	200	-	200

अग्रेषित ...:

उप विकास मद: 222 चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य — योजनावार व्यय/परिव्यय

मुख्य विकास मद: 222.2210 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य — जी0एन0- 2

क्र0सं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
	विभाग-एलोपैथिक चिकित्सा			
	चालू योजना			
1.	उपकेन्द्रों का भवन निर्माण	2000	4600	5000
2.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का भवन निर्माण।	9100	10200	9600
3.	नये प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना	1550	2700	1800
4.	वर्तमान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का नवीनीकरण/विस्तार तथा बिजली/पानी की व्यवस्था	-	-	-
5.	सामुदायिक केन्द्रों की स्थापना/निर्माण	6000	7000	9000
6.	अस्पतालों में साज सज्जा एवं अन्य आवश्यक सामग्री			
6.1	डीजल जनरेटर	250	140	150
6.2	एम्बूलेन्स	380	210	220
6.3	चीरघर का निर्माण	-	-	1000
7.	अस्पतालों में विशिष्ट सेवाओं की व्यवस्था			
7.1	बाल रूग्णालय	250	450	350

उप विकास मद: 222 चिकित्सा एंव जन स्वास्थ्य — योजनावार व्यय/ परिव्यय

मुख्य विकासमद: 222.2210 चिकित्सा एंव जन स्वास्थ्य — जी० एन०- 2

§ हजार रूपये में §

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-91	1990-91 अनुमोदित परिव्यय कुल	1990-91 अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1990-91 अनुमानित व्यय कुल	1990-91 अनुमानित व्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
		-	15	15					-	
7.2 8.	दन्त स्वंजालय	610	900	-	-	-	-	150	-	150
9.	शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में	550	-	-	-	-	-	-	-	-
	राजकीय होम्योपैथिक औषधालयों की स्थापना	480	1500	150	-	150	-	150	-	150
10.	राजकीय होम्योपैथिक औषधालयों में अतिरिक्त दवाओं का प्राविधान	94	215	50	-	50	-	-	-	-
11	होम्योपैथिक चिकित्सालयों के भवन नि0	-	5700	-	-	-	-	-	-	-
	योग	30985	102949	10377	8805	10377	8805	2450	10357	12807

अवधेश:

योजनावार व्यय/परिव्यय
जी0एन0 2

उपविकासमद: 222 चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य
मुख्य विकासमद: 222.2210 चिकित्सा स्वास्थ्य

क्रसं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
7.1	दन्त रूजालय	200	250	300
8.	क्षयनिरोधक औषधालय	-	-	-
9.	शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में राजकीय होम्योपैथिक औषधालयों की स्थापना	350	400	450
10	राजकीय होम्योपैथिक औषधालयों में अतिरिक्त दवाओं का प्राविधान	30	63	72
11.	होम्योपैथिक चिकित्सालयों के भवनों का निर्माण	-	-	5700
योग	एलोपैथिक चिकित्सा	20110	26013	33642

उप विकास मद: 222 चिकित्सा एंव जन स्वास्थ्य — योजनावार व्यय/ परिव्यय

मुख्य विकास मद: 222.2210 चिकित्सा एंव जनस्वास्थ्य — जी0एन0- 2

‡ हजार रूपये में ‡

क्रम0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	अनुमोदित परिव्यय 1990-91 कुल	अनुमोदित परिव्यय 1990-91 पूंजीगत	अनुमानित व्यय 1990-91 कुल	अनुमानित व्यय 1990-91 पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग- आयुर्वेदिक एंव यूनानी चिकित्सा										
1.	आयुर्वेदिक/ यूनानी औषधालयों की स्थापना:-	623	5180	240	-	240	-	740	-	740
2.	शहरी क्षेत्रों में 25/15 शैय्यायुक्त आयु/ यूनानी चिकित्सालयों की स्थापना	-	4450	250	-	250	-	600	-	600
3.	वर्तमान आयु/ यूनानी औषधालयों का प्रोन्नयन	70	600	80	-	80	-	100	-	100
4.	आर्युं/यूनानीअधिकारियों के कार्यालयों की स्थापना तथा प्रसार :-	-	65	15	15	+5	-	50	-	50
5.	आर्युं/ यूनानी चिकित्सालयों का भवन निर्माण	-	2581	581	581	581	581	-	500	500
	योग आयुर्वेदिक एंव यूनानी	693	12876	1166	581	1166	581	1490	500	1990
	योग:- चिकित्सा एंव जनस्वास्थ्य	31678	115825	11543	9386	11543	9386	3940	10857	14797

योजनावार व्यय/परिव्यय

उपविकास मद: 222 चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य

मुख्य विकास मद: 222.2210 चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य

जी0एन0- 2

क्रमांक योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	12	13	14
विभाग-आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा			
1. आयुर्वेदिक/यूनानी औषधालयों की स्था0	1070	1400	1750
2. शहरी क्षेत्रों में 25/15 शैय्यायुक्त आयु/यूनानी चिकित्सालयों की स्थापना	900	1200	1500
3. वर्तमान आयु0/यूनानी औषधालयों के कार्यालयों का प्रोन्नयन	120	140	160
4. आयुर्वे0/यूनानी अधिकारियों के कार्यालयों की स्थापना तथा प्रसार	-	-	-
	-	-	-
5. आयुर्वेदिक/यूनानी चिकित्सालयों का भवन निर्माण	500	500	500
योग:- आयुर्वेदिक यूनानी	2590	3240	3890
योग :- चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य:-	22750	29253	37532

उप विकास मद: 223जलसम्पूर्ति, स्वच्छता, आवास एवं नगर वि० योजनावार व्यय/परिव्यय
मुख्य विकासमद:223.2515 जलसम्पूर्ति एवं स्वच्छता जी०एन०- 2

§ हजार रूपये में §

क्रम सं०	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवी पंचवर्षीय योजना 1990-95	अनुमोदितपरिव्यय कुल	अनुमोदितपरिव्यय पूंजीगत	1990-91 अनुमोदितपरिव्यय कुल	1990-91 अनुमोदितपरिव्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	विभाग:- जल निगम									
	चालू योजना									
1-	ग्रामीण जल सम्पूर्ति§पुनरीक्षित न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम									
1.1-	वर्ष 1972 की सूची में दर्शाये गये ग्रामों का सेचुरेशन कार्य	331	–	–	–	–	–	–	–	–
1.2-	मांचा ग्राम समूह पेयजलयोजना	5138	1630	1630	1630	1630	1630	–	–	–
1.3-	बीरबल का अकबरग्रामसमूह पेय जल योजना	5580	1300	1300	1300	1300	1300	5	–	–
1.4	मलासा राजपुर अति०नलकूप	143	400	400	400	400	400	–	–	–
1.5	[illegible] अति०नलकूप	–	1600	–	–	–	–	–	–	–
1.6	जनपद कानपुर देहात के ग्रामों में इण्डिया मार्क II हैन्ड पम्पों का अधिष्ठान	7154	28360	4360	4360	4360	4360	--	4500	4500
1.7	ग्रामीण पाइप योजनाओं का रखरखाव।	7500	5953	900	900	900	900	--	1067	1067
1.8	संदलपुर ग्राम समूह पेयजलयोजना	–	3500						1500	1500
1.9	विजयीपुरग्रामसमूहपेयजलयोजना	--	4000	–	–	–	–	–	–	–
2.0	बुधौलीग्राम समूह पेयजल योजना	--	4000	–	–	–	–	–	–	–

योजनावार व्यय/परिव्यय
जी०एन०- 2

उप विकास मद:223-जल सम्पूर्ति, स्वच्छता एवं नगर विकास

मुख्य विकास मद: 223·2515-जल सम्पूर्ति एवं स्वच्छता

हजार रुपये में

क्र०सं०	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
	विभाग- जल निगम			
	चालू योजना			
1-	ग्रामीण जल सम्पूर्ति §पुनरीक्षित न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम§			
1.1	वर्ष 1972 की सूची में दर्शाये गये ग्रामों का सेचुरेशन कार्य	880	-	-
1.2	मावा ग्राम समूह पेयजल योजना	51 --	--	---
1.3	औरबल का अकबरपुर ग्राम समूह पेयजल योजना	--	--	--
1.4	मलासा अति० नलकूप	--	--	--
1.5	~~भीतरगाँव~~ राजपुर अति० नलकूप	--	--	1600
1.6	जनपद कानपुर देहात के ग्रामों में इण्डिया मार्क II हैण्डपम्पों का अधिष्ठान	6000	6000	7500
1.7	ग्रामीण पाइप योजनाओं का रखरखाव	1141	1264	1581
1.8	संदलपुर ग्राम समूह पेयजलयोजना	1000	500	500
1.9	विजयीपुरग्रामसमूह पेयजल योजना	--	3000	1000
2.0	बुधौली ग्राम समूह पेयजल योजना	--	3000	1000

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकास मद: 223 जल सम्पूर्ति, स्वच्छता जी0 एन0 2

मुख्यविकासमद 223.2515 जलसम्पूर्ति एवं स्वच्छता

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदित परिव्यय		1990-91 अनुमानितव्यय		1991-92 प्रस्तावितपरिव्यय		
				कुल	पूजीगत	कुल	पूजीगत	राजस्व	पूजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
2.1	मंगलपुर ग्रामसमूहपेयजलयोजना	-	4000	-	-	-	-	-	-	-
2.2	फत्तेपुरग्रामसमूहयोजना	--	4000	-	-	-	-	-	-	-
2.3	कोरिया ग्राम सकूहजलयोजना	-	4000	-	-	-	-	-	1200	1200
2.4	सराय ग्राम समूह जल योजना	-	4000	-	-	-	-	-	-	-
2.5	करोसा ग्राम समूह जल योजना	-	3500	-	-	-	-	-	-1000	-1000
2.6	बरौर ग्राम समूह जल योजना	-	3000	-	-	-	-	-	-	-
	योग जल निगम	25846	73243	8590	8590	8590	8590	-	9267	9267

उपविकास मद: 223 जलसम्पूर्ति
मुख्यविकासमद:223.2515जलसम्पूर्ति

योजनावार व्यय/परिव्यय
जी0एन0- 2

हजार रुपयेमें

क्रमसं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
2.1	मंगलपुर ग्राम समूहपेयजलयोजना	-	-	4000
2.2	फत्तेपुर ग्रामसमूह पेय जलयोजना	-	-	4000
2.3	कोरियाग्राम समूहपेयजल योजना	1300	1000	500
2.4	सराय ग्राम समूह पेयजलयोजना	-	-	4000
2.5	करौंसा ग्राम समूह पेयजल योजना	1000	1000	500
2.6	बरौर ग्राम समूह पेयजल योजना	-	2000	1000
	योग जल निगम	10441	17764	27181

योजनावारव्यय/ परिव्यय

उप विकास मद: 223जल सम्पूर्ति, स्वच्छता, आवासएंव नगर- जी0एन0- 2

मुख्यविकास मद: 223.2515जलसम्पूर्ति एंव स्वच्छता विकास

(हजार रूपये में)

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-91	1990-91 अनुमोदित परिव्यय कुल	1990-91 अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावितपरिव्यय कुल	1991-92 प्रस्तावितपरिव्यय पूंजीगत राजस्व	1991-92 प्रस्तावितपरिव्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावितपरिव्यय कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग:- ग्राम्य विकास										
	चालू योजना									
1	ग्रामीण हरिजन पेयजल	8200	36439	5000	5000	5000	5000		4538	4538
	योग:-	8200	36439	5000	5000	5000	5000	--	4538	4538
	योग:- जल सम्पूर्ति एंव स्वच्छता	34046	110188	13590	13590	13590	13590	--	14305	14305

::अवधेश::

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप-विकास मद: 223 जलसम्पूर्ति स्वच्छता आवास एवं जी०एन०-2 हजार रुपये में
नगर विकास कानपुर-देहात
मुख्य विकासमद: 223-2515 जलसम्पूर्ति एवं स्वच्छता

क्र०सं०	योजना	1992-93 प्रस्तावित व्यय परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
	विभाग ग्राम्य विकास			
	चालू योजना			
1.	ग्रामीण हरिजन पेयजल	6370	8789	11742
	योग	6370	8789	11742
	योग जल सम्पूर्ति एवं स्वच्छता	16811	26559	38923

योजनावार व्यय/ परिव्यय

उपविकास मद: 223जलसम्पूर्ति, स्वच्छता, आवास एवं नगर विकास जी०एन०- 2

मुख्य विकास मद: 223.2216 आवास

॥ हजार रूपये में ॥

क्र०सं०	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	अनुमोदित परिव्यय 1990-91 कुल	पूंजीगत	1990-91 अनुमानित व्यय कुल	पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	पूंजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग:- लोक निर्माण विभाग										
	चालू योजना									
	पूल्ड आवास	5733	25000	5000	5000	5000	5000	-	-	-
	योग पूल्ड आवास:-	5733	25000	5000	5000	5000	5000	-	-	-
विभाग- राजस्व										
	चालू योजना									
1-	आयोजनेत्तर भावन राजस्व									
11.	आवासीय	-	18741	2241	2241	2241	2241	-	3000	3000
12-	अनावासीय	-	13130	5000	5000	5000	5000	-	2000	2000
	योग	-	31871	7241	7241	7241	7241	-	5000	5000
	ग्रामीण आवास									
1-	ग्राम्य विकास विभाग	4298	34330	4653	4653	4653	4653	-	5118	5118
2-	राजस्व विभाग	-	42	42	42	42	42	-	-	-
	योग:-	4298	34372	4695	4695	4695	4695	-	5118	5118

उपविकासमद: 223 जल सम्पूर्तिस्वच्छताआवास एवंनगरविकास | योजनावार व्यय/परिव्यय जी.एन. 2 | हजार रुपयेमें

मुख्य विकास मद: 223 2216 आवास

क्रमांक	योजना	1992-93 प्रस्तावितपरिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
विभाग: लो०नि० वि०				
	चालू योजना			
1.	पूलआवास	5000	5000	10,000
	योग:	5000	5000	10000
विभाग: राजस्व				
	चालू योजना			
1.	आयोजनेत्तर भावन राजस्व			
1.1	आवासीय	4000	4500	5000
1.2	अनावासीय	1769	2069	2292
	योग:	5769	6569	7292
	ग्रामीणआवास			
1.	ग्राम्यविकास विभाग	6495	8134	9930
2.	राजस्व विभाग	-	-	-
		6495	8134	9930
योग आवास				

उप-विकास मद: 224 सूचना एवं प्रसार

मुख्य विकास मद: 224.2210 सूचना एवं प्रसार

योजनावार व्यय/परिव्यय

जी०एन०- 2

(हजार रुपये में)

क्रमसं०	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	वर्ष 1990-91 अनुमोदित परिव्यय कुल	वर्ष 1990-91 अनुमोदित परिव्यय पूँजीगत	1990-91 अनुमानित व्यय कुल	1990-91 अनुमानित व्यय पूँजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय पूँजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय कुल
1.	नई योजना जिला सूचना केन्द्रों की स्थापना	-	683	-	-	-	-	135	21	156
	योग सूचना	=	683	-	-	-	-	135	21	156

उप-विकास मद: 224 सूचनाएवं प्रसार
मुख्य विकासमद: 224.2210सूचनाएवंप्रसार

योजनावार व्यय/ परिव्यय
जी०एन०- 2

‡हजाररुपयेमें‡

क्रमसं०	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
	नई योजना			
1.	जिला सूचना केन्द्रोंकी स्थापना	161	176	190
	योग सूचना	161	176	190

तकनीक/

उप विकासमद: 225अनु0जाति0जनजातिएंवपिछड़ी जाति योजनावार व्यय/ परिव्यय

मुख्य विकास मद: 225.2225- अनु0जाति/जनजातिएंव पिछड़ी जाति कैल्याण जी0एन0- 2

(हजार रूपये में)

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवी पंचवर्षीय योजना 1990-95	अनुमोदित परिव्यय 1990-91 कुल	पूंजीगत	अनुमोदित परिव्यय 1990-91 कुल	पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	पूंजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	चालू योजना									
1-	अनुसूचित जाति छात्रवृत्ति									
1.1	जूनियर हाई स्कूल स्तर कक्षा (6 से 8)	6982	11574	200	-	200	-	1600	-	1600
1.2	(1-5)	3292	6965	500	-	500	-	1016	-	1016
.2	विभाग द्वारा सहायता प्राप्त प्राइमरी पाठशाला	435	530	80	-	80	-	96	-	96
	पुस्तकालय एंव छात्रावास की अनुदान सुधार विस्तार									
3	विमुक्त जाति का कल्याण - विहार									
	छात्रवृत्ति									
3.1	जूनियरहाई स्कूल स्तर कक्षा(6-8)	80	140	-	-	-	-	35	-	35
3.2	प्राइमरी स्तर कक्षा (1-5)	80	160	-	-	-	-	40	-	40

अवधेया

उप-विकासमद: 225 अनुसूचितजातिजनजाति कल्याण एवंपिछड़ीजाति कल्याण
योजना वार व्यय/परिव्यय
जी०एन०- 2
हजाररुपयेमें

मुख्य विकास मद: 225, 2225 अनुसूचितजातिजनजातिएवंपिछड़ीजाति कल्याण |क्रमशः|

क्रमसं०	योजना	1992-93 प्रस्तावितपरिव्यय	1993-94 प्रस्तावितपरिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
	चालू योजना			
	अनुसूचितजाति			
1.	छात्रवृत्ति			
1.1	जूनियर हाईस्कूलस्तर कक्षा |6-8|	2442	3302	3950
1.2	प्राइमरीस्तर कक्षा |1-5|	1218	1650	2573
2.	विभाग द्वारा सहायताप्राप्त प्राइमरीपाठशाला, पुस्तकालय एवं छात्रावासको अनुदान, सुधारएवं विस्तार	104	120	130
3.	विमुक्त जातिकाकल्याण-शिक्षा			
	छात्रवृत्ति			
3.1	जूनियर हाईस्कूलस्तर कक्षा |6-8|	35	35	35
3.2	प्राइमरीस्तर कक्षा |1-5|	40	40	40

उप विकास मद: 225 -अनु0जाति, जनजातिएवं पिछड़ी जाति कल्याण   योजना वार व्यय/परिव्यय

जी0एन0- 2

मुख्य विकास मद: 225.2225 अनु0 जाति जनजातिएवं पिछड़ी जाति कल्याण §क्रमश:§

क्रमसं0:	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावितपरिव्यय	1994-95 प्रस्तावितपरिव्यय
1	2	12	13	14
4.	अन्यपिछड़ीजातियोंकाकल्याण-शिक्षाछात्रवृत्ति			
4.1	जूनियर हाईस्कूल स्तर कक्षा §6-से 8§	1030	1040	1051
4.2	प्राइमरी स्तर कक्षा 1-5§	900	950	971
5.	आर्थिक उत्थान			
5.1	कृषि §बागवानी विकास हेतुअनुदान	-	-	-
5.2	लघु कुटीर उद्योगविकास अनुदान	-	-	-
	योग:	5769	7226	8750

गीता

उप विकास मद: 226 श्रम एंव सेवायोजन
मुख्य विकास मद: 226.2230श्रम एंव सेवायोजन

योजनावार व्यय/परिव्यय
जी0एन0- 2

॥हजार रूपये में॥

क्र0सं0	योजना	1985-90 आठवीं पंचवर्षीय योजना वास्तविक व्यय	1990-95 नवीं पंचवर्षीय योजना अनुमोदित परिव्यय		1990-91 अनुमानितव्यय		1991-92 प्रस्तावित परिव्यय		
			कुल	पूंजीगत	कुल	पूंजीगत	राजस्व	पूंजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग:- शिल्पकार प्रशिक्षण										
1-	वर्तमान औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का विस्तार एंव सुदृढीकरण									
॥क॥	भवन भवन निर्माण	1960	1700	800	900	900	900	-	800	800
॥ख॥	वर्ष 87-88मोटर मैकेनिक एवं कडाई सिलाई महिला तथा वर्ष88-89में फिटर वायरमैन विद्युत मोटर मैकेनिक की द्वितीय यूनिट का खोला जाना	1240	2643	589	-	589	-	-	-	-
	योग शिल्पकार प्रशिक्षण	3200	4743	1489	900	1480	900	-	800	800
	विभाग सेवायोजन									
1-	सेवायोजन कार्यालय की स्थापना	-	2421	-	-	-	-	581	-	581
	योग सेवायोजन	-	2421	-	-	-	-	581	-	581

उप विकास मद: 226 श्रम एवंसेवायोजन योजनावार व्यय/परिव्यय

जीएन०- 2 §हजार रुपये में§

मुख्यविकासमद:. 226 2230 श्रम एवंसेवायोजन

क्र०सं०	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावितपरिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
विभाग: शिल्पकारप्रशिक्षण				
1.	वर्तमानऔद्योगिकप्रशिक्षण संस्थानोंका विस्तारएवं सुदृढ़ीकरण			
	§क§ भवन निर्माण	--	--	---
	§ख§ वर्ष 87-88मोटरमैकेनिक एवं कढ़ाईसिलाईमहिला तथा वर्ष 88-89में फिटर, वायरमैन, विद्युत मोटर मैकेनिक की द्वितीय यूनिट का खोलाजाना	464	861	729
	योग शिल्पकार प्रशिक्षण	464	861	729
	विभाग सेवायोजन			
1-	सेवायोजन कार्यालय की स्थापना	590	600 - 650	650
	योग सेवायोजन	590	600	650

उपविकास मद: 227 सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण

योजनावार व्यय/ परिव्यय

जी0एन0 - 2

लघु विकास मद: 227.2235 सामाजिक सुरक्षा कल्याण

॥ हजार रूपये में ॥

क्र0सं0	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमानित परिव्यय कुल	1990-91 अनुमानित परिव्यय पूंजीगत	1990-91 अनुमोदित व्यय कुल	1990-91 अनुमोदित व्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	विभाग- समाज कल्याण चालू योजना									
1.	नेत्रहीन बधिर तथा शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम विकलांगों को रखरखाव हेतु अनुदान	390	5277	357	-	357	-	600	-	600
2.	विभिन्न श्रेणी के विकलांग छात्रों तथा विभिन्न श्रेणी के विकलांग व्यक्तियों के बच्चों को शिक्षा व प्रशिक्षण हेतु अनुदान	-	13	1	-	1	-	-	-	-
3.	शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को कृत्रिम अंग/ सामान्य आदि खरीदने के लिये अनुदान	5	592	95	-	95	-	114	-	114
4.	निराश्रित विधवाओं को सहायता अनुदान	5642	12071	2326	-	2326	-	1415	-	1415
5.	अकिंचनों के दाह/ दफन संस्कार हेतु अनुदान	9	29	3	-	3	-	5	-	5
	योग समाज कल्याण	6046	17982	2782	-	2782	-	2134	-	2134

योजनावार व्यय/परिव्यय

उप विकास मद 227 सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण जी0 एन0 2

मुख्य विकास मद 227.2235 सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण

क्र0सं0	योजना	1992-93 प्रस्तावित परिव्यय	1993-94 प्रस्तावित परिव्यय	1994-95 प्रस्तावित परिव्यय
1	2	12	13	14
	विभाग समाज कल्याण			
1-	नेत्रहीन, बधिरतथा शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम विकलांगों को रखरखाव हेतु अनुदान	1440	1440	1440
2-	विभिन्न श्रेणी के विकलांग छात्रों तथा विभिन्न श्रेणी के विकलांग व्यक्तियों के बच्चों को शिक्षा व प्रशिक्षण हेतु अनुदान	4	4	4
3-	शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को कृत्रिम अंग साधनआदि ख खरीदने के लिये अनुदान	120	130	133
4-	निराश्रित विधवाओं को सहायक अनुदान	2220	2745	3365
5-	अकिंचनों के दाह/दफन संस्कारहेतु अनुदान	6	7	8
	योग समाज कल्याण	3790	4326	4950

उप विकास मद: 229 सामाजिकसुरक्षाएवंकल्याण योजनावार व्यय/परिव्यय
मुख्य विकासमद: 227 2236 पुष्टाहार जी0एस0- 2 हजार रुपयेमें

क्रमसं0	योजना	1992-93 प्रस्तावितपरिव्यय	1993-94 प्रस्तावितपरिव्यय	1994-95 प्रस्तावितपरिव्यय
1	2	12	13	14
1.	पूरक पुष्टाहार			
	[समाजकल्याण]	--	--	--
	योग पुष्टाहार	--	--	--

उप विकास मद: 229 सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण   योजनावार व्यय/ परिव्यय

मुख्य विकास मद: 227.2236 पुष्टाहार   जी0एन0- 2   § हजार रूपये में §

क्र०सं०	योजना	1985-90 वास्तविक व्यय	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95	1990-91 अनुमोदित परिव्यय कुल	1990-91 अनुमोदित परिव्यय पूंजीगत	1990-91 अनुमानित व्यय कुल	1990-91 अनुमानित व्यय पूंजीगत	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय राजस्व	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय पूंजीगत	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	पूरक पुष्टाहार § समाज कल्याण §	7016	833	833	--	833	-	--	--	-
	योग:- पुष्टाहार	7016	833	833	--	833	-	--	--	-

परिशिष्ट (तीन)-3

जी॰ एन॰ 3

भौतिक लक्ष्य एवं उपलब्धि

रूप पत्र 3

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

उप विकास मद: 101 कृषि एवं सम्वर्गीय जी0एन0 3 — कानपुर देहात

मुख्य विकासमद: 101-240 उपज पालन — हजार रूपये में

मद	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 के प्रारम्भ का स्तर	सातवीं योजना 1985-90 की वास्तविक उप0	आठवीं योजना 1990-95 के लक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	93-94 लक्ष्य	94-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग कृषि										
चालू योजना										
1- गुणात्मक बीजों के सम्वर्धन सम्वर्धन संग्रहण एवं वितरण										
(क) उन्नतशील बीजों का उत्पादन	कु0	7065	1048	9000	1500	1500	1650	1730	2090	2450
2- केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित दलहन फसल के उत्पादन		-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग कृषि		7065	1048	9000	1500	1500	1650	1730	2090	2450
विभाग कृषि रक्षा										
चालू योजना										
1- गेहूं की फसल पर गेरूआ एवं जंगली जई खरपतवारों का नियन्त्रण की केन्द्र पोषित योजना	ह0है0	500	-	-	-	-	-	-	-	-
2- कृषि रक्षा का सुदृढ़ीकरण										
(क) कपास योजना	हे0	-	-	[illegible]9	0.20	0.20	0.25	0.32	0.39	0.46

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
(ख) कृषिसहत्व केकीट आगतथा आलूकेकीट/रोग नियत्रण की योजना	हे0	-	-	6.00	-	-	1.50	1.92	2.33	2.77
(ग) धान की फसलकेखरपतार केनियत्रण की योजना विभाग उद्यान	,,	-	-	4.8	-	-	1.20	1.53	2.33	2.77
1- औद्यानिक फसल-										
(क) पौधशाला की स्थापना	सं0	3	-	-	-	-	-	-	-	-
(ख) फलदार पौधउत्पादन	ला0सं0	3.0	10.4	0.7	0.7	0-7	-	-	-	-
(ग) सागभाजीबीज उत्पादन	कु0	30	170	50	50	50	-	-	-	-
(घ) आलू बीज उत्पादन	कु0	-	300	300	300	300	-	-	-	-
2- हरिजन एवं जनजातिबाहुल्य क्षेत्रों मेंऔद्यानिकविकास										
(क) अल्पकारीफलदारपौधवितरण	हे0सं0	10	30	35	6	6	6	7	8	8
(ख) सागभाजी क्षेत्र में वृद्धि	हे0	30	150	198	30	30	35	38	47	48
(ग) आलूक्षेत्र में वृद्धि		24	120	144	24	24	25	27	33	35
(घ) प्रशिक्षण	सं0	150	750	162	200	200	200	208	267	277

श्रीवास्तव/

उपविकास मद: 101 कृषि एवं सम्वर्गीय सेवायें

मुख्यविकास मद: 101.2401 उपजपालन

रूपपत्र- 3

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जी- एन0- 3

मद	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 के प्रारम्भ का स्तर	सातवीं योजना 1985-90 की वास्तविक उपलब्धि	आठवीं पंचवर्षीय योजना 1990-95 के लक्ष्य	1990-91 लक्ष्य	1990-91 अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग: फलसंरक्षण										
प्रसंस्करण एवं विधायन योजना										
क- सामुदायिक कार्यक्रम	सं0	-	-	-	-	-	4000	5000	5000	5000
ख- अल्पकालीन प्रशिक्षण	सं0	-	-	-	-	-	100	200	250	300
ग- खाद्य, संरक्षण, कुकरी तथा बेकरी एवं कान्फेक्शनरी के चल प्रदर्शन	सं0	-	-	-	-	-	50	50	100	150
घ- खाद्य संरक्षण कुकरी तथा बकरी एवं कान्फेक्शनरी उत्पादन	के0ग्रा0	-	-	-	-	-	25	25	50	100

उप विकास मद: 101 कृषि एवं सम्बर्गीय सेवायें
मुख्य विकास मद 101.2401उपजपालनक्रमश:

रूपपत्र - 3
भौतिक लक्ष्य/ उपलब्धि
जी0एन0- 3

मद	इकाई	सातवीं योजना 1085-90के प्रारम्भ का स्तर	सातवीं योजना 1985-90की वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 1990-95 के लक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग गन्ना विकास:-										
1. गन्ना रक्षायत्रों को सस्ते दर पर उपलब्ध कराने की योजना	सं0	2	85	330	20	20	30	60	100	120
2. गन्ना बीज के यातायात हेतु वित्त अनुदान देने की योजना	हे0	2.9	1.4	7.3	1.0	1.0	1.1	1.7	1.7	2.2
3. आधार गन्ना बीज उत्पादन की योजना:-	हे0	43.1	545.7	730.0	100.0	100.0	110	130.0	170.0	220.0
4. उ0 प्र0 में गन्ना विकास की योजना	हे0	13.4	190.4	315.0	45.0	45.0	50.0	60.0	70.0	90.0
5. चीनी मिलों के 16कि0मी0परिधि में सघन्न गन्ना विकास योजना	हे0									
(क) भूमि उपचार	हे0	40.7	4103.0	14123.0	1800.0	1800.0	2070.0	2702.8	3484.7	4065.7
(ख) बीज उपकरण	हे0									
(ग) , बेड़ी छिड़काव										
6. चीनी मिलों में गन्ना विकास योजना	सं0	13	13	13	13	13	13	13	13	13

उपविकास मद: 101 कृषि एवं सम्बर्गीय सेवायें   रूपपत्र - 3

मुख्य विकास मद: 101240 उपजपालन   भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जी0एन0- 3

मद	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 के प्रारम्भ का स्तर	सातवीं योजना 85-90 की वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 1990-95 के लक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग: लघु एवं सीमान्त कृषकों को सहायता										
चालू योजना										
1. लघु एवं सीमान्त कृषकों को उत्पादकता बढ़ाने हेतु सहायता										
(क) नि:शुल्क बोरिंग सं0 एवं मिनी कैट		67845	15066	32967	5400	5400	5940	6534	7187	7906
योग चालू योजना		67845	15066	32967	5400	5400	5940	6534	7187	7906
विभाग: कृषि विपणन										
चालू योजना:-										
कृषि उपज के भण्डारण हेतु ग्रामीण गोदामों का निर्माण		-	-	-	-	-	-	-	-	-

उपविकासमद: 101 कृषि उत्पादन एवं तत्सम्बन्धी सेवायें

मुख्यविकासमद: 101.2401 उपज पालन

रूपपत्र- 3

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जी.एन.- 3

मद	इकाई	सातवीं योजना 1995-90 प्रारम्भ का स्तर	सातवीं योजना 1985-90 की वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 1990-95 के लक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य	वर्ष 1990-91 अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग: भूमि एवं जल संरक्षण										
1. प्रदेश के मैदानी भागों में भूमि एवं जल संरक्षण की योजना		-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. उ0प्र0 में ऊसरी एवं अल्कलाइन भूमि सुधार योजना		-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. उ0प्र0 में खड्ड भूमि के पुर्नवास की योजना		-	-	-	-	-	-	-	-	-

सपतना/

उपविकासमद: 101 कृषि एवं सम्बन्धी सेवायें रूपपत्र- 3

मुख्य विकासमद: 101.2403 पशुपालन भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि जी0एन0- 3

मद	इकाई	सातवीं योजना 85-90 के प्रारम्भ का स्तर	सातवीं योजना 1985-90 वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 1990-95 के लक्ष्य	1990-91 के लक्ष्य	1990-91 अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
चालू योजना										
1. पशु चिकित्सालयों की स्थापना	सं0	24	7	6	1	1	1	1	1	2
2. पशु चिकित्सालयों के भवनका निर्माण	सं0	-	6	6	-	-	2	1	1	2
3. अति हिमीकृत पद्धति से कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों की स्थापना	सं0	22	32	36	6	6	12	6	6	6
4. बकरा केन्द्रों की स्थापना		2	7	7	1	1	2	2	1	1
5. नैसर्गिक प्रजनन हेतु पशु चिकित्सालय पर सूकर केन्द्रों की स्थापना	सं0	1	4	9	-	-	7	-	-	2
6. पशु प्रदर्शनी का आयोजन		-	5	5	1	1	1	1	1	1
7. चारा/चारा बीज तथा चरागाह के विकास की योजना		-	-	-	-	-	-	-	-	-

कातम्द: 101 कृषिएवंतम्बगीयसेवायें रूपपत्र - 3

केगतम्द:101.2403 पशुपालन(....) जी. एन- 3

	इकाई	सातवींयोजना 1985-90के प्रारम्भका स्तर	सातवीं योजना 85-90की वास्तविक उपलब्धि	आठवींयोजना 1990-95के लक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य	वर्ष 1990-91 अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
ग्रौष्ठा पशुधन दन प्रजननकार्यक्रम										
गर्भीकरबछियापोषणा										
म	तं0	-	1437	1704	275	275	275	330	385	440
कुक्कुटपालन		-	187	1120	180	180	180	220	250	290
सुअरपाड़ियापोषणा		-	-	620	100	100	100	120	140	160

55555

प्रपत्र
भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि
जी०एन०-3

मद	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 परिव्यय स्तर	सातवीं योजना 1985-90 वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 1990-95 कुल लक्ष्य	1990-91 लक्ष्य	1990-91 अनुमानित	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग: दुग्धशाला विकास										
1. समितियों में दुग्ध उत्पादन दुग्धशाला हेतु तकनीकी निवेश (5 समितियों हेतु)										
1.1 दुग्ध क्रय मीटर इलेक्ट्रानिक			–	8	–	–	2	2	2	2
1.2 आई.एस. कन्टेनर		-	·	1						
(क) 50 लीटर क्षमता के		–	–	16	–		4	4	4	4
(ख) 25 लीटर क्षमता के		–	–	16	–	–	4	4	4	4
(ग) 20 लीटर क्षमता के		–	–	32	–	–	8	8	8	8
1.3 एस.ओ. मिक्सिंग एवं अन्य			–	36	–	–	9	9	9	9
1.4 एसिड रैको		–	–	4	–	–	1	1	1	1
2. नई समितियों का गठन एवं सुदृढ़ीकरण		–	–	200	–	–	50	50	50	50
3. डेरी विस्तार योजना										
3.1 उपकरण आदि		–	–	4	–	–	दुग्ध पैकिंग मशीन	बटर चर्न एवं एण्ड टीके	मिल्क पाश्च्यूराइजर	दही सेट/गफ्फ्टेइजर
3.2 पाउच फिलिंग मशीन		–	–	3	–	–	1	1	1	+
3.3 एयरकम्प्रेसर सेट		–	–	4	–	–	1	1	1	1
3.4 स्प्रेयर		–	–	4	–	–	1	1	1	1

रूपपत्र - 3
भौतिकलक्ष्य-उपलब्धि
जी0 एन0- 3

मद	इकाई	सातवींयोजना 1985-90के प्रारम्भकास्तर	सातवींयोजना 1985-90की वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 1990-95 केलक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य	1990-91 अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
3.5 एस. एल./जी0आई0पी इम्प्ल		-	-	-	-	-	-	-	-	-
3.6 विद्युतीकरण	सं0	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3.7 उपकरण इत्यादि	सं0	-	-	3	-	1	-	क्रेटवाशिंगयूनिट		आइस्क्रीमप्लांट
3.8 " "	"	-	-	2	-	वोल्टेजस्टेबलाइजर-		क्रीमसेपरेटर	-	-
3.9 अन्य	"	-	-	2	-	-	1	-	1	-
4. आवासीयभवननिर्माण	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-
विभाग मत्स्य										
1. तालाब सुधार (चालूयोजना) बैंकों द्वारा स्वीकृतप्रस्ताव	है0	630	717.5	700	120	120	145	145	145	145
2. मत्स्यपालकोंकोप्रशिक्षण	सं0	425	461	700	120	120	145	145	145	145
विभाग:-वन										
1. वृक्षारोपण	है0	1358	942	930	130	130	150	200	210	240
2. अग्निसुरक्षाकार्य.	है0	1289	866	930	130	130	150	200	210	240
3. पुराने वृक्षारोपणोंका रखरखाव है	है0	-	866	550	491	491	621	280	350	400
4. पौधों का उगाना	ला0सं0	27	24	366	48	48	48	70	90	110
5. वनमनोरंजनकेन्द्रकाविकास	सं0	2	2	2	1	1	1	1	1	1

[illegible] कृषि एवं सम्बद्ध सेवाएं

उपविकास मद: 101.2425 सहकारिता

भौतिक लक्ष्य/ उपलब्धियां
जी0एन0- 3

मद	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 के प्रारम्भ का स्तर	सातवीं योजना 1985-90 की वास्तविक उपलब्धियां	आठवीं योजना 1990-95 के लक्ष्य	1990-91 लक्ष्य	1990-91 अनुमानित उपलब्धियां	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
सहकारिता विभाग										
चालू योजना:-										
1. प्रारम्भिक कृषि ऋण समितियां										
(क) सदस्यता वृद्धि	सं0	233392	17484	126000	25000	25000	20000	24000	27000	30000
(ख) अंशदान वृद्धि	ह0सं0	852	642	31500	6000	6000	5000	6000	7000	7500
(ग) अल्पकालीन ऋण वितरण	"	45372	45372	366400	60400	60400	61000	73000	82000	90000
(घ) मध्यकालीन ऋण वितरण	ह0	4654	4456	60300	9800	9800	10000	12000	135000	15000
2. क्रय विक्रय सहकारी समितियां										
(क) सदस्यता वृद्धि	सं0	19650	25159	6050	1000	1000	1000	1200	1350	1500
(ख) अंशदान वृद्धि	सं0	913	2113	1210	200	2 0	200	240	270	300
3. विपणित वस्तु का मूल्य										
(क) उर्वरक	ह0 रु0	355	1327	13200	2200	2200	2200	2500	3000	3300
(ख) खाद्यान्न	"	1799	59	40200	6600	6600	6600	8000	9000	10000
(ग) अन्य	"	3340	2650	99700	16200	16200	16500	19800	22200	25000
4. उपभोक्ता व्यवसाय	ह0सं0	8328	3677	331000	53000	53000	53000	66000	75000	82000

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

उपविकासमद: 102.2508 2505 एवं 2506 जे०एन०- 3
ग्राम्य विकास के विशेष कार्यक्रम तथा ग्रामीण रोजगार

मद	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 के प्रारम्भ का स्तर	सातवीं योजना 1985-90 वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 1990-95 का लक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य	1990-91 अनुमानित	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग: ग्राम्य विकास अभिकरण										
चालू योजना:-										
1. एकीकृत ग्राम्य विकास कार्यक्रम लाभार्थियों की	सं०	33633	73657	78912	10829	10829	10912	15118	18935	23118
2. जवाहर रोजगार योजना सृजित मानव दिवस	ला० सं०	-	125.6	175.0	27.3	27.3	30.0	34.6	39.4	43.7
विभाग: भूमि सुधार:-										
सीलिंग भूमि आवंटियों को आर्थिक सहायता	सं०	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विभाग: पंचायती राज										
चालू योजना:-										
1. ग्राम सभाओं को प्रोत्साहन	सं०	15	15	15	3	3	3	3	3	3
2. स्वच्छ शौचालय निर्माण	सं०	-	-	24011	4014	4014	5000	5000	5000	5000

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जी० एन०- 3

मद	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 के प्रारम्भ का स्तर	सातवीं योजना 1985-90 कर की वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 1990-95 के लक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य	वर्ष 1990-91 अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग: सामुदायिक विकास तथा ग्राम्य विकास										
1. विकास खण्डों/जिला विकास कार्यालय भवनों का निर्माण तथा विद्युतीकरण	सं०	-	27	274	68	68	25	83	71	27
विभाग: निजी लघु सिंचाई										
चालू योजना:-										
1. पम्पिंग सेट	सं०	19208	33598	27000	5400	5400	5400	5400	5400	5400
2. नलकूप	सं०	12762	13675	1000	200	200	200	200	200	200
3. निजी बोरिंग	सं०	85	15653	2700	5400	5400	5400	5400	5400	5400
4. सिंचन क्षमता	सं०	156'04	1402.6	135.0	135.0	27.0	27.0	27.0	27.0	27.0
5. बोरिंग गोदाम (केन्द्रीय स्तर पर)	"	4	17	1	-	-	1	-	-	-
राजकीय लघु सिंचाई:-										
1. नवीन निर्माण कार्य										
1.1 छिद्रण	सं०	38	38	30	6	6	6	6	6	6
1.2 विकसन	सं०	38	38	30	6	6	6	6	6	6
1.3 पम्पगृह	सं०	38	38	30	6	6	6	6	6	6
1.4 पम्पसेट	सं०	38	38	30	6	6	6	6	6	6

गीता

भौतिकलक्ष्य: उपलब्धि
जी०एन०– 3

मद	इकाई	सातवीं योजना 1985–90 के प्रारम्भ का स्तर	सातवीं योजना 1985–90 की वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 1990–95 के लक्ष्य	वर्ष 1990–91 लक्ष्य	1990–91 अनुमानित	1991–92 लक्ष्य	1992–93 लक्ष्य	1993–94 लक्ष्य	1994–95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	8	10	11
1.5 उर्जीकरण	सं०	38	38	30	6	6	6	6	6	6
1.6 पी०वी०सी० कि०मी० पाइपलाइन		76.0	70.0	48.0	–	–	12.0	12.0	12.0	12.0
1.7 फील्डचैनल	"	114.0	59.0	72.0	–	–	18.0	18.0	18.0	18.0
1.8 एलीवेटेडवैक्स	सं०	38	38	30	6	6	6	6	6	6
1.9 भूमिअर्जन प्रतिकर		38	–	24	–	–	–	–	–	–
1.10 हैण्डपम्प	सं०	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2. अवशेष कार्य:										
2.1 पक्की गूलनिर्माण	कि०मी०	15.0	11.0	23.0	3.0	3.0	5.0	5.0	5.0	5.0
2.2 पी०वी०सी० पाइपलाइन	"	70.0	50.0	218.0	68.0	68.0	35.0	35.0	40.0	40.0
2.3 फील्डचैनल		50.0	13.0	96.0	–	–	24.0	24.0	24.0	24.0
3. पुन: निर्माण:–										
3.1 छिद्रण	सं०	15	13	22	6	6	4	4	4	4
3.2 निकासन सं०	सं०	15	13	22	6	6	4	4	4	4
3.3 पम्पगृह	सं०	15	13	22	6	6	4	4	4	4
3.4 पम्पप्लेट सं०	सं०	15	13	22	6	6	4	4	4	4
3.5 उर्जीकरण	सं०	15	13	22	6	6	4	4	4	4
3.6 गर्ल्डर् [illegible]	सं०	50.0	12.0	42.0	2.0	2.0	10.0	10.0	10.0	10.0
3.7 …त्मक कार्य वेदी	सं०	–	–	12	–	–	3	3	3	3
3.8 कनेक्टिंग गूल	सं०	15	13	22	6	6	4	4	4	4

मुख्य विकास मद: सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण रूपपत्र- 3

उप विकास मद: 104. 2204 लघु सिंचाई जी0एन-3

मद	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 के प्रस्तावित स्तर	सातवीं योजना 1985-90 की वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 1990-95 के लिये	वर्ष 90-91 लक्ष्य	वर्ष 90-91 अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग राजकीय लघु सिंचाई :-										
4. अन्य कार्य										
4.1 पम्पसैट का बदलना	सं0	80	74	50	10	10	10	10	10	10
4.2 मोटर का बदलना	"	60	62	-	-	-	-	-	-	-
4.3 स्टार्टर एवं रोटर का बदलना	सं0	-	-	25	5	5	5	5	5	5
4.4 टी.पी. स्विच का बदलना	सं0	150	100	215	50	50	45	40	40	40
4.5 स्टार्टर का बदलना	सं0	80	65	240	80	80	40	40	40	40
4.6 पी.वी.सी. की विंक का बदलना	सं0	-	-	144	44	44	25	25	25	25
विभाग- विद्युत										
1. ग्रामों का विद्युतीकरण	सं0	644	365	335	61	61	61	61	61	61
2. हरिजन बस्तियों का विद्युतीकरण	सं0	301	309	330	66	66	66	66	66	66
3. निजी नलकूपों का विद्युतीकरण	सं0	3603	929	1000	200	200	200	200	200	200

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जी0एन0- 3

मद	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 के प्रारम्भ का स्तर	सातवीं योजना 1985-90 की वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 90-95 के लक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य	वर्ष 1990-91 अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग: जिला उद्योग केन्द्र										
1. उद्यमिता विकास कार्यक्रम	सं0	34	34	[illegible]	24	24	24	30	30	30
2. मेला प्रदर्शनी सेमिनार		24	24	14	2	2	2	3	3	4
3. औद्योगिक आस्थानों का रखरखाव		-	-	-	-	-	-	-	-	-
4. जिला उद्योग केन्द्र मार्जिन मनी ऋण	सं0	33	33	45	7	7	8	10	10	10
5. एकरूत मार्जिन मनी ऋण		53	53	35	35	40	50	60	60	70
विभाग: हथकरघा										
1. बुनकर सहकारी समितियों की हिस्सा पूंजी ऋण	सं0	-	-	15	1	1	2	3	4	5
2. हथकरघा का आधुनिकीकरण		-	-	12	1	1	2	2	3	4
3. बुनकर समितियों को प्रबंधकीय सहायता	सं0	-	-	16	2	2	3	3	4	4
4. रेशम कोया उत्पादन	कि0ग्रा0	2626.0	10642.9	25391.0	3500.	3500.0	3800.0	4844.0	5918.0	7329.0
शहतूत कोया उत्पादन	लाख सं0	-	6.57	18.6	2.0	2.0	2.5	3.5	4.6	6.0
5. शहतूत वृक्षारोपण		-	2.14	18.6	2.0	1.70	2.5	3.5	4.6	6.0

रूपपत्र - 3

भौतिक लक्ष्य/ उपलब्धि

जी0एन0- 3

मद	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 के प्रस्तर का स्तर	सातवीं योजना 1985-90 वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 1990-91 के लक्ष्य	वर्ष लक्ष्य अनुमानित उपलब्धि	1990-91	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
विभाग - लोक निर्माण विभाग	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1. ग्रामीण मार्गों का पुन: निर्माण	कि0 मी0	11.35	81.0	15.40	11.40	11.40	1.0	1.0	1.0	1.0
2. ग्रामीण मार्गों का निर्माण		-	3.35	212.0	-	-	53.0	53.0	53.0	53.0
3. लघु सेतुओं का पुन: निर्माण	सं0	3	12	4	4	2	2	2	2	2
4. नवीन लघु सेतुओं का निर्माण	सं0	-	16	12	4	4	2	2	2	2
5. छूटी कड़ियों का निर्माण	कि0मी0	-	16.0	16.0	3.2	3.2	3.2	3.2	3.2	3.2
6. मिटटी पुलिया सड़क आदि का निर्माण	कि0मी0सं0	134.61	276.8	36.8	36.8	60	60	60	60	60

रूपपत्र - 3

उप विकास मद: 11 सामान्य आर्थिक सेवायें — भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

मुख्य विकास मद: 110.3552 पर्यटन एंव 110.3454 अर्थ एंव संख्या — जी0 एन0- 3

मद	इकाई	सातवी योजना 1085-90 के प्रस्तर का स्तर	सातवी योजना 1085-90 की वास्तविक उपलब्धि	आठवी योजना वर्ष 1990-95 के लक्ष्य	1990-91 लक्ष्य अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग- पर्यटन										
1. मुक्तादेवी मंदिर का पर्यटन विकास	सं0	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. क्षेत्रपाल मंदिर का सौंदर्यीकरण	"	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. ग्राम बनीपारा डेरापुर में स्थित बाणेश्वर महादेव का सौंदर्यीकरण	"	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4. नानामऊ का पर्यटन विकास	"	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विभाग- अर्थ एंव संख्या										
1. विभिन्न विकास कार्यक्रमों के अनुश्रवण एंव मूल्यांकन अध्ययन।	"	-	8	-	-	2	2	2	3	2
2. अर्थ एंव संख्याधिकारी कार्यालय का सुदृढ़ीकरण										
2.1 डिस्पले बोर्ड	"	-	8	-	-	2	2	2	2	2
2.2 बार डाई ग्राम बोर्ड	"	-	8	-	-	2	2	2	2	2

रूपपत्र- 3

उप विकास मद: 221 शिक्षा
मैख्य विकास मद221.2202सामान्य शिक्षा

भौतिक लक्ष्य/ उपलब्धि

जी0एन- 3

मद	इकाई	सातवी योजना 1985-90 के प्रस्तर का स्तर	सातवी योजना 1985-90 की वास्तविक उपलब्धि	आठवी योजना 1990-95 के लक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1994 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग- बेसिक शिक्षा										
1. ग्रामीण क्षेत्रों नमिश्रित बे0 स्कूल खोलने हेतु अनुदान	सं0	271	21	250	52	52	17	60	60	61
2. ग्रामीण क्षेत्रों में बालक /बालिकाओं के सी0बे0 स्कूल खोलने हेतु अनु0		99	21	17	+	+	02	05	05	05
3. योग्यता छात्रवृत्ति		191	191	191	191	191	191	191	191	191
4. असहायिक मान्यताप्राप्त सी0 बे0 स्कूलों को अनुरक्षण अनु0		61	-	25	5	5	5	5	5	5
5. अशुकालिक कक्षाओं हेतु अनुदान		100	600	11 00	1100	1100	1100	1100	1100	1100
6. ज0बे0 स्कूलों में विज्ञान शिक्षा एंव शिक्षण सामग्री		826	60	1277	1277	1277	1229	1346	1406	1466
7. सी0बे0 स्कूलों में विज्ञान शिक्षा		110	32	78	10	10	17	17	17	17
8. जर्जर/ क्षतिग्रस्त ज. बे. स्कूल भवन निर्माण एंव मरम्मत		509	387	509	122	122	237	50	50	50
9. सी. बे. स्कूलों के भवन निर्माण		92	49	43	4	4	4	10	10	15
10. बेसिक स्कूल के अध्यापकों को राज्य पुरस्कार		70	69	50	10	10	10	10	10	10

रूपपत्र - 3

भौतिक लक्ष्य/ उपलब्धि

जी0एन0 3

उप विकास मद: 221 शिक्षा

मुख्य शिक्षा मद: 221.2202 सामान्य शिक्षा

मद		इकाई	सातवीं योजना 1985-90 प्रारम्भ का स्तर	सातवीं योजना 1985-90 वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 1990-91 के लक्ष्य	वर्ष लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1990-91 लक्ष्य	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
11. खेलकूद रैली		सं0	1	1	1	1	1	1	1	1	1
13. प्रारम्भिक विद्यालयों में बालचर कार्यक्रम		सं0	-	-	-	-	-	-	-	-	-
13 राजकीय सी.बे.स्कूलों के भवन एवं छात्रावास		"	-	-	-	-	-	-	-	-	-
14. जिला बेसिक शि0अ0के कार्यालय भवन निर्माण			-	-	-	-	-	-	-	-	-
विभाग माध्यमिक शिक्षा											
1. प्रदेश के प्रत्येक जिलेमें कक्षा6-8 में बालकों को 30/ तथा बालिकाओं को 40 /- दर से तीन वर्ष के लिए योग्यता छात्रवृत्ति			378 40	378	808	189	189	202	202	202	203
2. विभिन्न स्तरों पर खेलकूद बालचर कार्यक्रम रैली तथा शिविरों का आयोजन		-	40	40	30	10	10	5	5	5	5
3. राजकीयजिला पुस्तकालयों का विकास तथा नए पुस्तकों की स्थापना			1	1	1	1	1	1	1	1	1
4. सहायतामान्यता प्राप्त उ.मा.वि. अनुरक्षण अनुदान			-	-	20	4	4	4	4	4	4

उप विकासमद: 221 शिक्षा

रूपपत्र -3

मुख्य विकासमद 221.221 221 270 सामान्य शिक्षा भौतिक लक्ष्य/ उपलब्धि

जी0एन0 - 8

मद	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 प्रस्तर का स्तर	सातवीं योजना 1985-90 की वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 1990-95 के लक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य	1990-91 अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
5. विकासखण्ड स्तर पर एक राजकीय कन्या उ.मा.वि. को खोला जाना-		-	-	17	3	3	4	4	3	3
6. कक्षा 9-12 के बालकों की शुल्कमुक्ति हेतु क्षति पूर्ति		-	-	102	102	102	102	102	102	102
7. उ.मा.वि. में छात्रवृत्ति पर विस्तार एवं शिक्षणार्थ निर्धारित हेतु अनुदान		9	9	120	24	24	24	24	24	24
8. संस्कृत पाठशालाओं को विकास अनुदान		-	–	12	-	–	3	3	3	3
9 सार्वजनिक पुस्तकालयों को अनावर्तक अनुदान		9	9	40	4	4	6	8	10	12
10 राजकीय बा0उ.मा.वि. में वर्ती की व्यवस्था		-	-	2	1	1	2	2	02	02
11. राजकीय इ0का0 में अति0 अनुभाग खोलने तथा नए विषयों का समावेश -		-	-	12	-	-	3	3	3	3
12. रा.उ.मा.वि. के भवन निर्माण एवं विद्युतीकरण	-	-	-	1	-	-	1	1	1	1

उप विकासमद: मद22। विकास
मुख्य विकासमद: 221.2204खेलकूद एंव युवाकल्याण

रूपपत्र - 3
भौतिक लक्ष्य/ उपलब्धि
जी०एन- 3

मद	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 के प्रस्तर का स्तर	सातवीं योजना 1985-90 की वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 1990-95 के लक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग- खेलकूद-										
1. विभिन्न खेलकूद प्रतियोगताओं का आयोजन	सं०	-	12	30	6	6	6	6	6	6
2. ग्रामीण क्षेत्रों में राजकीय/अराजकीय स्कूलों के खेलकूद केन्द्रों की स्थापना	सं०	-	4	-	-	-	-	-	-	-
विभाग- युवाकल्याण										
1. स्वयं सेवकों की वर्दी	सं०	115	240	900	225	170	170	180	190	190
2. युवक महिला मंगल दलों को प्रोत्साहन	सं०	5	55	1280	310	170	255	255	300	300
3. ब्लाक/जिला स्तर युवक मंगल दलों की तैनाती	सं०	18	18	90	18	18	18	18	18	18
4. समाजसेवा हुर्गा सेवा प्रदर्शनी	सं०	6	1	98	18	18	20	20	20	20
5. ग्रामीण खेलकूद आयोजन	सं०	18	18	90	18	18	18	18	19	18
6. ग्रामीण युवकों का व्यवसायिक रोजगार	सं०	25	25	104	25	34	-	30	34	40

उप विकासमद: 221 शिक्षा
मुख्य विकासमद: 221.2204 खेलकूद एवं युवा कल्याण

प्रपत्र - 3
भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि
जी0एन0- 3

मद	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 के प्रस्तर का स्तर	सातवीं योजना 1985-90 वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 1990-91 के लक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य	1990-91 अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
7. ग्रामीण क्षेत्रों में व्यायाम शाला स्थापना		1	1	5	1	1	1	1	1	1
8. श्रमदान कार्य		1	-	6	17	1	-	2	2	2
9. युवाओं का तैराकी प्रशिक्षण	-	-	1	-	-	1	-	-	-	-
10. युवक मंगल दलों का स्पोर्ट्स एवार्ड	-	-	1	12	1	4	2	2	2	2
11. साहसिक कार्यक्रम	-	-	-	130	30	-	5	60	60	60
12. सांस्कृतिक कार्यक्रम	-	-	-	-	1	18	-	-	-	-
13. महिला संगठन को मानदेय	-	-		12	1	1	-	4	4	4
14. व्यायाम प्रशिक्षक मानदेय	-	-		12	2	2	-	4	4	4

उपविकास मद 222 चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य

मुख्य विकास मद : 222.2210 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

प्रपत्र - 3

भौतिक लक्ष्य / उपलब्धि

जी एन0 - 3

मद	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 का प्रस्तर का स्तर	सातवीं योजना 1985-90 वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 1990-91 के लक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य	1990-91 अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग-एलोपैथिक एवं होम्योपैथिक चिकित्सा										
1. वर्तमान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण सं0	सं0	15	3	9	1	1	2	2	2	2
2. उप केन्द्रों की स्थापना		358	95	-	-	-	-	-	-	-
3. उपकेन्द्रों का भवन निर्माण	सं0	28	6	45	5	5	10	10	10	10
4. नये प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना	सं0	35	31	11	11	11	-	-	-	-
5. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना	सं0	3	3	5	1	1	1	1	1	1
6. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण	सं0	3	3	5	5	1	1	1	1	1
7. दन्त रूजालय	सं0	4	4	7	.	-	3	2	1	1
8. बाल रूजालय	सं0	-	-	7	3	3	1	1	1	1
9. होम्योपैथिक चि0 स्था0	सं0	17	4	9	3	3	3	1	1	1
10. होम्यो चिकित्सालय भवन निर्माण	सं0	-	-	10	-	-	2	2	4	2
11. नसबंदी कार्यक्रम	सं0	16130	58112	65449	12499	12499	12500	13000	13500	14000
12. लूप निवेशन कार्यक्रम	सं0	9209	105485	127607	24807	24807	25000	25500	26000	26500

रूपपत्र - 3

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जी0एन0- 3

मद	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 के प्रस्तर स्तर	सातवीं यो0 1985-90 वास्तविक उपलब्धि	आठवीं यो0 1990-95 के लक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
13. मातृएवं शिशु कल्याण कार्यक्रम शिशु प्रतिरक्षण डी.पी.टी		34175	273881	343332	68322	68322	68500		69500	70000
विभाग- आयुर्वेदिक यूनानी चिकित्सालय										
1. राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सालयों की स्था0	सं0	12	6	29	6	4	3	3	3	3
2. 25 शैय्यायुक्त आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकि0 की स्था0	सं0	-	-	3	2	1	1	-	1	-
3. राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सालयों का प्रोन्नयन	सं0	12	-	5	1	1	1	1	1	1
4. राजकीय आयुर्वेदिक यूनानी चिकि0 एवं भवन निर्माण	सं0	-	-	6	2	-	1	1	1	1
5. क्षेत्रीय आयुर्वेदिक यूनानी कार्यालय की स्थापना	सं0	-	-	1	-	-	1	-	-	-

रूपपत्र - 3

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जी0एन0 3

मद	इकाई	सातवीं यो0 1985-90 प्रस्तरका स्तर	सातवीं यो0 1985-90 वास्तविक उपलब्धि	आठवीं यो0 1990-95 के लक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य	1990-91 अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग- जल निगम										
ग्रामीण जल सम्पूर्ति न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम										
1. बरौर ग्राम समूह पेय जल योजना	सं0	-	-	-	-	-	1	-	-	-
2. सेंदलपुर ग्राम समूह पेय जल योजना	"	-	-	-	-	-	1	-	-	-
3. ग्रामों में इण्डियामार्क-2 हैण्ड पम्पों का अधिष्ठापन	"	24	2993	3250	604	604	500	500	500	500
4. ग्राम पाइपयोजनाओं का रखरखाव	"	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5. लाभान्वित ग्राम	"	10	778	539	104	104	106	106	106	117
6.										
विभाग- ग्राम्य विकास विभाग										
1. हैण्ड पम्पों की सं0	"	279	1851	1837	300	300	330	365	402	440

रूपपत्र - 3

भौतिक लक्ष्य/उपलब्धि

जी0एन0 - 3

मद	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 प्रस्तर का स्तर	सातवीं योजना 1985-90 वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 1990-91 के लक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य	1990-91 अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विभाग- राजस्व										
1. आवासीय भवन	सं0	-	-		1	-	1	1	1	1
विभाग- लोक निर्माण विभाग										
पुलिस आवास	सं0	-	-	निर्माणाधीन						
विभाग- ग्राम्य विकास										
ग्रामीण आवास निर्माण सहायता	सं0	1050	7825	28401	4653	4653	5118	5629	6191	6810
विभाग - सूचना										
1. किसान मेला प्रदर्शन	सं0	-	-	[illegible]	-	-	15	15	15	15
2. गीत एवं नृत्य	सं0	-	-	20	-	-	5	5	5	5
3. प्रकाशन	सं0	-	-	80	-	-	20	20	20	20

रूपपत्र - 3

भौतिक लक्ष्य/ उपलब्धि

जी0एन0- 3

मद	इकाई	सातवी योजना 1985-90 का प्रस्तर का स्तर	सातवी योजना 1985-90 की वास्तविक उपलब्धि	आठवी योजना 1990-95 के लक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य	1990-91 अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1. अनुसूचित जाति कल्याण छात्रवृत्ति										
1. जू0हा0 स्कूल स्तर 6-8	सं0	1790	12422	47225	14000	14000	10175	11193	12313	13544
2. प्राइमरी स्तर (1-5)	सं0	1	31890	50000	7056	7056	8000	9600	11520	13824
3. प्राइमरी स्तर विमुक्तजाति (1-5)	सं0	-	-	1332	-	-	333	333	333	333
4. जू0हा0 स्कूल स्तर (6-8)	सं0	-	-	972	-	-	243	243	243	243
5. विभाग द्वारा सहायता प्राप्त प्रा॰पा॰ को अनुदान	सं0	-	-	44	-	-	1	1	1	1
6. शुल्क छतपूर्ति अनुदान	सं0	-	-	74844	-	-	18661	18661	18661	18661
विभाग- शिल्पकार प्रशिक्षण										
(क) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान घाटमपुर प्रशिक्षण संस्थान में प्रस्तावित व्यवसाय	सं0									
1. फिटर	सं0	2	32	32	32	32	32	32	32	32

प्रपत्र - 3
भौतिकलक्ष्य/ उपलब्धि
जी0एन0- 3

मद	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 प्रस्तर का स्तर	सातवीं योजना 1985-90 वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 1990-91 के लक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य	अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	8	10	11
2. वायर मैन	सं0	2	32	32	32	32	32	32	32	32
3. विद्युत	सं0	2	32	32	32	32	32	32	32	32
4. डीजल मैकेनिक	सं0	1	16	16	16	16	16	16	16	16
5. आशुलिपिकहिन्दी	सं0	1	32	32	32	32	32	32	32	32
6. कटिंग टेलरिंग (पुरूष)	सं0	1	16	16	16	16	16	16	16	16
7. वेल्डर	सं0	1	12	12	12	12	12	12	12	12
8. मोटर मैकेनिक	सं0	2	32	32	32	32	32	32	32	32
9. कटिंग टेलरिंग (महिला)	सं0	1	16	16	16	16	16	16	16	16
विभाग- सेवायोजना										
जनपद कानपुर देहातहेतु सेवायोजन कार्यालय की स्थापना	सं0	-	-	-	-	-	1	-	-	-

रूपपत्र - 3

भौतिक लक्ष्य / उपलब्धि

जी0एन0- 3

मद	इकाई	सातवीं योजना 1985-90 प्रस्तर का स्तर	सातवीं योजना 1985-90 वास्तविक उपलब्धि	आठवीं योजना 1990-91 के लक्ष्य	वर्ष 1990-91 लक्ष्य अनुमानित उपलब्धि	1991-92 लक्ष्य	1992-93 लक्ष्य	1993-94 लक्ष्य	1994-95 लक्ष्य	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण										
1. नेत्रहीन बधिर तथा शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को रखरखाव हेतु अनुदान	सं0	600	600	5400	800	800	1200	1200	1200	1200
2. निराश्रित विधवाओं को सहायता अनुदान	सं0	1703	3926	19586	1310	1310	4889	4889	4889	4889
3. अकिंचन मृत्यकों की दाह संस्कार हेतु अनुदान	सं0	-	95	587	114	114	120	126	130	130
4. विकलांग बच्चों को छात्रवृत्ति	सं0	-	-	17	1	1	4	4	4	4

** 30

परिशिष्ट - 4

विभिन्न स्रोतों से वित्त पोषित कार्यक्रम

रूप पत्र 4

विभाग/सेक्टर — विभिन्न श्रोतों से वित्त पोषित कार्यक्रम — कानपुर देहात

वर्ष 1991-92

(हजार रूपये में)

क्र0सं0	योजना का नाम	कुल आवश्यकता	विभिन्न श्रोत			विभिन्नश्रोत	अन्यश्रोत			टिप्पणी
			जिला योजनाके माध्यम से	आइ0आर0जे0आर0 डी0 पी0 वाई0		संस्थागतवित्त	राज्यांश	केन्द्रांश	वित्त संस्था द्वारा	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	विभाग का नाम									
1-	कृषि रक्षा सेवा का सुदृढीकरण	672	72	-	-	-	72	-	-	xx
	योग	672	72	-	-	-	72	-	-	xx
2-	विभाग का नाम-लघु एवं सीमान्त कृषकों को सहायता									
2.1	लघु एवं सीमान्त कृषकोंको उत्पादकता बढाने हेतु सहायिता	53460	16335	-	-	20790	16335	-	-	
3-	विभाग का नाम पशुपालन									
3.1	खुरपका मुहपका रोग पर नियत्रण	80	40	-	-	-	40	-	-	-
3.2	पशुधन उत्पादनप्रजननकार्य	1000	500	-	-	-	500	-	-	
	योग	1080	540	-	-	-	540	-	-	

जिला/सेक्टर
वर्ष 1991-92

विभिन्न स्रोतों से वित्त पोषित कार्यक्रम — कानपुर देहात

(हजार रुपयों में)

क्र०सं०	योजना का नाम	कुल आवश्यकता	विभिन्न स्रोत: जिला योजना के माध्यम से	आई०आर०डी०आर०	डी०पी० वाई०	विभिन्न स्रोत अन्य स्रोत: संस्थागत वित्त	राज्यांश	केन्द्रांश	वित्त संस्था द्वारा	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
7-	विभाग का नाम विद्युत									
7.1	ग्रामीण विद्युतीकरण (राज्यसामान्यकार्य)	16940	1440	-	-	-	-	-	15500	
	योग	16940	1440	-	-	-	-	-	15500	
8-	विभाग का नाम उद्योग									
8.1	जिला उद्योग के माध्यम से मार्जिन मनी ऋण	1750	125	-	-	1000	125	500	-	
8.2	एकीकृत मार्जिनमनी ऋण	80175	175	-	-	70000	-	1000	-	
8.3	हथकरघा सहकारी समितियों को अंशपूंजी ऋण	70	35	-	-	-	35	-	-	
8.4	हथकरघा का आधुनिकीकरण	30	15	-	-	-	15	-	-	
8.5	हथकरघा सहकारी समितियों को प्रबन्धीय सहायता	50	25	-	-	-	25	-	-	

रूप पत्र 4

विभाग/सेक्टर
वर्ष 1991-92

विभिन्न स्रोतों से वित्त पोषित कार्यक्रम * कानपुर देहात

हजार रूपये में

क्र०सं०	योजना का नाम	कुल आवश्यकता	विभिन्न स्रोत			विभिन्न स्रोत	अन्य स्रोत			टिप्पणी
			जिला योजना के माध्यम से	आई०आर०डी० पी०	जे०आर० वाई०	संस्थागत वित्त	राज्यांश	केन्द्रांश	वित्त संस्था द्वारा	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
8.6	माडल चाकी कीट पालन योजना	380	360	-	-	-	-	-	20	
	योग	82455	735	-	-	-71000	200	10500	20	
9-	विभाग का नाम लो० नि० वि०									
9.1	सडक एवं पुल का निर्माण	52500	39500	-	-	-	-	-	13000	
	योग	52500	39500	-	-	-	-	-	13000	
10-	विभाग का नाम प्राथमिक शिक्षा									
10.1	नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में वय वर्ग 6-14 वर्ष के बच्चों के लिये अशासकीय कक्षा खोलने हेतु अनुदान	3372	1686	-	-	-	1686	-	-	
	योग	3372	1686	-	-	-	1686	-	-	

रूप पत्र 4

विभाग/सेक्टर
वर्ष 1991-92

विभिन्न स्रोतों से वित्त पोषित कार्यक्रम — कानपुर देहात

(हजार रुपयों में)

क्र0सं0	योजना का नाम	कुल आवश्यकता	विभिन्न स्रोत: जिला योजना के माध्यम से	आई0आर0डी0पी0	जे0आर0वाई0	विभिन्न स्रोत: संस्थागत वित्त	अन्य स्रोत: राज्यांश	केन्द्रांश	वित्त संस्था द्वारा	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
11-	विभाग का नाम जल निगम									
11.1	ग्रामीण जल सम्पूर्ति (पुनरीक्षित न्यूनतम आवश्यकता)	14267	9267	-	-	-	-	5000	-	
	योग	14267	9267	-	-	-	-	5000	-	
12-	विभाग का नाम ~~मत्स्य विकास~~ ग्रामीण आवास									
12.1	ग्रामीण आवास	35826	5118	-	15354	15354	-	-	-	
	योग	35826	5118	-	15354	15354	-	-	-	
13-	विभाग का नाम सूचना									
13.1	जिला सूचना केन्द्रों की स्थ0	201	156	-	-	-	-	45	-	
	योग	201	156	-	-	-	-	45	-	

परिशिष्ट पाँच (5)

सड़क एवं पुल

कार्यक्रम के अन्तर्गत

प्रस्तावित कार्य

रूपपत्र -5

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र0	मद/कार्य/सड़क/पुल पुली कड़ियां आदि	सड़क/पुल की लम्बाई किमी0	स्वीकृत लागत रु0 लाख	पुनरीक्षित लागत रु0 लाख	कार्य स्वीकृत होने का वर्ष	31-3-90 तक किया गया व्यय रु0 लाख	1990-91 अनुमानित व्यय रु0 लाख	1991-92 प्रस्तावित व्यय रु0 लाख	1991-92 में पूरा होने वाले कार्य (भौतिक लक्ष्य)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	पुनर्निर्माण								
	क- सा0नि0वि0 के मार्ग:-								
(i)	नानामऊ बिल्हौर ककवन रसूलाबाद मार्ग के किमी0 35, 36, 37 (400) का सुधार	2.40	7.15	7.85	1988-89	1.85	5.30	0.70	2.40 किमी0 द्वितीय सतह लेपन
(ii)	कल्याणपुर शिवली मार्ग के किमी0 11 से 14 का सुधार	4.00	15.08	16.50	1988-89	5.15	9.93	1.50	4.00 किमी0 "
(iii)	रूरा झींझक मार्ग का सुधार किमी0 1, 2, 3,	4.00	14.00	14.00	1988-89	5.50	8.50	-	-
(4)	बारा अकबरपुर सिकन्दरा मार्ग का सुधार किमी0 16, 17, 18	3.00	12.00	12.00	1988-89	3.35	-	-	शेष कार्य राज्य सेक्टर में स्वीकृत हो गये हैं
(5)	शाहपुर साढ़ मार्ग के किमी0 2 से 5 का सुधार	4.00	8.00	8.00	1988-89	5.51	2.50	-	-
	योग:-	17.40	56.23	58.35	—	21.36	26.23	2.20	6.40 किमी0

प्रपत्र 5

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र0	मद/कार्य/सड़क पुल/छटी कोड़ियां आदि	सड़क/पुल की लम्बाई किमी0	स्वीकृत लागत रू0लाख	पुनरीक्षित लागत रू0लाख	कार्यस्वीकृत होने का वर्ष	31-3-90 तक किया गया व्यय रू0लाख	1990-91 अनुमानित व्यय रू0 लाख	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय रू0लाख	1991-92 में किया जाने वाला कार्य (भौतिक लक्ष्य)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(ख)	अन्य विभाग के मार्ग:-								
(1)	सिकन्दरा बीहड़ मार्ग से हम्हैला मार्ग का सुधार	2.00	5.68	5.68	88-89	5.68	-	-	-
	योग:-	2.00	5.68	5.68	-	5.68	-	-	-

रूपपत्र 5

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र0	मद/कार्य/सड़क/पुल छूटी कड़ियाँ आदि	सड़क /पुल की लम्बाई	स्वीकृत लागत	पुनरीक्षित लागत	कार्य स्वीकृत होने का वर्ष	31-3-90 तक किया गया व्यय	1990-91 अनुमानित व्यय	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय	1991-92 में किया जाने वाला कार्य (भौतिक लक्ष्य)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(ग)	लघु सेतुओं का पुन: निर्माण								
1-	शिवराजपुर शिवली मार्ग के किमी0 1 में लघु सेतु का निर्माण	1 नं0	1.50	1.50	88-89	-	-	1.50	1 नं0
2-	आलियापुर खरपतपुर मार्ग के किमी0 3 में लघु सेतु का पुर्न निर्माण	1 नं0	1.00	1.00	"	-	1.00	-	-
3-	उपरोक्त परन्तु किमी0 4 में	1 नं0	2.00	2.00	"	-	2.00	-	-
4-	उपरोक्त परन्तु किमी0 7 में	1 नं0	3.60	3.60	89-90	-	-	3.60	1 नं0
5-	चौबेपुर बेला मार्ग के किमी0 57 में लघु सेतु का पुर्न निर्माण	1 नं0	2.40	2.40	"	-	2.40	-	-
6-	चौबेपुर बेला मार्ग से किमी0 पुरन परवां मार्ग पर लघु सेतु का पुर्न निर्माण	1 नं0	1.20	1.20	"	-	1.20	-	-
7-	जैलालपुर ओटी बीराभऊ लखरेथ मार्ग पर लघु सेतु का पुर्न निर्माण	4 नं0	4.00	4.00	"	-	4.00	-	-
8-	रायपुर गजनेर मार्ग के किमी0 3 में लघु सेतु का पुर्न निर्माण	1 नं0	6.00	6.00	88-89	-	6.00	-	-
9-	---------तदैव--------- किमी0 13 में	1 नं0	1.50	1.50	"	-	1.00	5.00	1 नं0
	योग:-	12 नं0	23.20	23.20	--	-	17.60	10.10	3 नं0

रूपपत्र 5

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र0	सड़क/मार्ग/सड़क/पुल पुलिया आदि	सड़क/पुल की लम्बाई	स्वीकृत लागत	पुनरीक्षित लागत	कार्य स्वीकृत होने का वर्ष	31-3-90 तक किया गया व्यय	1990-91 अनुमानित व्यय	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय	1991-92 में किया जाने वाला कार्य (भौतिक मात्रा)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
2-	लघु सेतुओं का निर्माण:-								
(क)	30 मीटर से कम स्थान के लघु सेतु का निर्माण								
1-	जीटीमार्ग से हरनू मार्ग के किमी0 1 में लघु सेतु का निर्माण	1 नं0	1.20	1.20	88-89	0.59	0.61	-	-
2-	उपरोक्त परन्तु किमी0 3 में लघु सेतु का निर्माण	1 नं0	1.50	1.50	"	-	-	1.50	1 नं0 लघु सेतु
3-	चौबेपुर वाली मार्ग पर किमी0 2 में लघु सेतु का निर्माण (किमी0 1 में 6.50 मी0 स्थान के स्थान पर जो पहले से स्वीकृत है)	1 नं0	1.50	1.50	"	-	1.50	-	-
4-	रतनपुर खास ग्राम के समीप तिवारी नाले पर लघु सेतु का निर्माण 15 मीटर स्थान)	1 नं0	9.00	9.00	वर्ष 90-91 की जि0यो0 में प्रस्तावित	-	-	9.00	-
	योग:-	4 नं0	13.20	13.20	-	0.59	2.11	10.50	1 नं0

रूपपत्र 5

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र0	मद/कार्य/सड़क/पुल/छटी कड़ियां आदि वी0एफ0	सड़क/पुल की लम्बाई 4 नं0	स्वीकृत लागत 13.30	पुनरीक्षित लागत 13.20	कार्य स्वीकृत होने का वर्ष --	31-3-90 तक किया गया व्यय 0.59	1990-91 अनुमानित व्यय 2.11	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय 10.50	1991-92 में किया जाने वाला कार्य (भौतिक लक्ष्य) 1 नं0
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	नंदलपुर अकना मार्ग के किमी0 6 में लघु सेतु	1 नं0	7.20	7.20	88-89	-	-	7.20	1 नं0
2-	मोहापुर तजौर मार्ग के किमी0 2 में लघु सेतु	1 नं0	1.50	1.50	"	-	1.50	-	-
3-	लोहारी मनेथू गंगरौली मार्ग के किमी0 2 में सेतु का निर्माण	1 नं0	1.00	1.00	"	-	1.00	-	-
4-	घाटमपुर ताढ़ मार्ग के किमी0 3 पर लघु सेतु का निर्माण	1 नं0	1.50	1.50	"	0.38	1.20	-	-
5-	कुटरा मकरन्दपुर मार्ग के किमी0 4 में 5 मी0 आर0सी0सी0 पुलिया का निर्माण	1 परि0	2.50	2.50	90-91 की जि0यो0में प्रस्तावित	-	-	2.50	1 परिमाण
	योग -	9 नं0	26.90	26.90	--	0.97	5.81	20.00	2 परिमाण

प्रपत्र 5

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र0	ग्राम/मार्ग/सड़क/पुल/छोटी पुलिया आदि का विवरण	सड़क/पुल की लम्बाई	स्वीकृत लागत	पुनरीक्षित लागत	कार्य स्वीकृत होने का वर्ष	31-3-90 तक किया गया व्यय	1990-91 अनुमानित व्यय	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय	1991-92 में किया जाने वाला कार्य (भौतिक लक्ष्य)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(ख)	लकड़ी के पुल	×–×	×–×	×–×	शून्य	×–×	×–×	×–×	×–×
(ग)	पीपे के पुल	×–×	×–×	×–×	शून्य	×–×	×–×	×–×	×–×

(6)

रूपपत्र 5

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र0सं0	मद/कार्य/सड़क/पुल/छूटी कड़ियाँ आदि	सड़क/पुल की लम्बाई	स्वीकृत लागत	पुनरीक्षित लागत	कार्य स्वीकृत होने का वर्ष	31-3-90 तक किया गया व्यय	1990-91 अनुमानित व्यय	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय	1991-92 में किया जाने वाला कार्य (भौतिक लक्ष्य)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(3)	न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण मार्गों का निर्माण:-								
(क)	मिट्टी पुलिया खरंजा स्तर:-								
1-	ढींढक रसूलाबाद मार्ग से लक्ष्मणपुर मिलख मार्ग	2.00	5.08	5.08	88-89	0.83	4.25	-	-
2-	चौबेपुर बेला मार्ग से कांहिजरीखुर्द वाया आटया रायपुर	4.00	10.16	10.16	"	3.74	4.36	-	-
3-	चौबेपुर बेला मार्ग से तमाय वाया महाडीपुर रतनपुर शीत	5.00	12.70	12.70	"	3.05	4.00	7.28	7नं0पुलिया+4 किमी0 खड़ंजा
4-	एन0वी0के0आर0से सुनारी मार्ग का शेष भाग	0.50	1.27	1.27	"	0.05	1.22	-	-
5-	अलियापुर खरपतपुर मार्ग से उदरा का शेष भाग	2.00	5.10	5.10	"	1.48	3.62	-	-
6-	जी0टी0रोड से हरनू मार्ग का छूटा भाग	2.50	6.37	6.37	"	1.26	5.04	-	-
7-	हथिका से अरुआपुर मार्ग	3.00	7.65	7.65	"	-	-	7.65	3 किमी0 में मि0 पु0 खरंजा
8-	मैठा भाऊपुर मार्ग से औंट मार्ग	1.50	3.82	3.82	"	0.41	2.00	-	
	योग:-	20.50	52.15	52.15	--	10.82	24.49	14.93	7 किमी0

रूपपत्र 5

तड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र०	मद/कार्य/सड़क/पुल छूटी कड़ियाँ आदि बी०एफ	सड़क/पुल की लम्बाई 20-50	स्वीकृत लागत 52.15	पुनरीक्षित लागत 52.15	कार्य स्वीकृत होने का वर्ष	31-3-90 तक किया गया व्यय 10.82	1990-91 अनुमानित व्यय 24.45	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय 14.93	1991-92 में किया जाने वाला कार्य (भौतिक लक्ष्य) (किमी०)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
9-	अरौल मकनपुर मार्ग से गूंजिपुर मार्ग	1.50	3.82	3.82	88-89	1.74	1.86	-	-
10-	जी०टी०मार्ग से नसीरापुर	2.00	5.10	5.10	"	1.60	-	1.60	2.00किमी० खड़ंजा+4पुलिया
11-	भाऊपुर प्रतापपुर से नौबस्ता भाखरे	2.00	5.10	5.10	"	0.05	3.95	-	-
12-	जी०टी०मार्ग से आसी निवेड़ा शाह निवेड़ा शुक्लापुर होते हुए हरनू मार्ग	6.00	13.80	13.80	87-88	11.80	0.50	-	-
13-	डुडवा जमौली रानेपुर मार्ग से अनेई	3.25	9.26	10.00	89-90	-	1.50	8.50	3किमी०खड़ंजा +5 नं०पुलिया
14-	झींझक रसूलाबाद से लखमनपुर बिलख का शेष भाग	3.00	8.55	8.55	"	-	8.55	-	-
15-	चौबेपुर बेला मार्ग से पूरनपुरवा	0.40	1.14	1.14	"	-	1.14	-	-
16-	एन०बी०के० आर०मार्ग से सनासी का शेष भाग	1.00	3.00	3.00	वर्ष 90-91 का जि०यो० में प्रस्तावित	-	-	3.00	1किमी०मि० पु० खरंजा
17-	डेरापुर मंगलपुर मार्ग सिलहौरा	3.50	3.81	3.81	88-89	3.19	0.50	-	-
18-	गलुआपुर मनेनैरा से सिसोहा	1.20	3.50	3.50	"	2.40	0.50	-	-

८

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र0सं0	मद/कार्य/सड़क/पुल छूटीकाड़ियां आदि बी0	सड़क /पुल की लम्बाई	स्वीकृत लागत	पुनरीक्षित लागत	कार्य स्वीकृत होने का वर्ष	31-3-90 तक किया गया व्यय	1990-91 अनुमानित व्यय	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय	1991-92 में किया जाने वाला कार्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
19-	सिकन्दरा चौकिक से बन्देमऊ	2.00	5.06	4.95	88-89	4.45	0.50	-	-
20-	शेखपुर दुवैर का शेष भाग	3.00	7.50	7.50	88-89	2.42	-	-	-
21-	मुगलरोड से बहेड़ी महा	1.50	3.75	3.75	"	-	2.50	1.25	दायित्वों के भुगतान हेतु
22-	सिकन्दरा चौकिक से जैतापुर	2.00	5.10	5.10	"	0.62	2.00	2.48	"
23-	संदलपुर डेरापुर मार्ग से फरीदपुर निटरी	2.00	5.00	4.56	"	0.56	4.00	-	-
24-	जगदीशपुर तरौता का शेष भाग	1.50	3.75	-	"	-	-	3.75	1.50 किमी0 खड़ंजा
25-	राजपुर से रमऊ	5.00	12.50	12.50	"	1.07	11.00	-	-
26-	डेरापुर मंगलपुर से खल्ला	1.00	2.50	2.50	"	1.98	0.50	-	-
27-	फरादपुर निटरी से साठिया सिकन्दरा	2.00	5.00	5.00	"	0.87	4.00	-	-
28-	चौराम से कठेठी	1.05	5.25	5.25	वर्ष 90-91 की जि0यो0 में प्रस्तावित	-	-	5.25	1.05 किमी0 में लेपनस्तर में स्वीकृत है।
29-	कालपी मार्ग के किमी0 22 से कोरतपुर	3.20	9.60	9.60	"	-	-	9.60	3.20 किमी0 खड़ंजा
30-	मुगलरोड से खसवरा	2.00	6.00	6.00	"	-	-	6.00	2.00 किमी0 खड़ंजा
31-	संलतानपुर से गौरी	1.00	2.50	2.50	"	-	-	2.50	1.00 किमी0 "

क्रमशः---

रूप पत्र 5

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र0	मद/कार्य/सड़क/पुल/छुटी कड़ियां आदि	सड़क/पुल की लम्बाई	स्वीकृत लागत	पुनरीक्षित लागत	कार्य स्वीकृत होने का वर्ष	31-3-90 तक किया गया व्यय	1990-91 अनुमानित व्यय	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय	1991-92 में किया जाने वाला कार्य (भौतिक लक्ष्य)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
32-	कुंदलपुर डेरापुर मार्ग का शेष भाग कि0मी0 7 से 12	6.00	13.80	13.80	87-88	10.15	3.50	-	-
33-	शेखपुर से दुबैर का शेष भाग	0.70	1.85	1.85	88-89	-	1.80	-	-
34-	सराय अखिलिया होते हुए कछगांव	1.50	3.97	3.97	89-90	-	1.35	2.62	1.50 किमी0 कड़ुजा
35-	लबरानी से सिशाही	2.00	5.30	5.30	"	-	1.75	3.55	2.00 किमी0 "
36-	कालपी मार्ग से चांदपुर	1.50	3.97	3.97	"	-	1.25	2.72	1.50 किमी0 "
37-	सट्टी से कथरी	3.50	2.27	2.27	"	-	-	9.27	3.50 किमी0 "
38-	घाटमपुर साढ़ मार्ग से देवसढ़ मार्ग	3.00	6.90	6.90	87-88	1.80	5.00	-	
39-	लहरीमऊ-चांदपुर मार्ग से सम्भुल मार्ग	2.00 (1+1)	3.60 3.60	3.90	87-88/ 88-89	0.37	3.53	-	
40-	औतनियातम्पर्क मार्ग से बहोर मार्ग	1.50	[illegible]	3.60	88-89	0.29	3.31	-	
41-	कोरिया जमौली मार्ग से साखाहारी मार्ग	0.50	1.20	1.20	88-89	0.37	0.82	0.01	
42-	घाटमपुर-साढ़ मार्ग से कोरथा पालपुर मार्ग	2.00	4.80	4.80	88-89	-	4.80	-	
43-	राज्य मार्ग 17 से पतारा पौशाला मार्ग	1.35	2.63	2.63	88-89	0.92	2.60	0.01	
44-	भीतरगांव-लिवारीपुर-उदईपुर गुगरा मार्ग	2.00	5.30	5.30	89-90	-	3.00	0.30	2.00
45-	घुघुआ पुल से तरैया मार्ग	2.00	5.20	5.20	89-90	-	3.00	2.00	
46-	रौंहा बुंबुराहा मार्ग	2.50	4.00	4.03	89-90	1.63	2.40	-	

रूपक 5

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र0	मद/कार्य/सड़क/पुल छूटी कड़ियां आदि	सड़क/पुल की लम्बाई	स्वीकृत लागत	पुनरीक्षित लागत	कार्य स्वीकृत होने का वर्ष	31-3-90 तक किया गया व्यय	1990-91 अनुमानित व्यय	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय	1991-92 में किया जाने वाला कार्य (भौतिकलक्ष्य)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
47-	बीबीपुर हरदोली मार्ग	2.70	4.32	4.32	88-89	3.25	1.00	-	-
48-	बरीपाल सिंधौली मार्ग	2.00	3.40	3.40	88-89	2.48	0.90	-	-
49-	राज्य मार्ग 46 से फत्तेपुर बिजयपुर मार्ग	2.00	5.30	5.30	88-89	-	4.00	1.30	-
50-	धाटमपुर गोपालपुर मार्ग	2.50	4.00	4.00	88-89	1.57	2.50		-
51-	चिरली -असधना मार्ग	2.00	5.30	5.30	88-89	-	3.00	2.30	-
52-	मुगलरोड से ब्रहर स्योधारी होते हुए तेजपुर मार्ग	4.00	11.00	11.00	वर्ष 90-91 की जि0यो0 प्रस्तावित	-	-	11.00	4.00 किमी0
53-	असधना -धनना तुर्जुग मार्ग होते हुए कोरिया-अमोली का छूटी कड़ी	2.00	5.50	5.50	"	-	-	5.50	2.00 "
54-	नौरंगा बिछूपुर पहेवा मार्ग	2.50	6.88	6.88	"	--	-	6.88	2.50 "
55-	जुनापुर से बिछूपुर मार्ग (लोक मार्ग तक)	2.00	5.50	5.50	"	-	-	5.50	2.00 "
56-	राहा जलाला मार्ग	1.00	2.50	2.50	"	-	-	2.50	1.00 "
	महायोग:-	126.35	311.83	308.60	--	66.38	126.35	114.32	41.75 किमी0

सारणी 5

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र0	सड़क/पुल/पुलिया/छूटी कड़ियाँ आदि	सड़क/पुल की लम्बाई	स्वीकृत लागत	निर्धारित लागत	कार्य स्वीकृत होने का वर्ष	31-3-91 तक किया गया व्यय	1990-91 अनुमानित व्यय	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय	1991-92 में किया जाने वाला कार्य (भौतिक लक्ष्य)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(ख)	मिट्टी से खड़ंजा स्तर मार्ग:-								
1-	सिंहपुर मार्ग से जलिटापुर मार्ग	1.50	1.80	1.80	1986-87	1.08	0.72	-	-
2-	प्रतापपुर से रास्तपुर मार्ग	4.50	5.40	5.40	"	3.19	-	2.21	1.50 किमी0 खड़ंजा
3-	चौबेपुर चंदीमाता मार्ग से सुनौढ़ा	1.50	2.55	2.55	88-89	0.02	2.53	-	-
4-	नूरजपुर से नाही जुनियां	3.00	4.05	4.05	86-87	3.61	0.50	-	-
5-	गलुआपुर से नोनारीबुजुर्ग का शेष भाग	5.00	6.00	6.00	"	-	-	6.00	3.00 किमी0 खड़ंजा
6-	गलुआपुर से दलितपुर से तरगांव	1.50	2.40	2.40	88-89	-	-	2.40	1.50 किमी0 "
7-	बलाई से बलई खुर्द मार्ग	1.00	1.60	1.60	"	-	-	1.60	1.00 "
8-	भीतरगांव से कुम्हरिया मार्ग	1.50	3.00	3.00	90-91	-	-	3.00	1.50 "
	महायोग:-	19.50	26.80	26.80	—	7.90	3.75	15.21	8.50 किमी0

अनुलग्नक 5

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र०सं०	मद/कार्य/सड़क/पुल/छूटी कड़ियाँ आदि	सड़क/पुल की लम्बाई	स्वीकृत लागत	पुनरीक्षित लागत	कार्य स्वीकृत होने का वर्ष	31-3-90 तक किया गया व्यय	1990-91 अनुमानित व्यय	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय	1991-92 में किया जाने वाला कार्य (भौतिक लक्ष्य)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	पिछले पृष्ठ से लाया गया योग	19.50	26.80	2[illegible].80		7.90	3.75	15.21	8.50
	बोदीपुर-हरदौली मार्ग	उपरि०	0.65	0.80	89-90	-	0.60	-	-
	बाटमपुर -गोपालपुर मार्ग	उपरि०	0.67	0.80	89-90	-	0.80	-	-
		19.50 कि०मी०	27.12	28.40	-	7.90	5.15	15.21	8.50 कि०मी०

रूपपत्र 5

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र0	मद/कार्य/सड़क/पुल/पुलिया का नाम आदि	सड़क/पुल की लम्बाई	स्वीकृत लागत	पुनरीक्षित लागत	कार्य स्वीकृति का वर्ष	31-3-90 तक किया गया व्यय	1990-91 अनु. नि. व्यय	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय	1991-92 में किया जाने वाला कार्य (भौतिक लक्ष्य)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(5)	ग्रामीण मार्गों का निर्माण :- खड़ंजा स्तर से लेपन स्तर के मार्ग:-								
	1- रसूलाबाद से विधून मार्ग किमी0 1 से 3	3.00	6.75	9.00	87-88	9.00	-	-	-
	2- भाऊपुर मैथा मार्ग	2.25	6.24	6.24	88-89	2.51	3.68	-	-
	3- जी0टी0मार्ग से डुडवा जमौली	1.70	4.42	4.42	"	4.25	0.60	-	-
	4- शिवराजपुर खलीलपुर मार्ग	5.00	13.00	13.00	"	6.32	6.68	-	-
	5- अलियापुर खरपतपुर मार्ग से दलेलपुर	4.00	10.40	10.40	"	3.05	7.35	-	-
	6- अलियापुर खरपतपुर मार्ग	1.50	4.50	4.50	89-90	-	3.00	1.50	1.50किमी0पी0+ पी2
	7-औंती बोरामऊ मार्ग का शेष भाग	2.75	8.25	9.00	"	-	6.00	3.00	2.75किमी0पी। +पी2
	8- चौबेपुर मालौ से सुल्तानपुर मार्ग	2.00	6.00	6.00	"	-	5.00	1.00	1.00किमी0पी। +पी2
	9- रूरा भिण्डा कुआँ मार्ग के किमी0 8 एवं 9 में लेपन का कार्य	2.00	6.00	6.00	"	-	-	6.00	2किमी0इन्ट0से पी2तक
	योग:-	24.20	65.56	67.81	-	25.90	32.31	11.50	7.25

रूपपत्र 5

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र0सं0	पुल/कार्य/सड़क/ पुल/छटीकाडियां आदि	सड़क/पुल की लम्बाई	स्वीकृत लागत	पुनरीक्षित लागत	कार्य स्वीकृत होने का वर्ष	31-3-90 तक किया गया व्यय	1990-91 अनुमानित व्यय	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय	1991-92 में किया जाने वाला कार्य (भौतिक लक्ष्य)
	बी0एफ	24.20	65.56	67.81	-	25.90	32.31	11.50	7.25
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
10-	कल्याणपुर शिवली मार्ग से शोभन मंदिर	1.50	4.88	4.88	वर्ष 90-91 को जि0यो0 में प्रस्तावित	-	--	4.88	1.50 किमी0 खड़ंजा से लेपन
11-	चौबेपुर बेलामार्ग से गौरी भगवन्तपुर कासामऊ	2.20	7.15	7.15	"	-	-	7.15	2.20 किमी0 "
12-	कासामऊ पुल से दाह गोपालपुर	0.25	0.81	0.81	"	-	-	0.81	0.25 किमी0 "
13-	शिवली से मैथा मार्ग का शेष भाग	1.00	3.25	3.25	-	-	-	3.25	1.00 किमी0 "
14-	चौबेपुर वंदीमाता मार्ग का शेष भाग	1.00	3.25	3.25	"	-	-	3.25	1.00 किमी0
15-	मन्धना पचोर मार्ग से होलकापुर पुल	1.75	5.69	5.69	"	-	-	5.69	1.75 किमी0 "
16-	रसूलाबाद विलधन मार्ग के किमी0 4, 5 का निर्माण	2.00	6.50	6.50	"	-	-	6.50	2.00 किमी0 "
17-	कनोपारा पिण्डाकुआँ मार्ग के किमी0 10, 11, 12, 13, किमी0 का निर्माण	4.00	13.00	13.00	"	-	-	13.00	4.00 किमी0
18-	मैथा रेलवे स्टेशन से मैथाब्लाक	1.43	4.65	4.65	"	-	-	4.65	1.43 किमी0
	योग:	39.33	114.74	116.99	--	25.90	32.31	60.68	22.38 किमी0

प्रपत्र 5

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र0	मद/कार्य/सड़क/पुल छूटी लाइनें आदि	सड़क/पुल की लम्बाई	स्वीकृत लागत	पुनरीक्षित लागत	कार्य स्वीकृत होने का वर्ष	31-3-90 तक किया गया व्यय	1990-91 अनुमानित व्यय	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय	1991-92 में किया जाने वाला कार्य (भौतिक लक्ष्य)
	बा0ए0	39.33	114.74	116.99	--	25.90	32.31	60.68	22.38
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
19-	मुगलरोड से नगीना मार्ग (किमी0 5)	1.00	2.50	2.50	88-89	2.50	-	-	-
20-	अकोढ़ी से गुड़गांव मार्ग (किमी0 2 से 8)	7.00	17.85	17.85	"	-	15.00	2.85	7.00किमी0पु02
21-	मुगीसापुर शाहजहाँपुर मार्ग	2.00	6.00	6.00	"	-	5.00	1.00	-
22-	डेरापुर मंगलपुर मार्ग	5.50	16.50	16.50	"	3.48	12.00	0.52	5.50किमी0 पु02
23-	नवीपुर रठगांव मार्ग	4.00	10.20	10.20	"	-	3.50	6.70	4.00कि0
24-	मुगलरोड से चौरा मार्ग	4.00	10.20	10.20	"	-	9.00	1.20	-
25-	नोनापुर सुजौर मार्ग	2.00	5.10	5.10	"	2.99	2.10	-	2 कि0
26-	रानियाँ भैथा मार्ग	5.40	17.55	17.55	89-90	-	15.00	2.55	5.40कि0
27-	रतनियापुर से नोनारी बुजुर्ग	2.50	5.62	5.80	87-88	5.79	-	-	-
	योग:-	72.73	206.26	208.69	—	40.66	93.91	75.50	46.28कि0

रूपपत्र 5

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र0	मद/मार्ग/सड़क/पुल छूटी कड़ियाँ आदि	सड़क/पुल कोलम्बाई	स्वीकृत लागत	पुनरीक्षित लागत	कार्य स्वीकृत होने का वर्ष	31-3-90 तक किया गया व्यय	1990-91 अनुमानित व्यय	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय	1991-92 में किया जाने वाला कार्य (भौतिक लक्ष्य)
	बी0एफ0	72.73	206.26	208.69	—	40.66	93.91	75.50	46.28
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
28-	कौसम से कठेठी	1.00	3.25	3.25	वर्ष 90-91 की जि0यो0 प्रस्तावित	–	–	3.25	1 किमी0
29-	इटावा रोड से शेखपुर	2.00	6.00	6.00		–	–	6.00	2 कि0
30-	रायपुर गजनेर मार्ग सेनिनाया	1.50	4.87	4.87	"	–	–	4.87	1.50 कि0
31-	झींझक ब्लाक से चिरखिरी कंचौसी मार्ग	4.00	13.00	13.00	"	–	–	13.00	4.00 कि0
32-	मुंगीसापुर शाहजहाँपुर मार्ग का शेष भाग	3.50	11.38	11.38	"	–	–	11.38	3.50 कि0
33-	इटावा मार्ग से बुधौली रसधान	2.50	8.13	8.13	"	"	–	8.13	2.50 कि0
34-	कालपी मार्ग से मुहम्मदपुर	0.50	1.62	1.62	"	–	–	1.62	0.50 कि0
35-	कालपी मार्ग से असेवा	1.50	4.87	4.87	"	–	–	4.87	1.50 कि0
36-	मुगलरोड से मूसानगर बाजार	0.50	1.62	1.62	"	–	–	1.62	0.50 कि0
	योग:-	89.73	261.00	263.43	—	40.66	93.91	130.24	63.28 कि0

रूप पत्र 5

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र0सं0	मद/कार्य/सड़क/पुल/छूटी कड़ियाँ आदि	सड़क/पुल की लम्बाई	स्वीकृत लागत	पुनरीक्षित लागत	कार्यस्वीकृत होने का वर्ष	31-3-90 तक किया गया व्यय	1990-91 अनुमानित व्यय	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय	1991-92 में किया जाने वाला कार्य (भौतिक लक्ष्य)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
37-	भीतरगांव पासीखेड़ा मढ़ेपुर मार्ग	2.75	6.05	8.48	85-86	1.18	5.30	-	-
38-	राज्य मार्ग 17 से लहरामऊ चाँदपुर मार्ग	7.50	38.50	62.00	80-81	58.20	3.80	-	-
39-	साढ़-गोपालपुर विरहर मार्ग किमी0 7 से 9	3.00	6.60	7.60	88-89	3.15	4.45	-	-
40-	घाटमपुर गजनेर मार्ग (किमी0 9 (200 (एवं 10से 12	4.20	7.04	8.49	88-89	2.99	4.10	0.01	-
41-	घाटमपुर मार्ग से गुच्चूपुर मार्ग	2.00	4.40	4.40	88-89	2.69	1.70	-	-
42-	साढ़-कुढ़नी मुसाफा मार्ग से बरई गढ़ मार्ग	1.00	2.50	2.50	88-89	1.00	2.50	-	-
43-	जिठौली प्यासी -तरगांव मार्ग	2.00	4.40	5.00	88-89	3.65	0.75	-	-
44-	मुगलरोड से कैथा मार्ग	1.00	3.00	3.00	90-91 में प्रस्तावित	-	3.00	-	1.00
45-	नन्दना से पतरसा मार्ग	2.00	6.50	6.50	"	-	6.50	-	2.00
46-	मुगल मार्ग सेमूलानगर बाजार	0.50	1.62	1.62	"	-	1.62	-	0.50
	महायोग:-	115.68	341.61	373.02	--	113.52	127.63	130.25	66.78

रूपपत्र 5

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र०सं०	मद/कार्य/सड़क/पुल छूटी कड़ियाँ आदि	सड़क/पुल की लम्बाई	स्वीकृत लागत	पुनरीक्षित लागत	कार्य स्वीकृत होने का वर्ष	31-3-90 तक किया गया व्यय	1990-91 अनुमानित व्यय	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय	1991-92 में किया जाने वाला कार्य (भौतिक लक्ष्य)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
47-	इड़वा जमौली मार्ग का शेष भाग	0.50	1.63	1.63	90-91 की जि०यो०में प्रस्तावित		-	1.63	0.5कि०मी०
48-	शिवराजपुर खैरेश्वर मंदिर	1.00	3.25	3.25	,,	-	-	3.25	1.00किमी०
49-	लक्ष्मी सवाई कल्याणपुर मार्ग से बाघपुर	1.00	3.25	3.25	,,	-	-	3.25	1.00किमी०
50-	ककवन रोड से खजुरी कलां	0.50	1.62	1.62	,,	-	-	1.62	0.50कि०मी०
51-	कालपी रोड से मुहम्मदपुर	0.50	1.62	1.62	,,	-	-	1.62	0.50कि०मी०
52-	कौशम से कठेठी	1.00	3.25	3.25	,,	-	-	3.25	1.00 कि०मी०
53-	तिलसड़ा से तरगांव	2.50	7.50	7.50	,,	-	-	7.50	2.50 कि०मी०
	योग:-	121.68	363.73	395.14	--	113.52	127.63	152.37	73.78

प्रपत्र 5

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्रमांक	मद/कार्य/सड़क/पुल छूटी कड़ियाँ आदि	सड़क/पुल की लम्बाई	स्वीकृत लागत	पुनरीक्षित लागत	कार्य स्वीकृत होने का वर्ष	31-3-90 तक किया गया व्यय	1990-91 अनुमानित व्यय	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय	1991-92 किया जाने वाला कार्य भौतिक लक्ष्य
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	छूटी कड़ियों का निर्माण:-								
	मिट्टी पु0 खड़ंजा स्तर								
1-	मकनपुर तिर्वा ठठिया का शेष भाग	3.50	8.33	8.33	87-88	3.80	-	4.53	2.00
2-	खाड़ामऊ से पिहानी मार्ग	2.00	5.10	5.10	88-89	1.78	3.32	-	-
3-	अलियापुर खरपत पुर मार्ग से शिवरादारा शिकोह मार्ग	0.70	1.78	1.59	88-89	0.59	1.00	-	-
4-	बिल्हौर मकनपुर मार्ग से देवहा होते हुएँ दलेलपुर	3.00	9.00	9.00	वर्ष 90-91 की जि0यो0 में प्रस्तावित	-	-	9.00	3 कि0मी0 ख0
5-	नंदलपुर डेरापुर मार्ग का शेष भाग	1.00	1.56	1.56	88-89	-	1.00	0.56	दायित्वों के भुगतान हेतु
6-	बरौर गुड़गांव मार्ग का शेष भाग	0.35	0.93	0.93	88-89	-	0.90	-	-
7-	रसधान कुधौली मार्ग	2.00	5.30	-	,,	-	-	5.30	2.00 कि0मी0 ख0
8-	रेवना दुरौली मार्ग	0.80	4.13	5.63	88-89	3.23	2.00	-	
9-	तिलसड़ी-तरगांव मार्ग	2.50	6.50	-	89-90	-	-	6.50	2.50 कि0मी0
	महायोग:-	15.85	42.63	32.14	--	9.40	8.22	25.89	9.50

रूपपत्र 5

सड़क एवं पुल कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्य

क्र0सं0	मद/कार्य/तड़क/पुल/छूटी कड़ियां आदि	सड़क/पुल की लम्बाई	स्वीकृत लागत	पुनरीक्षित लागत	कार्य स्वीकृत होने का वर्ष	31-3-90 तक किया गया व्यय	1990-91 अनुमानित व्यय	1991-92 प्रस्तावित परिव्यय	1991-92 में किया जाने वाला कार्य (भौतिक लक्ष्य)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
6-	सेतुओं के पहुंच मार्ग का निर्माण:-								
1-	नदीहा मदईपुर मार्ग:-लघु सेतु के पहुंच मार्ग का निर्माण	0.30	0.96	1.05	87-88	0.93	0.12	-	-
2-	डोहरू-कोहरा मार्ग के किमी0 2 में लघु सेतु का पहुंच मार्ग	0.20	0.50	1.11	88-89	0.26	0.85	-	-
3-	कुनौली -चिरली मार्ग के किमी0 3 में लघु सेतु का पहुँच मार्ग	0.20	0.50	0.63	88-89	0.08	0.55	-	-
	योग:-	0.90	1.96	2.79	-	1.27	1.52	-	-
	कुल योग:-							34029	

आधारभूत आँकड़े

परिशिष्ट

आधारभूत आंकड़े

जनपद		कानपुर देहात
वर्ष		1981
(1)	कुल ग्रामों की संख्या	1762
(2)	कुल गैर आबाद ग्रामों की संख्या	138
(3)	विकासखण्डोंकी संख्या	17
	नाम	1. घाटमपुर, 2-पतारा, 3-भीतरगावँ, 4- राजपुर, 5-अमरौधा, 6-मलासा, 7-अकबरपुर, 8-रैथा, 9-सरवनखेडा, 10-डेरापुर, 11-रसूलाबाद, 12-झींझक 13-संदलपुर, 14-बिल्हौर, 15-ककवन 16-चौबेपुर, 17-शिवराजपुर ।
(4)	तहसीलों की संख्या	6
	नाम	1-घाटमपुर, 2-भोगनीपुर, 3-अकबरपुर, 4-डेरापुर, 5-बिल्हौर, 6-रसूलाबाद
(5)	कुल भौगोलिक क्षेत्रफल (हे0हे0)	1987-88 514
(6)	भूमि उपयोगिता के लियेप्रतिवेदित क्षेत्रफल (हे0हे0)	509
(7)	वनों के अन्तर्गतक्षेत्रफल (हे0हे0)	6
(8)	कृषि के उपयोग में लाईजानेवाली (हे0हे0)	359
(9)	कृषि के अतिरिक्त उपयोग मेंलाईगईभूमि (हे0हे0)	37
(10)	बंजर भमि का क्षेत्रफल (हे0हे0)	47
(11)	कृषि योग्य बंजर भूमिका क्षेत्रफल हे0हे0	13
(12)	स्थाई चारागाह (हे0हे0)	1
(13)	अन्य उद्यानों/वृक्षों कीफसलोंकाक्षेत्रफल (हे0हे0)	6
(14)	वर्तमान परती भूमि (हे0हे0)	24
(15)	अन्य परती भूमि हे0हे0	20
(16)	शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल (हे0हे0)	359
(17)	सकल बोया गया क्षेत्रफल हे0हे0	1987-88 449

क्रमशः-2

श्रीवास्तव/

॥18॥ मुख्य फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल॥ह0है0॥/उत्पादन ॥ह0 टन0वर्ष1987-88

क्रमांक	मद	क्षेत्रफल॥ह0है0॥	उत्पादन(ह0मी0ट0)
1	2	3	4
1-	धान	50	652
2-	गेहूँ	137	320
3-	ज्वार	29	36
4-	बाजरा	17	14
5-	मक्का	20	15
6-	चना	60	53
7-	जौ	21	36
8-	अरहर	15	35
9-	उर्द	11	5
10-	मूँग	1	1
11-	मटर	15	17
12-	मूगफली	0.4	0.4
13-	लाही/सरसों	32	20

॥19॥ खरीफ फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफलह0है0	164	134
॥20॥ रवी फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफलह0है0	279	663
॥21॥ जायद फसलोंकेअन्तर्गत क्षेत्रफलह0है0	5	1
॥22॥ जोतोंकीसंख्या तथा उनकेअन्तर्गतक्षेत्रफल	संख्या	क्षेत्रफल
1- एक हेक्टेअर तक	253822	87
2- एक से ती हेक्टेअरकेबीच	89227	152
3- तीन से पाचँहेक्टेयर के बीच	17253	72
4- पाचँ हेक्टेअरतथा उसके बीच	7493	62

॥23॥ जनसंख्या॥000॥में 1981जनगणना

		नगर	ग्रामीण	योग
1-	पुरूष	48	919	967
2-	स्त्रिया	41	783	824
3-	योग	89	1702	1791

......3

श्रीवास्तव

(24) पिछडे समुदायों की जनसंख्या (000) में	नगर	ग्रामीण	योग
1- अनुसूचित जाति	14	415	429
2- अनुसूचित जनजाति	-	1	1

(25) मौसमी नदियाँ (कि0मी0) नाम दें

1- ईशन नदी 16

(26) सतत प्रवाहशील नदियाँ/नाले (कि0मी0)

1- गंगा	40
2- नोन	79
3- रिन्द	115
4- पाण्डु	30
5- यमुवा	110
6- सेगर नदी	63

(27) औसत वर्षा (मिमी0) 1987

सामान्य	वास्तविक
802	454.4

(28) महत्वपूर्ण औद्योगीक उत्पादन के नाम

1- ईंट

(29) पुलों के नाम

1- पाण्डु नदी पर
2- रिन्द नदी पर
3- सेंगुर नदी पर
4- नोन नदी पर
5- पक्की सडकों पर

(30) सडकों की लम्बाई किमी0 व 1987-88

(क) राष्ट्रीय मार्ग	162
(ख) राजकीय मार्ग	76
(ग) असमतल	अप्राप्त
(घ) समतल	863

(31) विद्युत

(क) हाई टेन्सन लाइन

1- 11 कि0वा0 (किमी0 207)
2- 23 कि0वा0 (कि0मी0 --

श्रीवास्तव/

(32) नगरों की संख्या

1- जिसमें बिजली है (नाम दें)
1-घाटमपुर, 2-बिल्हौर, 3-पुखरायाँ, 4-अमरौधा, 5-अकबरपुर
6-रूरा, 7-झींझक, 8-शिवली, 9-सिकन्दरा, 10-शिवराजपुर

2- जिसमें बिजली नही है (नाम दें) शून्य

(33) ग्रामों की संख्या

1- जिसमें बिजली है	833
2- जिसमें बिजली नही है	791

(34) जल सम्पूर्ति

(क) नगरों की संख्या व नाम जिसमें पाइपद्वाराजलसम्पूर्ति होती है ।
1-अकबरपुर, 2-पुखराया, 3-घाटमपुर, 4-बिल्हौर, 5-रूरा
6-शिवली, 7-अमरौधा, 8-शिवराजपुर, 9-झींझक, 10-सिकन्दरा ।

(ख) नगरों की संख्या व नाम जिसमें पाईपद्वारा जल सम्पूर्ति नही होती है
शून्य

(ग) ग्रामों की संख्या जिसमें पाइप द्वाराजलसम्पूर्ति होती है	92
(घ) ग्रामों की संख्या जिसमें पाइप द्वाराजलसम्पूर्ति नही होती है	1532

(35) शिक्षा वर्ष 1988-89

	नगरक्षेत्रमें	ग्रामीण	योग
(क) जूनियर बेसिक शिक्षास्कूल संख्या	54	1256	1310
(ख) सीनियर स्कूल संख्या	68	285	353
(ग) हायर सेकेण्डरी स्कूलसंख्या	17	79	96
(घ) डिग्री कालेज संख्या	1	1	2
(ङ) विश्वविद्यालय संख्या	-	-	-
(च) प्राविधिकप्रशिक्षणसंस्थायें	औद्योगिकप्रशि0 के0-घाटमपुर		
(अ) ग्रामों की संख्या जिसमेंप्राइमरी/सीनियरबेसिकस्कूलनही है ।	509/1423		
(ब) बेसिक/प्राइमरी स्कूलोंकी संख्या जिसमें भवननिर्मितनही है	135/76		

(36) अनूसूचितबैंकों की शाखायें की संख्या (नगरएवंप्रखण्डवारनामदें)
(क) नगरक्षेत्र में 23
(ख) ग्रामीण क्षेत्रमें 110

श्रीवास्तव/

§37§ सहकारी बैंकों के नाम व संस्था §नगरएवं प्रखण्डवार§

§क§ नगर क्षेत्र में	8	
§ख§ ग्रामीण क्षेत्र में	12	
§38§ गोदामों की संख्या	संख्या	क्षमता §हटट0में§
§क§ नगर क्षेत्र में	13	3
§ख§ ग्रामीण क्षेत्र में	8	1
§ग§ शीतगृहों कीसंख्यानगरएवंप्रखण्डवार§	16	72
§39§ उर्वरक डिपो		
§क§ कृषि विभाग द्वारा	29	14
§ख§ सहकारिता विभाग द्वारा	184	29
§ग§ अन्य	10	3
§40§ भूमि विकास बैंकों कीशाखोओंकीसंख्या		
§क§ नगर क्षेत्र में	5	
§ख§ ग्रामीण क्षेत्र में	1	
§41§ राजकीय पशु चिकित्सालयों/ औषधालयों की संख्या	नगरक्षेत्रमें	ग्रामीणक्षत्रमें
	9	21
§42§ राजकीय पशु पालन केन्द्रो कीसंख्या	1	94
§43§ राजकीय एलोपैथिक अस्पताल/ औषधालय की संख्या	9	123आर
§44§ राजकीय एलोपैथिक अस्पताल/ औषधालय की संययाओं कीस0	118	164
§45§ राजकीय होम्योपैथिक अस्पताल/ औषधालयोंमें शैययाओंकीसं0	-	-
§46§ राजकीय होम्योपैथिक अस्तताल/ औषधालयों की सुख्या	1	18

I- कृषि §हजारहे0में1987-88§

1-	शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल	359
2-	एक बार से अधिक बार बोयागयाक्षे0	897
3-	सकल बोया गया क्षेत्रफल	449
4-	कुल खाद्यान्न फसलें	378
5-	कुल अखाद्यान्न फसलें	46
6-	खरीफ फसलों के अन्तर्गतक्षेत्रफल	164
7-	रबी फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल	279
8-	जायद फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल	5

श्रीवास्तव/

9- फसल सघनता प्रतिशत 125.0

10- सकल सिंचित क्षेत्रफल ह0हे0 238

11- शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल 172

12- सिचांई की सघनता हजारहे0

(क) शुद्ध सिंचित क्षेत्र का शुद्ध बोये गये क्षेत्र से प्रतिशत 48

(ख) कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल में शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल का प्रतिशत 3आर

13- कृषि योग्य भूमि का कुल भौगोलिक क्षेत्र से प्रतिशत 87

14- शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल का भौगोलिक क्षेत्रफल से प्रतिशत 70

15- विभिन्न श्रोतों के द्वारा शुद्ध सिंचित क्षेत्र (ह0हे0)

(क) नहर 985

(ख) नलकूप 71

(ग) कूप 1

(घ) अन्य विवरण दें 1

16- उन्नतशील जातियों के किस्म के बीज का वितरण (कु0)

(क) कृषि विभाग द्वारा 2712

(ख) सहकारिता विभाग द्वारा 607

17- मुख्य फसलों के अन्तर्गत क्षे/उत्पादन वर्ष 1987-88

	क्षे0ह0हे0	उत्पादन (ह0ट0)
1- खाद्यान्न		
क खरीफ		
1- धान	50	65
2- ज्वार	29	35
3- बाजरा	17	14
4- मक्का	20	15
ख खरीफदालें		
(अ) उर्द	11	5
(ब) मूँग	1	1
ख रवी		
1- गेहूँ	137	320
2- जौ	21	36
3- चना	60	53
4- मटर	15	17
5- अरहर	15	35
6- मसूर	1	1
7- अन्य विवरण	-	-

श्रीवास्तव/

ग- जायद

1- मूंग	1	1
2- कुल खाद्यान्न	378	617

घ- वाणिज्यक फसलें

मूंगफली	0.4	0.4
2- लाही/सरसों	32	20
3- सूरजमुखी	-	-
4- सोयाबीन	-	-
5- गन्ना	8	494
6- आलू	10	167
7- तम्बाकू	0.2	1
8- अन्य (कपास)	0.2	0.003

18- उत्पादन दर (कि0ग्रा0प्रतिहे0) 87-88

1- धान	1306
2- गेहूँ	2337
3- ज्वार	1183
4- बाजरा	835
5- मक्का	876
6- जौ	1711
7- चना	891
8- मटर	1152
9- अरहर	2249
10- मसूर	904
11- गन्ना	59269
12- मूंगफली	1005

(19) रसायनिक उवर्रक का वितरण 89-90

(क) कृषि विभाग द्वारा (हजारमी0टन)

1- नत्रजन	0.727
2- फासफेटिक	0.445
3- पोटास	0.094

(ख) सहकारिता विभाग द्वारा (ह0मी0टन)

1- नत्रजन	6.070
2- फासफेटिक	2.780
3- पोटाश	0.277

श्रीवास्तव/

ग- कृषि औद्योगिक विकास निगम द्वारा॥ह0मी0ट0॥

1- नत्रजन	1.583
2- फासफेटिक	0.768
3- पोटाश	0.240

घ- गन्ना विभाग द्वारा॥ह0मी0ट0॥

1- नत्रजन	-
2- फासफेटिक	-
3- पोटास	-

ङ- अन्य॥हजारमी0टन॥

1- नत्रजन	19.289
2- फासफेटिक	7.353
3- पोटाश	2.318

20- उर्वरक डिपो

1- कृषि विभाग द्वारा ॥सं0॥	31
2- सहकारिता विभाग द्वारा	158
3- कृषि औद्योगिक विकास द्वारा	8
4- गन्ना विभाग द्वारा	2

21- शीतगृह

	संख्या	क्षमता
1- कृषि विभाग द्वारा	-	-
2- सहकारिता विभाग द्वारा	-	-
3- कृषि औद्योगिक विकास निगम	-	-
4- गन्ना विभाग द्वारा	-	-
5- प्राइवेट	16	72

22- कम्पोस्ट खाद का उत्पादन॥ह0मी0ट0॥ 32

23- हरी खाद के अन्तर्गत ॥ह0हे0॥ एन0ए0

24- गोबरगैस संयत्रों की स्थापना 88-89 3929आर

25- भूमि संरक्षण

॥क॥ कृषि विभाग द्वारा

1- कृषि भूमि में ॥ह0हे0॥	-	-
2- रैवाइन्स में	-	-

- -

श्रीवास्तव/

3- फलोपयोग एवं औधानिकी

1- फलो/उद्यानों के अन्तर्गत क्षेत्रफल ह0हे0	0.004
2- शाक सब्जी के अन्तर्गत क्षेत्र	-
3- फलों का उत्पादन (ह0हे0)	-
4-फलों का मूल्य (हजार रूपयेमें)	-
5- आलू का उत्पादन (ह0मी0ट0)	-
6- पौध सुरक्षा कार्य (ह0हे0)	-
7- पुराने उद्यानों का जीर्णोद्धार	485.842

4- गन्ना विकास

1- गन्नाका क्षेत्रफल (ह० हे०)	8
2- गन्ना का उत्पादन (ह0मी0ट0)	494
3- गन्ना का मूल्य (ह0रूपया	271435
4- वाणिज्यक फसलों के अन्तर्गत गन्ना का गुण के रूप में (ह0मी0ट0)	-
5- अधिक उपज देने वाली जातियों का बीज वितरण गन्ना (ह0मी0ट0)	-
(क) गन्ना विभाग द्वारा	-
(ख) सहकारिता विभाग द्वारा	-
(ग) कृषिविभाग द्वारा	-

5- सिंचाई 1987-88

1- निजी/लघु सिंचाई

1- पक्के कुए	1213आर
2- कूप बोरिंग	174
3- रहट	563आर
4- नलकूप	14224
5- पम्पसेट	24437
6- पहाडी क्षेत्रों मेंहौज द्वारा	--
7- कुल सिंचित क्षेत्रफल ह0हे0	239
8- सकल बोया गया क्षेत्रफल में सिचिंत क्षेत्र का प्रतिशत	53.2
9- शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल से सिंचित क्षेत्र का प्रतिशत	66.5

श्रीवास्तव/

2- वृहत एवं मध्यम सिंचाई 1988-89

1- राजकीय लघु सिंचाई

क- नलकूप संख्या	389	
ख- नलकूप द्वारा सिंचित क्षमता का सृजन हजार हे0	389	
2- कुल उपलब्ध शुद्ध सिंचन क्षमता राजकीय लघु सिंचाई द्वारा हजार हे0	389	
3- वृहत एवं मध्यम सिंचाई द्वारा सिंचन क्षमता का सृजन	129	
4- सिंचन क्षमता का वास्तविक उपयोग		
क- राजकीय लघु सिंचाई द्वारा हे0हे0		389
ख- वृहत एवं मध्यम सिंचाई द्वाराहे0हे0		129

6- वन

1- वन विभाग के प्रबन्ध के अन्तर्गत कुल क्षेत्र

क- वन ब्लाक	8.8
ख- नहर पटरियाँ	135.4
ग- सडक	248.5
2- आर्थिक महत्त्व के वृक्षो का क्षेत्र	--
3- जल्दी उगने वाले वृक्षो का क्षेत्र	--
4- सामाजिक वानिकी के अन्तर्गत क्षेत्र	
॥क॥ वन ब्लाक	8.8
॥ख॥ सडक पटरियाँ	135.4
॥ग॥ सडक रोड	248.5
5- सडको की लम्बाई	
॥क॥ सरफेस्ट कि0मी0	अप्राप्त
॥ख॥ असरफेस्ट कि0मी0	--
6- वन द्वारा उत्पादत लकडी ॥हे0वर्गफु0॥	--
7- उत्पादित लकडी का मूल्य ॥हे0रूपये॥	--
8- विक्रय की लकडी का मूल्य हे0हे0	--

7- पशुपालन31.3.89को स्थिति

1- पशुचिकित्सालय/औषधालय सं0	30
2- स्टॉक मैन सेन्टर पशुसेवाकेन्द्र	95
3- कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र	116
4- कृत्रिम गर्भाधान उपकेन्द्र	
5- भेडएवंऊन विस्तार केन्द्र	-

श्रीवास्तव/

6- राजकीय कुक्कुट फार्म सं0 ---
7- सहकारी कुक्कुट फार्म सं0 ---
8- चारे की फसलों के अन्तर्गत क्षेत्र ह0हे0 अप्राप्त
9- विभिन्न प्रकार के जानवरों की संख्या नाम सहित 1195098

8- दुग्ध एवं दुग्ध सम्भूर्ति 31.3.90 की स्थिति

1- नगर क्षेत्र में दुग्ध उपार्जन (ला0ली0) ---
2- ग्रामीण क्षेत्र में दुग्ध उपार्जन ला0ली0 ---
3- नगर क्षेत्र में समितियों की संख्या ---
4- नगर क्षेत्र में समितियों के सदस्य की सं0 ---
5- ग्रामीण क्षेत्र में समितियों की सं0 ब्लाकवार 240
6- ग्रामीण क्षेत्रों में समितियों में सदस्यता सं0 13458
7- दुग्ध एकत्र करने के केन्द्र नगर में ब्लाक वार संख्या ---
8- नगर क्षेत्र में प्लांटस की सं0 ---
9- नगर में लगे हुए प्लांटस की क्षमता ला0ली0 --

9- मत्स्य वर्ष 1988-89

1- श्रमिक मछुआ सहकारी समितियों की सं0 20
2- अगंलिकाओं का वितरण हजारों में 2366
3- मत्स्य बीज फार्म संख्या अप्राप्त

10- भण्डारण राज्य भण्डारण निगम द्वारा संचालित

1- वेयरहाउस की संख्या (नगर में) पुखरायाँ
2- वेयरहाउस में क्षमता (लाखटन में) नगर 0.06
3- गोदामों की संख्या नगर में 19
4- गोदामों की क्षमता लाखटन नगर में 0.3
5- खण्डवार वेयरहाउसेज की संख्या ---
6- खण्डवार गोदामों की संख्या ला0टन ---
7- खण्डवार गोदामों की संख्या 8
8- खण्डवार गोदामों की क्षमता ला0टन 0.01

11- सहकारिता वर्ष 1988-89

1- जिला सहकारी बैंक

(क) शाखायें (संख्या) 20
(ख) जमाधनराशि हजार रूपया 1950
(ग) ऋण वितरण हजार रूपया
1- अल्पकालीन ऋण हजार रूपया 38967
2- मध्यकालीन ऋण हजार रूपया 7398

श्रीवास्तव/-

घ- भूमि विकास बैंक

1- शाखायें संख्या	6
2- दीर्घकालीन ऋणवितरण ह0रू0	18114

2- प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियाँ

1- समितियाँ संख्या	158
2- सदस्यता	270372
3- अंशपूंजी ह0रू0	14552
4- जमाधनराशि	1950
5- अल्पकालीन ऋण वितरण ह0रू0	38967
6- मध्यकालीन ऋण वितरण ह0रू0	7398

3- क्रय विक्रय समितियाँ

1- समितियों की सं0	3
2- सदस्य सं0	26428
3- अंशपूंजी ह0रू0	271
4- विपणन की गईवस्तुओं की मूल्य ह0रू0	5813

(5) सहकारी विधायन समितियाँ

1- समितियाँ संख्या	1
2- सदस्यता	3644
3- अंशपूंजी ह0रू0	21
4- विधीयन की गई वस्तुओं का मूल्य	1359

(6) उपभोक्ता सहकारी समितियाँ

1- समितियाँ संख्या	--
2- सदस्यता सं0 ह0 में	--
3- अंशपूंजी की गई वस्तुओं का मूल्य	--
4- विक्रय की गई वस्तुओं का मूल्य	--

(9) विद्युत विकास 1988-89

1- विद्युत उपभोग (ह0कि0वा0घं0	190132

2- विभिन्न कार्यों में विद्युत का उपभोग

(क) घरेलू एवं वाणिज्य (कि0वा0घं0)	4096
(ख) औद्योगिक (कि0वा0घं0)	27619
(ग) कृषि सिंचाई कार्यों को सम्मिलित करते हुए (कि0वा0घ0)	45478
घ अन्य	112969

श्रीवास्तव/

(10) उपरोक्त मदों (करोड़) तक प्रतिव्यक्ति उपभोग | 106

(11) वितरण लाइनों की लम्बाई

1- हाई टेन्सन लाइन

(क) कि0वा0कि0मी0 | 2071
(ख) 33कि0वा0 | 267
(ग) अन्य | ---

(12) विद्युतीकृत ग्राम 1988-89

1- ग्रामों की संख्या | 833
2- कुल ग्रामों का प्रतिशत | 51

(13) हरिजन बस्तियों का विद्युतीकरण संख्या 607

(14) औद्योगिक कनेक्शन

1- ग्रामीण संख्या | 106
2- शहरी | 674

(15) विद्युतीकृत ट्यूब वैलो/पम्प सैटोंकीसंख्या

1- राजकीय संख्या | 589
2- निजी ,, | 14224

(16) उद्योग विकास 1987-88

1- ग्रामीण एवं लघु उद्योग

(क) लघु उद्योग इकाइयों की संख्या | 2322
(ख) उपरोक्त लघु उद्योग इकाइयों में लगे व्यक्तियों की संख्या | 10630
(ग) असंगठित क्षेत्र में लगे उद्योग इकाइयोंकीसं0 202?
(घ) औद्योगिक आस्थान

(क) अधिगृहित भूमिका विकास है0हे0 | 1036
(ख) शेडों का निर्माण | 8
(ग) कार्यरत इकाइयाँ | 15

(2) हथकरधा एवं वस्त्र उद्योग

1- सहकारी क्षेत्र में लाये गये हथकरघों कीसं0 985
2- बुनकर सहकारी समितियों का गठन 23
3- हथकरघा वस्त्र का उत्पादन ला0मी0 38
4- रेशम कोया का उत्पादन कि0ग्रा0 2015
5- टसर कोया उत्पादन --

श्रीवास्तव/

॥3॥ वृहत एवं मध्यम उद्योग

॥क॥ उद्योगों की संख्या 1

॥ख॥ उपरोक्त उद्योगों के नाम व लगे व्यक्तियों की संख्या

नाम	लगेव्यक्तियोंसं0	उत्पादितवस्तु
1- मैटिन टान्स मिशन	148	आटोमेटिकगेयर

॥14॥ सडक 1987-88

1- नई पक्की सडकों का निर्माण कि0	8
2- पक्की सडकों का निर्माणअभी वि0द्वारा	8
3- पुरानी सडकों निर्माण	8
4- जिला परिषद द्वारा पक्की सडकोका निर्माण	--
5- समस्त ऋतुओं में सडकोसेजुडे ग्रामोंकीसं0	716

॥15॥ शिक्षा वर्ष 1988-89

1- विद्यालय

॥क॥ प्राइमरी स्कूलों की संख्या	1310
॥ख॥ सीनियर बेसिक स्कूलों की संख्या	353
॥ग॥ हायर सेकेन्ड्री स्कूलों की संख्या	96
॥घ॥ डिग्री कालेजों की संख्या	2
॥ड॥ विश्व विद्यालय की संख्या	--

2- भर्ती कुल

॥क॥ प्राइमरी स्कूल में संख्या	210285
॥ख॥ सी0बेसिक स्कूल में संख्या	91074
॥ग॥ हायर सेकेन्ड्री स्कूल में संख्या	64462
॥घ॥ डिग्री कालेज में	709
॥ड॥ विश्व विद्यालय में संख्या	-

॥3॥ ग्रामों की संख्या

1- जिसमें प्राइमरी स्कूल नही है संख्या	316
2- जिसमें सी0बे0 स्कूल भवन नही है सं0	1273

॥5॥ अनुसूचितजाति/जनजाति विद्यार्थी

॥क॥ प्राइमरी स्कूल में संख्या	55421
॥ख॥ सी0बे0 स्कूल की संख्या	15232
॥ग॥ हायर सेकेन्ड्री स्कूल में	7184
॥घ॥ डिग्री कालेज में संख्या	85
॥ड॥ विश्व विद्यालय में संख्या	-

श्रीवास्तव/

॥16॥ चिकित्सालय एवं स्वास्थ्य सेवा 1988-89

1- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें

॥क॥	एलोपैथिक अस्पताल की संख्या	॥
॥ख॥	एलोपैथिक डिस्पेंसरी की सं0	॥ 35
॥ग॥	होम्योपैथिक अस्पताल की सं0	॥
॥घ॥	होम्योपैथिक डिसपेंसरी की सं0	19
॥ड॥	आयुर्वेदिक एवं यूनानी अस्पताल की सं0	35
॥च॥	आयुर्वेदिक एवं यूनानी डिस्पेंसरी	

2- शैय्यायें

॥क॥	एलोपैथिक अस्पताल सं0	
॥ख॥	एलोपैथिक डिस्पेंसरी सं0	282
॥ग॥	होम्योपैथिक अस्पताल सं0	
॥घ॥	होम्योपैथिक अस्ताल सं0	शून्य
॥ड॥	आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी में सं0	60

3- विभिन्न बीमारियों से सम्बन्धित अस्पताल डिस्पेंसरी

॥क॥	टी0वी0 संख्या	-
॥ख॥	फाइलेरिया ,,	-
॥ग॥	छूत की बीमारी	-
॥घ॥	कुष्ट रोग	-
॥ड॥		

4- विभिन्न बीमारियों से सम्बन्धित अस्पतालों/डिस्पेंसरी में शैय्यायें

॥क॥	टी0वी0 हेतु संख्या	-
॥ख॥	फाइलेरिया हेतु ,,	-
॥ग॥	छूत की बीमारी हेतु ,,	-
॥घ॥	कुष्ट रोग की बीमारी	-

॥5॥ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र 23

॥6॥ परिवार कल्याण

॥क॥ परिवार कल्याण केन्द्र की सं0 36

॥ख॥ बन्ध्याकरण

	पुरुष	
3- आई0यू0सी0डी0		57861
3- आई0यू0सी0डी0		46275

(17) पर्यटन विकास

1- पर्यटन आवास का निर्माण/विस्तार — निल

2- शैयायायें — ,,

(18) प्राविधिक शिक्षा

1- डिग्री स्तर की संस्थायें

(क) संख्या	निल
(ख) प्रवेश क्षमता	निल
(ग) वास्तविक भर्ती	निल

2- डिप्लोमा स्तर की संस्थायें

(क) संख्या	1
(ख) प्रवेश क्षमता	150
(ग) वास्तविक भर्ती	154

(19) जल सम्पत्ति जल निस्तारण

1- नगरीय जल सम्पूर्ति का निस्तारण नगरों की सं0

–	घाटमपुर, शिवली, बिल्हौर, अकबरपुर, पुखरायाँ, झींझक, शिवराजपुर, रूरा, अमरौधा, सिकन्दरा ।	
2- पाइपों द्वारा	10	–
3- हैण्डपाम्प द्वारा	–	–
4- जल निस्तरण	–	–
5- शुष्क शौचालयों को स्वच्छ शौचालयों में परिवर्तन	–	–

2- ग्रामीण जल सम्पुर्ति	ग्रामोंकीसं0	जनसंख्या
(क) हैण्डपम्प द्वारा	195	103
(ख) कुआ द्वारा	1337	1661
(ग) डिग्गी	–	–
3- नगरों की संख्या जिसमें प्राकृतिक झीलें (पर्वतीय क्षेत्र	–	–
4- नगरो की सं0 जिसमें पाइप द्वारा जल सम्पुर्ति नही है	–	–

5- ग्रामों की संख्या जिसमें पानी के पीने की सुविधा नही है	ब्लाक कानाम	ग्रामों की संख्या
	--	--

6- ग्रामों की संख्या, जिसमें पिछडी जा0 अनुसूचितजातियोंतथाअनु0जनजातियों के लिये पानी की सुविधा	-	-
7- ग्रामों की संख्या जिसमें पिछडीजाति अनु0जनजातियोंतथाअनु0जनजातियोंके लिये पानी की सुविधा नही है	-	-

§20§ पिछडी,अनुसूचितजातियों तथाअनस0 जातियों का कल्याण§हरिजनसमाज§ 1984-85

1- पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्तियाँ

§क§ सामान्य कोर्स	
§अ§ पिछडी जातिया	10120
§ब§ अनुसूचितजातिया	
§ख§ प्राविधिक एवं पेशेवर कोर्स	
§अ§ पिछडी जातियों सं0	-
§ब§ अनुसूचितजातिया	-
§स§ अनुसूचितजनजातिया	-

§21§ आवास विकास

§क§ भूमि अर्जन	हे0	-
§ख§ भूमि विकास	हे0	-
§ब§ उच्चआयवर्ग गृह निर्माण	सं0	-
§घ§ मध्यम आय वर्ग गृह निर्माण		-
§ड§ अल्प आय वर्ग हेतु गृह निर्माण	सं0	-
§च§ दुर्बल आय वर्ग हेतु निर्माण	सं0	-

12- जनपदों में विकास प्राधिकारणों द्वारा:

§क§ भूमि अर्जन	हे0	-
§ख§ भूमि विकास	हे0	-
§ग§ उच्च आयवर्गगृहनिर्माण	सं0	-
§घ§-मध्य आय वर्ग गृह निर्माण	सं0	-
§ड§ अल्पआय वर्ग गृह निर्माण		-
§च§ दुर्बल आय वर्ग गृह निर्माण		-

§13§ अन्य श्रोतों द्वारा

§क§ भूमि अर्जन	हे0	-
§ख§ भूमि विकास	हे0	-
§ग§ उच्च आय वर्ग गृह निर्माण		-
§घ§ मध्यम आय वर्ग गृह निर्माण		-
§च§ अल्प आय वर्ग गृह निर्माण		-
§ दुर्बल आय वर्ग गृह निर्माण		-

---

§§§§§§§§§§§§§§
§§§§§§§§§§§§
§§§§§§§§§§
§§§§§§§§
§§§§§§
§§§§
§§
§

जनपद कानपुर देहात

भूमिगत जल की उपलब्धता

क्रं॰ सं॰	विकास खण्ड का नाम	स्थिति 31-12-88	
		शुद्ध उपयोगी रिचार्ज (हे॰मी॰)	प्रतिशत विकास उपयोगिता %
1.	शिवराजपुर	6636	38%
2.	बिल्हौर	7802	51%
3.	ककवन	10715	21%
4.	चौबेपुर	6048	34%
5.	घाटमपुर	9674	29%
6.	पतारा	5610?	27%
7.	भीतरगाँव	7652	33%
8.	अकबरपुर	7628	34%
9.	सरवनखेड़ा	6167	30%
10.	मैथा	10428	19%
11.	डेरापुर	5967	33%
12.	रसूलाबाद	9593	25%
13.	मीमक	4887	55%
14.	सन्दलपुर	3986	35%
15.	राजपुर	6662	8%
16.	अमरौधा	7904	21%
17.	मलासा	3694	49%

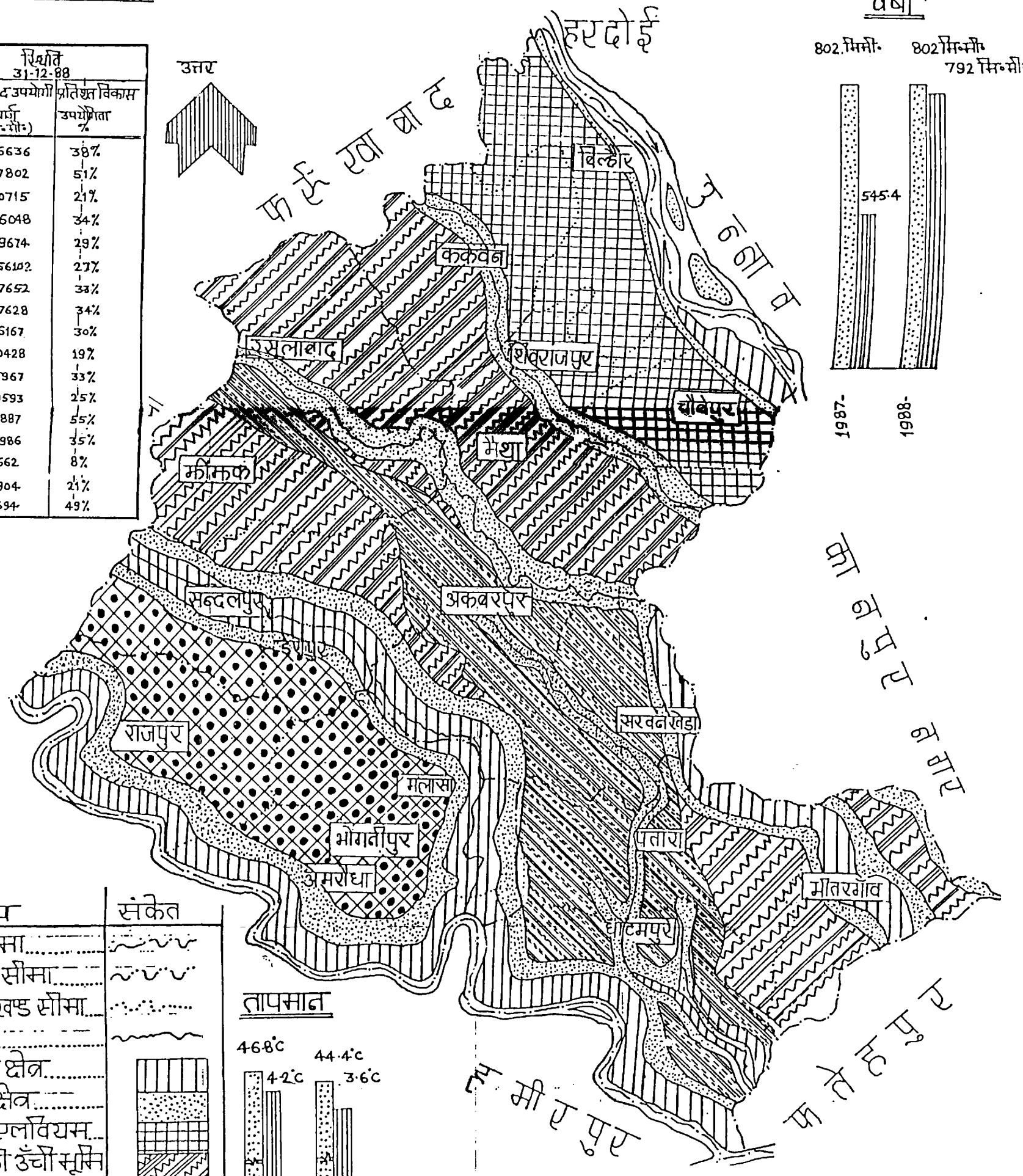

क्र॰	विवरण	संकेत
1.	जिला सीमा	
2.	तहसील सीमा	
3.	विकास खण्ड सीमा	
4.	नदियाँ	
5.	कछारी क्षेत्र	
6.	कटाव क्षेत्र	
7.	रिजेन्ट एलवियम	
8.	गंगा की ऊँची भूमि	
9.	केन्द्रीय निचली भूमि	
10.	यमुना क्षेत्र	

क. संकेत सारिणी चि०

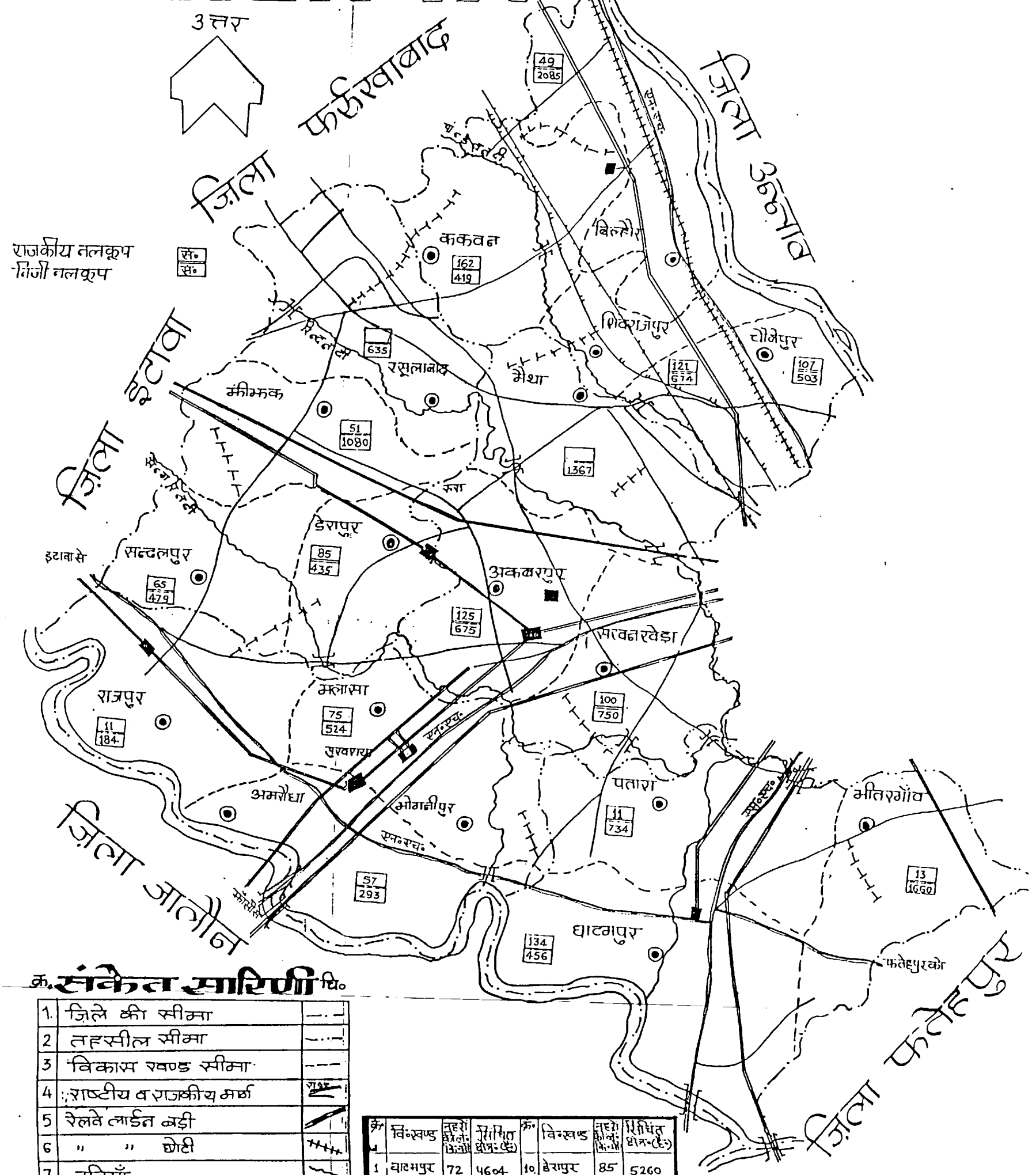

क.	संकेत	चि०
1.	ज़िले की सीमा	
2	तहसील सीमा	
3	विकास खण्ड सीमा	
4	राष्टीय व राजकीय मार्ग	
5	रेलवे लाईन बड़ी	
6	" " छोटी	
7	नदियाँ	
8	नेहरास	
9	132 के बीलाइन	
10	220 " " उपस्थान	
11	32 के बी लाइन	

क्र.	वि०खण्ड	नहरों की लं० कि०मी०	सिंचित क्षेत्र० (है०)	क्र.	वि०खण्ड	नहरों की लं० कि०मी०	सिंचित क्षेत्र० (है०)
1	घाटमपुर	72	4604	10.	डेरापुर	85	5260
2.	पतारा	130	8374	11.	रसूलाबाद	105	8700
3.	भीतरगांव	79	9946	12	झींझक	51	4040
4.	अमरौधा	99	6834	13	सन्दलपुर	65	6824
5.	राजपुर	92	9513	14.	बिल्हौर	49	2530
6.	मलासा	75	9456	15	चौबेपुर	107	4676
7.	अकबरपुर	125	7686	16.	ककवन	162	9718
8.	मैथा	128	9577	17	शिवराजपुर	121	7210
9	सरवनखेड़ा	100	10512				

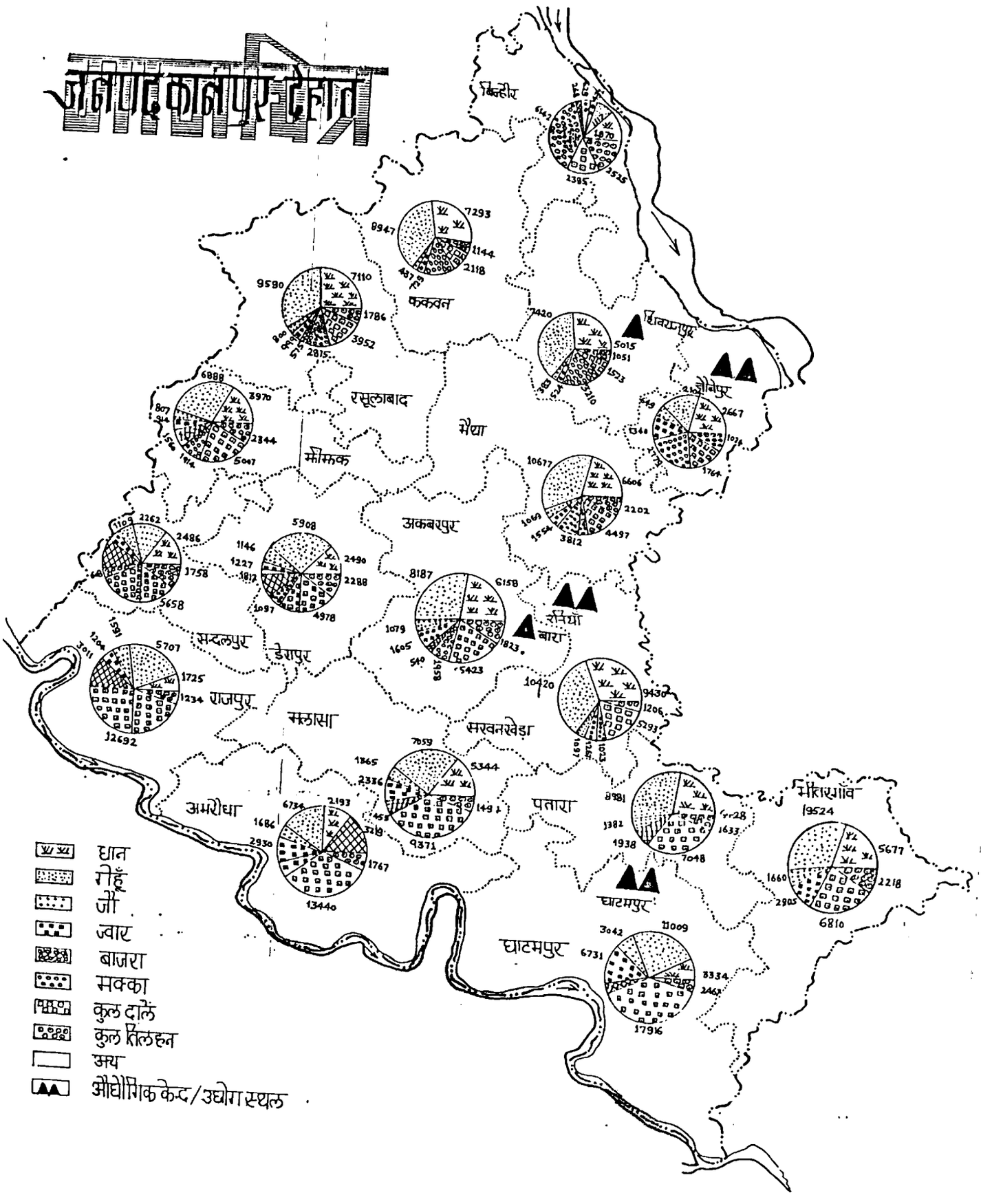

जनपद कानपुर देहात
बिल्हौर
ककवन
शिवराजपुर
चौबेपुर
रसूलाबाद
मैथा
अकबरपुर
रनियाँ
बारा
सन्दलपुर
डेरापुर
राजपुर
मलासा
सरवनखेड़ा
अमरौधा
पतारा
भीतरगाँव
घाटमपुर
धान
गेहूँ
जौ
ज्वार
बाजरा
मक्का
कुल दालें
कुल तिलहन
अन्य
औद्योगिक केन्द/उद्योग स्थल

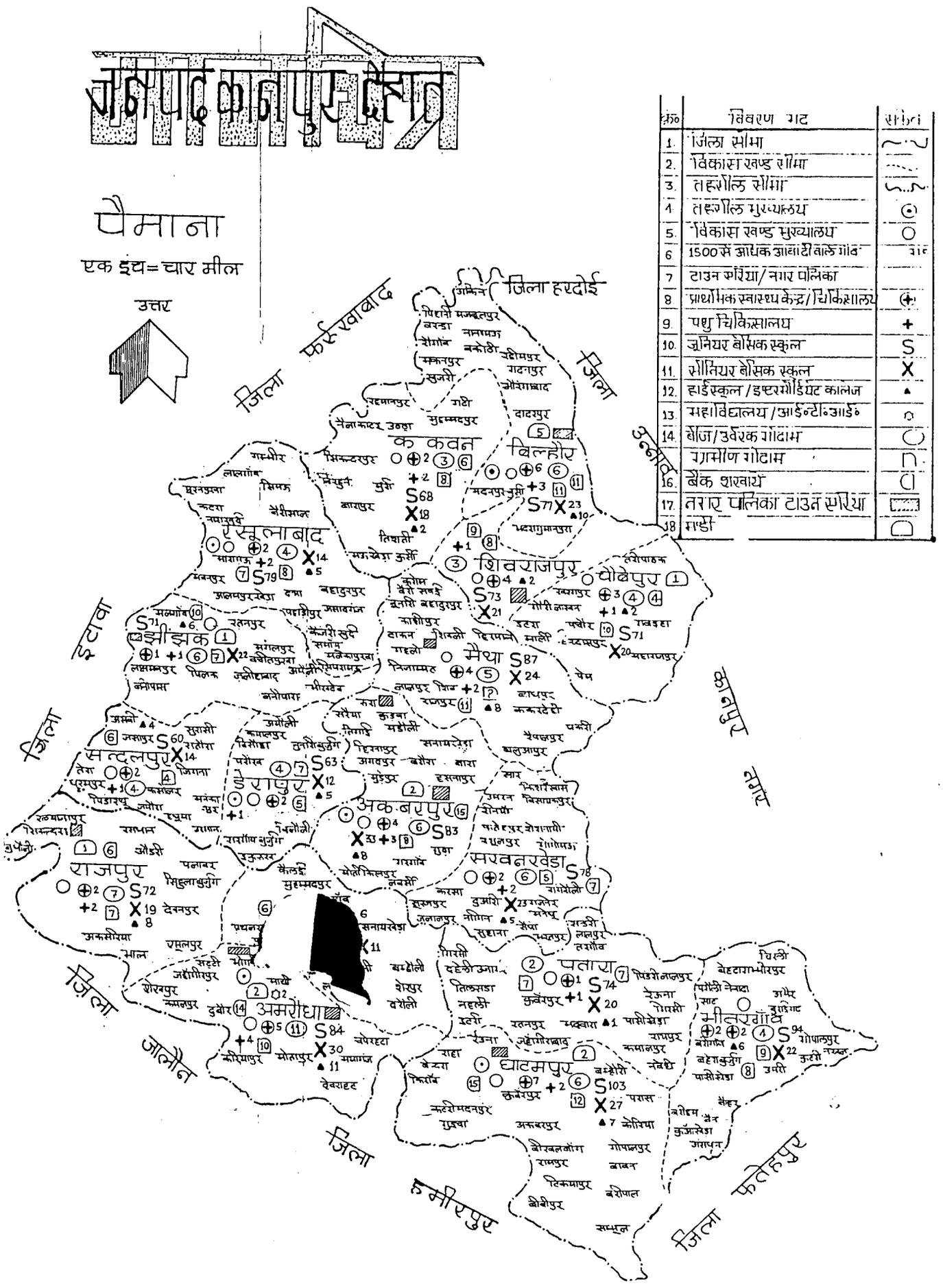

NIEPA DC
D05906